खण्ड-08 सत्र-01 / अंक-04

शुक्रवार 28 फरवरी, 2025 / 09 फाल्गुन, 1946 (शक)

दिल्ली विधान सभा

की

कार्यवाही

सत्यमेव जयते

आठवीं विधान सभा

पहला सत्र

अधिकृत विवरण

(खण्ड-08, सत्र-1 में अंक 01 से 05 तक सम्मिलित हैं।)

दिल्ली विधान सभा सचिवालय

पुराना सचिवालय, दिल्ली-110054

सम्पादक वर्ग

EDITORIAL BOARD

रंजीत सिंह

सचिव

RANJEET SINGH

Secretary

महेन्द्र गुप्ता

उप-सचिव (सम्पादन)

MAHENDRA GUPTA

Deputy Secretary (Editing)

विषय सूची

सत्र-1 शुक्रवार, 28 फरवरी, 2025/09 फाल्गुन, 1946 (शक) अंक-04

क्र.सं.	विषय	पृष्ठ सं.
1.	सदन में उपस्थित सदस्यों की सूची	1-2
2.	विशेष उल्लेख (नियम-280)	4-36
3.	सीएजी की रिपोर्ट मीडिया में लीक होने के संबंध में माननीय अध्यक्ष महोदय एवं अन्य सदस्यों द्वारा चिंता	37-40
4.	स्वास्थ्य संबंधी सीएजी रिपोर्ट का प्रस्तुतिकरण एवं चर्चा	41-55
5.	माननीय नेता, प्रतिपक्ष के पत्र के संबंध में माननीय अध्यक्ष महोदय का स्पष्टिकरण	56-58
6.	माननीय उप-राज्यपाल के अभिभाषण पर धन्यवाद प्रस्ताव पर चर्चा	59-144

दिल्ली विधान सभा

की

कार्यवाही

सत्र-1 शुक्रवार, 28 फरवरी, 2025/09 फाल्गुन, 1946 (शक) अंक-04

दिल्ली विधान सभा

निम्नलिखित सदस्य सदन में उपस्थित हुए:

1. श्री अभय कुमार वर्मा
2. श्री अजय कुमार महावर
3. श्री अशोक गोयल
4. श्री चन्दन कुमार चौधरी
5. डॉ. अनिल गोयल
6. श्री गजेन्द्र सिंह यादव
7. श्री जितेन्द्र महाजन
8. श्री पवन शर्मा
9. श्री श्याम शर्मा
10. अहिर दीपक चौधरी
11. श्री अनिल कुमार शर्मा
12. श्री हरीश खुराना
13. श्री कैलाश गंगवाल
14. श्री करनैल सिंह
15. श्री करतार सिंह तंवर
16. श्री कुलदीप सोलंकी
17. श्री कुलवन्त राणा
18. श्री मनोज कुमार शौकीन
19. श्री नीरज बैसोया
20. श्री ओम प्रकाश शर्मा
21. श्री प्रद्युमन सिंह राजपूत
22. श्रीमती पूनम शर्मा

23. श्री राजकरण खत्री
24. श्री राजकुमार भाटिया
25. श्री रवि कान्त
26. श्री रविन्दर सिंह नेगी
27. श्री संदीप सहरावत
28. श्री सतीश उपाध्याय
29. सुश्री शिखा राय
30. श्री सूर्य प्रकाश खत्री
31. श्री तिलक राम गुप्ता
32. श्री उमंग बजाज

दिल्ली विधान सभा

की

कार्यवाही

सत्र-1 शुक्रवार, 28 फरवरी, 2025/09 फाल्गुन, 1946 (शक) अंक-04

सदन अपराह्न 2.06 बजे समवेत हुआ।

माननीय अध्यक्ष (श्री विजेन्द्र गुप्ता) पीठासीन हुए।

माननीय अध्यक्षः माननीय सदस्यगण आज राष्ट्रीय विज्ञान दिवस है। महान वैज्ञानिक और नोबल पुरूस्कार विजेता सर सी.वी.रमन द्वारा खोजे गए रमन प्रभाव के सम्मान में प्रतिवर्ष 28 फरवरी को यह दिवस मनाया जाता है। इसका उद्देश्य विज्ञान के प्रति जागरूकता फैलाना और समाज में वैज्ञानिक दृष्टिकोण को बढ़ावा देना है। आप सभी को राष्ट्रीय विज्ञान दिवस की हार्दिक शुभकामनाएं। माननीय सदस्यगण आज हालांकि मनजिंदर सिंह सिरसा जी का सुबह फोन आ गया था और उनको किसी व्यक्तिगत विवाह उत्सव में कहीं शामिल होना है इसलिए वो आज सदन में उपस्थित नहीं हो पाएंगे लेकिन मैं आप सबको बताना चाहता हूं खुशी की बात कि आज उनका जन्मदिन है। तो आज माननीय मंत्री-श्री मनजिंदर सिंह सिरसा जी का जन्मदिन है, मैं इस अवसर पर उनको अपनी ओर से तथा पूरे सदन की ओर से हार्दिक बधाई देता हूं तथा कामना करता हूं कि वे अपने व्यक्तिगत तथा राजनैतिक जीवन में नई ऊंचाइयां प्राप्त करें। आप सभी की तरफ से भी उनको बहुत-बहुत बधाई।

विशेष उल्लेख-नियम 280 के तहत, अब सदस्यों द्वारा विशेष उल्लेख के मामले उठाए जाएंगे। करतार सिंह तंवर।

विशेष उल्लेख-नियम 280

श्री करतार सिंह तंवरः धन्यवाद अध्यक्ष जी आपने मुझे 280 के तहत विधान सभा से संबंधित एक बहुत बड़ी समस्या पर बोलने का अवसर दिया। अध्यक्ष जी, मैं आपका ध्यान छतरपुर विधान सभा में बहुत भारी ट्रैफिक जाम की समस्या की तरफ दिलाना चाहता हूं। अध्यक्ष जी, छतरपुर विधान सभा में चारों तरफ, जहां से विधान सभा शुरू होती है, कुतुब मेट्रो के बाद लगातार हमेशा पूरा ट्रैफिक जाम रहता है। और क्योंकि छतरपुर विधान सभा में बहुत सारे बैंक्वट हॉल हैं और वहां आप सभी सदस्यों का भी और पूरी दिल्ली से लोगों का शादी-ब्याह में वहां हमेशा जाना रहता है तो सभी, इससे पूरी दिल्ली वहां परेशान है, जो क्षेत्रवासी हैं वो तो परेशान हैं ही। और बहुत सारे वहां पर धार्मिक स्थल भी हैं, जैसे छतरपुर मंदिर हमारा बहुत बड़ा मंदिर है। राधास्वामी सत्संग व्यास है, राज विद्या केंद्र है, हंस लोक आश्रम है और गुरू जी का आश्रम है। और कई बार तो ऐसा होता है कि एक दिन में जो वहां पर डिवोटिज जाते हैं, श्रद्धालु जाते हैं उनकी संख्या एक दिन के अंदर भी लाख से ऊपर होती है, और बहुत लोग, सभी वहां पर जाते हैं। तो मेरा आपसे निवेदन है कि ये समस्या इतना विकराल रूप धारण कर चुकी है कि समस्त क्षेत्रवासी परेशान हैं।

पहले भी मैंने बात रखी है कि वहां पर कुछ ऐसे उपाय करने की जरूरत है कि जहां से विधान सभा शुरू होती है, एलिवेटेड रोड्स, फ्लाईओवर्स बनाए जाने की बहुत ज्यादा जरूरत है। अध्यक्ष जी, एक तो छतरपुर 100 फुटा रोड, सीडीआर चौक और मांडी, जौनापुर रोड और एसएसएन मार्ग, इन सभी पर, कहीं तो फ्लाईओवर की रिक्वायरमेंट है और कहीं रोड को चौड़ा करने की जरूरत है। तो मेरा आपसे निवेदन है कि एक हमारा मांडी रोड उसका चौड़ा करने का प्रपोजल है, अलाइनमेंट उसका अप्रूव्ड हो चुका है, इवन जो जमीन के खसरे नंबर हैं वो भी सारे डिसाइड हो चुके हैं। साढ़े तैंतालीस एकड़ जमीन उसमें एक्वायर होनी है और उसको 100 फीट का बनाया जाना है। ये सीडीआर चौक से लेकर सुल्तानपुर, जौनापुर, मांडी होते हुए ग्वाल पहाड़ी को ये जो हमारा गुडगांव से और फरीदाबाद रोड है वहां पर टच होता है और गुडगांव से काफी ट्रैफिक जो है यहीं से होते हुए दिल्ली में आता है तो इसको जल्दी से जल्दी इसकी जो है जमीन अधिग्रहण की प्रक्रिया शुरू करके और इसको चौड़ा किया जाए। इस पर सारा पेपर-वर्क करीब-करीब कम्प्लीट है।

एक मेरा 100 फुटा रोड पर फ्लाईओवर बनाया जाए, सीडीआर चौक पर फ्लाईओवर बने जिससे कि वसंत कुंज जाने वाले लोगों को और जो लोग गुडगांव से आते हैं सीडीआर चौक होते हुए वो आराम से यहां से निकल सकें। और एक जो हमारा छतरपुर मंदिर के सामने का रोड है ये भी, ये सारा इस तरह से ट्रायंगल बनता

है, ये सारा एलिवेटेड बनेगा तो सारी समस्या का समाधान होगा। तो मेरी आपसे विनती है कि जल्दी से जल्दी, क्योंकि ये ऐसा विषय बन चुका है जिसमें बहुत-बहुत बड़ी परेशानी हो रखी है। तो जल्दी से जल्दी इस पर कार्रवाई कराई जाये और मैंने रिक्वेस्ट भी की है पीडब्लूडी मंत्री जी से, उन्होंने अभी बोला है आने के लिए। तो मैं ये चाहूंगा कि मंत्री जी की विजिट अगले सप्ताह जल्दी से हो और इस पर कार्रवाई शुरू की जाए। आपने मुझे बोलने का अवसर दिया बहुत-बहुत धन्यवाद।

माननीय अध्यक्षः कुलवंत राणा।

श्री कुलवंत राणाः अध्यक्ष जी धन्यवाद। अध्यक्ष जी, रिठाला विधान सभा के अंदर पिछले 10-12 साल से सूखा नशा बिक रहा है। और ये खाली इस विधान सभा की बात नहीं अभी मेरे कई मित्र भी बोल रहे थे कि हमारे यहां भी ये विषय है, ये दिल्लीभर में सूखा नशे का प्रचलन पिछले 10 वर्ष में बहुत बढ़ गया है। और पंजाब में जब सरकार आई, पूर्ववर्ती सरकार जो दिल्ली में थी उनके सहयोगी दल की सरकार, उसके बाद मुझे लगता है वो सूखा नशा वहां से आया है और नकली शराब तो पिला ही दी दिल्ली वालों को, सूखे नशे की तरफ झोंक दिया है दिल्ली के नौजवानों को और इससे जो मां-बाप बेचारा बहुत उम्मीदों के साथ अपने बच्चे का लालन-पालन करता है, उच्च शिक्षा देता है और खासतौर पर ये डीटीयू में, नेताजी सुभाष इंस्टिट्यूट में, वह जो उच्च शिक्षण

संस्थान हैं उनमें भी ये बहुत प्रभावी तरीके से लोग उसको बेच रहे हैं और दिल्ली में लगभग जितने भी पनवाड़ी है, बड़े-बड़े पनवाड़ी हैं वो भी इस प्रकार के नशे बेचते हैं। मैं एक दिन पार्क में घूमने गया तो 10-12 बच्चों की टोली थी, ठीक-ठाक बच्चे थे और लगभग इंस्टिट्यूट्स में ही पढ़ते थे, वो हायर एजुकेशन में थे तो पन्नियां थी उनके हाथ में, गोली थी, जैसे भांग की गोली हो, सिगरेट थीं तो ये बहुत घातक है। एक मां-बाप जो, एक-दो बच्चा सबके पास होता है और उस बच्चे को जब वो इंस्टिट्यूट भेजता है पढ़ने के लिए और जो वहां का कोई न कोई शरारती बच्चा होता है वो लत डालता है और एक बार उस बच्चे को लत लग गई, लत लगने के बाद वो तीन-चार-पांच बार पी लिया, उसको तो मजा आ गया लेकिन वो मजे-मजे में फिर वो न घर का रहता है, न परिवार का रहता है, उसका जो विजन है उसका वो भी समाप्त हो जाता है। और मां-बाप देख-देखकर के उसको रोते हैं बेचारे, उनकी उम्मीद टूट जाती है। तो ये बहुत खतरनाक विषय है, इसके ऊपर गंभीरता से दिल्ली पुलिस से बात करके, ये जो सांसी लोग जो शराब बेचते हैं वो भी इस प्रकार का काम कर रहे हैं, और इस पर रोक लगाने की आवश्यकता है। अगर ये नहीं रोका गया तो जो हमारा भविष्य है दिल्ली का वो खतरे में है और हमारी आने वाली जनरेशंस खराब हो जाएगी। तो ये इस विषय पर आप संज्ञान लेंगे तो बहुत अच्छा रहेगा। आपने मुझे बोलने का अवसर दिया बहुत-बहुत आभार, धन्यवाद।

माननीय अध्यक्षः गजेन्द्र दराल। (अनुपस्थित)। श्रीमती शिखा राय।

श्रीमती शिखा रॉयः धन्यवाद अध्यक्ष जी आपने मुझे 280 में विषय रखने के लिए अवसर दिया। वैसे तो अध्यक्ष जी जो 280 पर इससे पूर्व चर्चा हुई तो उसमें जो मुख्य विषय सीवर और पानी के आएं जो सभी विधान सभाओं में हैं तो इसलिए मैं वो न रखकर के एक ऐसा विषय ले रही हूं जो हो सकता है कि सारी विधान सभाओं में न हो लेकिन बहुत सारी विधान सभाओं में होगा। अध्यक्ष जी, मेरी विधान सभा एक ऐसा क्षेत्र है जहां पर मुझे लगता है मैक्सिमम ग्रीनरी है, पेड़ हैं चूंकि पहाड़ी एरिया पुराना था तो बहुत बड़े-बड़े पुराने पेड़ हैं जो बहुत भयंकर रूप भी धारण कर चुके हैं और पिछले एक-दो वर्षों में ऐसा हुआ है कि एनजीटी के, दिल्ली सरकार के कुछ इस तरह के ऑर्डर्स आए हैं, कई ऑर्डर्स हैं, एक नहीं कई हैं जिससे धीरे-धीरे ये हुआ है कि पेड़ों की छंटाई एक इंच भी अब मुमकिन नहीं है। अगर हम उन ऑर्डर्स को देखते हैं जो हमें बताए जाते हैं डिपार्टमेंट द्वारा। चाहे वो एमसीडी के रोड्स हैं, चाहे वो पीडब्लूडी के रोड्स हैं, चूंकि ऑर्डर वही हैं जो हमें कहा जाता है कि विदाउट फॉरेस्ट डिपार्टमेंट की परमिशन के एक भी पेड़ जो है उसकी छंटाई भी नहीं हो सकती, जो जनरल, अमूमन हर साल हम साल में रूटिन में करवाते थे वो भी नहीं हो पा रही है। उसके लिए फॉरेस्ट डिपार्टमेंट में 2-2 साल से ऐसे केसिस पेंडिंग हैं जो एमसीडी की तरफ से भी अपलोड

होते थे, आरडब्लूए भी अपलोड करती है, कोई इंडिविजुअल भी उनके साइट पर देता है लेकिन वहां से परमिशन आने में बहुत दिक्कत हो रही है, 2-2, 3-3 साल की भी पेंडिंग हैं। और हालात ये हैं कि बहुत सारे पेड़ लोगों के घरों तक घुस गए हैं, बहुत सारे पेड़ पार्कों की दीवारों को उखाड़ रहे हैं और घरों में भी उनका बहुत भयंकर रूप से नुकसान हो रहा है। इसलिए मेरा निवेदन ये है कि इसके ऊपर जो भी अभी तक चाहे ऑर्डर्स हैं, चाहे वो डिपार्टमेंट के ऑर्डर्स हैं, जो भी हैं वो हमारे को क्लीयर होने चाहिए कि उसके अंतर्गत अब क्या साधारण प्रूनिंग जो है पेड़ों की वो हो पाएगी या नहीं, चाहे वो एमसीडी के पार्क और सड़कें हैं, चाहे वो पीडब्लूडी की रोड्स हैं।

एक दूसरा मेरा निवेदन यही है कि अगर ऐसा है कि हर पेड़ की परमिशन फॉरेस्ट डिपार्टमेंट देगा तो मुझे लगता है कि इसमें कुछ न कुछ पॉलिसी में सुधार होना पड़ेगा क्योंकि मैं ये मानती हूं कि पार्क में लगा हुआ पेड़ और घरों के आगे लगे हुए पेड़ फॉरेस्ट के अंदर आने में कितने हद तक वो उचित होने चाहिए, इसके ऊपर हमें थोड़ा विचार करना पड़ेगा कि फॉरेस्ट डिपार्टमेंट किन पड़ों को डील करे और बाकी ये जो पेड़ हैं इनको किस तरह से डील करा जाना चाहिए। तो चूंकि ये समस्या बहुत गंभीर हो चुकी है और पिछले दो साल से इनके ऊपर कार्रवाई नहीं हो पा रही है तो इलाके में, क्षेत्र में, मेरे ग्रेटर कैलाश विधान सभा में तो ये बहुत बड़ा इशू है। तो इसके ऊपर संज्ञान लेकर इसके ऊपर क्लेरिटी के

साथ हमें पता हो और कुछ आदेश भी पारित किए जाए कि जो मामले हैं फॉरेस्ट डिपार्टमेंट के पास पड़े, उनके ऊपर निर्णय क्यूं नहीं होता है। क्योंकि ऐसा भी देखने को मिलता है कि कई बार किसी के घर के साथ कोई पेड़ पूरा का पूरा कट जाता है, वो परमिशन कैसे मिलती है, नहीं मालूम। लेकिन मैं केवल छंटाई की बात कर रही हूं तो इसके ऊपर संज्ञान लेकर के जरूर हमें क्लेरिटी हो जाए।

माननीय अध्यक्षः श्री मोहन सिंह बिष्ट।

श्री मोहन सिंह बिष्ट (माननीय उपाध्यक्ष): आदरणीय अध्यक्ष जी, आपके माध्यम से मुझे नियम 280 के तहत, एक विशेष उल्लेख के तहत अपने क्षेत्र की समस्याओं को उठाने का मौका दिलाया उसके लिए मैं आपका आभार प्रकट करता हूं। अध्यक्ष महोदय, मेरी विधान सभा मुस्तफाबाद में दिल्ली जल बोर्ड द्वारा सीवर की लाइनें डाली गई हैं, जिसमें कि काफी अनियमितताएं बरती गई हैं। अध्यक्ष महोदय, दिल्ली की तत्कालीन सरकार द्वारा जिस प्रकार से बजट का दुरूपयोग करके, आज उन सीवर लाइनों की हालत इस प्रकार से बद से बदतर हो गई, सीवर लाइन के मैनहॉल, जहां से कि पानी का आउटफॉल सिस्टम, गंदा पानी वो जाना होता है उसमें मैनहॉल में सीमेंट तक नहीं लगाया गया एवं इसका पेरीफेरल लाइन जो डाली गई हैं उसके कनेक्शन भी नहीं किए गए हैं, अध्यक्ष जी, सीवर की लाइन डालने का कोई फायदा नहीं होगा। सर, इसमें आनन-फानन में सीवर लाइन डालकर के

सरकार का करोड़ों रुपये राजस्व का नुकसान किया गया है और यहां पर घटिया तथा निम्न प्रकार के पाइप लाइन इत्यादि का उपयोग करके सीवर लाइन डाली गई हैं। भविष्य में मुझे लगता है इनको चालू करने से सीवर का गंदा पानी गलियों, घरों, सड़कों इत्यादि में भर जाएगा जिस कारण मकान भी क्षतिग्रस्त होने की सम्भावना बढ़ चुकी हैं। इस संदर्भ में मेरा आपसे अनुरोध है अध्यक्ष महोदय कि उपरोक्त सरकारी कार्य की जांच की जाए तथा इसमें किसी प्रकार की जो अनियमितताएं आई हैं उनका निवारण हो सके और यही नहीं मैं आपके माध्यम से मंत्री जी से एक निवेदन करना चाहता हूं कि इन सीवर लाइनों के कार्य को दोबारा किया जाए जिससे कि वहां के लोगों को सीवर कीये सुविधा मिल सके, उसके लिए मैं आपका आभारी रहूंगा, धन्यवाद।

माननीय अध्यक्षः श्री राज कुमार भाटिया।

श्री राज कुमार भाटियाः आदरणीय अध्यक्ष महोदय आपने मुझे 280 के अंतर्गत बोलने का अवसर दिया और अपने क्षेत्र की समस्याओं के बारे में बताने का मौका दिया मैं आपका आभार व्यक्त करता हूं। आदर्श नगर विधान सभा में अन्य विधान सभाओं के माफिक ही जलभराव, जल अभाव और नाले की सफाई की बड़ी समस्याएं हैं। इसके अतिरिक्त मैं आपका ध्यान कुछ समस्याओं की तरफ आकर्षित करना चाह रहा हूं। आदर्श नगर विधान सभा में डीडीए, डूसिब और एमसीडी की कई खाली भूमि के टुकड़े पड़े हैं जिनपर अवैध कब्जे है या वो बिल्कुल उपेक्षित से पड़े है। मैं

आपके माध्यम से संबंधित विभाग को अनुरोध करता हूं कि इन जमीनों के सद्पयोग के लिए यथा सम्भव कोई ना कोई स्कीम बनाई जाए और कम से कम जो उनपर कब्जे हैं उन्हें हटाकर उनकी बाड़बंदी की जाए क्योंकि आदर्श नगर विधानसभा में एक भी हॉस्पिटल आज तक नहीं बना है। एक भी स्पोर्टस कॉम्पलैक्स आज तक नहीं बना है और डीडीए की ढ़ेर सारी जमीन आदर्श नगर के आसपास के क्षेत्रों में और विशेषकर धीरपुर संस्थानिक एरिया में खाली पड़ी हुई है जिसका अभी तक कोई सदुपयोग नहीं हो पाया है। दिल्ली सरकार और संबंधित स्थानीय निकायों के अधिकारियों की कार्यशैली और रिपोर्टिंग के लिए एक नोडल एजेंसी बनाने की जरूरत महसूस की जा रही है क्योंकि हर विभाग अपनी जिम्मेदारी से मुक्त होता नजर आता है और दुसरे विभाग पर जिम्मेदारी सौंपता है। इस विषय में भी मैं आपका ध्यान आकर्षित कराना चाहूंगा। इसके लिए एक सिंगल विंड़ो सिस्टम का निर्माण करके सारी एजेंसियों के ऊपर एक-एक नोडल ऑफिसर अगर लगाया जाएगा तो सारे संबंधित विभाग दिल्ली के विकास और प्रधानमंत्री जी का जो विकसित दिल्ली का संकल्प है उसको पूरा करने में हम सक्षम होंगे। तीसरा विषय विशेष रूप से रूके हुए राशनकार्डो के बारे में आपका ध्यान आकर्षित कराना चाहूंगा क्योंकि आदर्श नगर विधान सभा का चित्र और चरित्र बिल्कुल औरों से अलग है। यहां ज्यादातर रिहैबीलीटेशन कॉलोनी और झुग्गी-झोपड़ी क्षेत्र है और आजादपुर मंड़ी से लगते हुए मजदूर यहां पर रहते हैं। पिछले 9 सालों से राशनकार्ड

के विषय में ना तो कोई गति आई है, ना कोई नाम जुड़े हैं, ना कोई नाम कट पाए हैं और तो और पिछली सरकारों ने रोहिंग्या मुस्लमानों के जो वोट थे वो लगातार बढ़ाकर राशनकार्डों में उनके नाम नकली राशनकार्डों में जुड़वाने का प्रयास किया हुआ है, उसका भी वर्गीकरण करके इस समस्या पर तुरंत त्वयान करना चाहिए, मेरे ये विषय प्राइमरी हैं, इसके अतिरिक्त भी अनेक विषय हैं इनपर विशेष ध्यान दिया जाना चाहिए, धन्यवाद।

माननीय अध्यक्षः श्री तिलक राम गुप्ता।

श्री तिलक राम गुप्ताः आदरणीय अध्यक्ष महोदय जी एवं हमारी मुख्यमंत्री बहन श्रीमती रेखा गुप्ता एवं नवनिर्वाचित मंत्रीमंडल के सभी सदस्यों को बहुत हार्दिक बधाई। इस सदन के माध्यम से मैं आपको अपने विधानसभा क्षेत्र के अंतर्गत आने वाले क्षेत्र के अंदर सीवर, पानी की बहुत ही समस्याओं से अवगत कराना चाहता हूं। त्रिनगर विधान सभा में बहुत ही गंदा पानी और सीवरों की बड़ी भारी समस्या है जिसके अंतर्गत हमारे त्रिनगर वार्ड के अंदर कम से कम 15-16 कॉलोनी आती है। कोहाट वार्ड के अंदर श्रीनगर, राजा पार्क, महेंद्रा पार्क, पीतमपुरा गांव में सबसे बड़ी भारी समस्या रहती है। इसी के साथ-साथ सड़कों पर पानी भरा रहता है, पम्प की कोई व्यवस्था नहीं है। जो पहले पम्प लगे हुए थे वो पूर्व विधायक ने उखड़वा दिये हैं। मैं यह भी बताना चाहता हूं कि संबंधित अधिकारी इस ओर बिल्कुल ध्यान नहीं दे रहे हैं। सुबह ही स्वीच ऑफ करके बैठ जाते हैं, शाम को खोलते हैं, बहुत ज्यादा

समस्या है। आदरणीय यशस्वी प्रधानमंत्री श्री नरेंद्र मोदी जी के कुशल नेतृत्व में हमें जनता की सेवा करने का अवसर प्रदान किया है, ताकि हम पुरानी दिल्ली सरकार के भ्रष्टाचार एवं कुशासन से आम जनता को मुक्ति दिला सके। इन भ्रष्टाचारियों ने दिल्ली को स्लम बना दिया। पिछले कई वर्षों से सीवरों की सफाई नहीं हो पाई है और न ही दिल्ली को पूरी तरह से जल की आपूर्ति हो पाई है। सभी सीवर लाइनें टूटी हुई हैं और मैंने प्राइवेट आदमी लगाकर के सीवरों के अंदर से सिल्ट निकलवानी शुरू की है, उससे हमने त्रिनगर के अंदर काफी हद तक समस्या हल की गई है। मैं चाहता हूं कि उसके अंदर कुछ न कुछ अधिकारियों को या तो बदला जाए या इस समस्या का कोई न कोई हल निकाला जाए, बहुत-बहुत धन्यवाद।

माननीय अध्यक्षः श्री रविंद्र सिंह नेगी।

श्री रविंद्र सिंह नेगीः आदरणीय अध्यक्ष जी 280 के तहत आपने मुझे मौका दिया बोलने का मैं आपका बहुत आभार प्रकट करता हूं और माननीय प्रधानमंत्री मोदी जी का भी धन्यवाद करता हूं जिनकी कल्याणकारी नीतियों की वजह से हम सब लोग यहां चुनकर आए और पड़पड़ गंज की भी जनता का भी धन्यवाद जिनके आशीर्वाद से मैं यहां पहुंचा हूं। आज सीवर और पानी के विषय में इस सदन में सभी ने बातें रखी जिस प्रकार आज सीवर और पानी की हालत जो दिल्ली में है वो सबने देखी है पर मैं आपके समक्ष कुछ अन्य बातें रखने आया हूं। मेरे यहां जो शिक्षा

मॉडल की जो बात की जाती थी। मेरे यहां जिस विधान सभा क्षेत्र से मैं चुनकर आया हूं पूर्व शिक्षामंत्री और पूर्व उपमुख्यमंत्री मनीष सिसोदिया जी आते हैं और पहली बार हुआ हिन्दुस्तान के जो पहले शिक्षा मंत्री थे, जो कि साथ में शराब मंत्री भी थे, ये पहली बार देखा और मनीष सिसोदिया जी सिर्फ 12वीं पास थे और जिन्होंने शिक्षा व्यवस्था को अपने दिखावे के चक्कर में पूरा बर्बाद किया, ट्वैल्थ पास व्यक्ति ने पूरा शिक्षा मॉडल चलाया, पूरे दिल्ली का और मेरे यहां एक राजकीय सर्वोदय बाल विद्यालय है जिसकी पब्लिसिटी पूरे भारत में, पूरे विश्व में होती है, जिसको मंगलम वाला स्कूल के नाम से जाना जाता है। उस स्कूल में लगभग 7 हजार बच्चे पढ़ते हैं जिसमें 4 हजार बालिकाएं, तीन हजार बालक और दो शिफ्टें चलती है। बच्चों को 80-80, 90-90 बच्चे एक क्लास में बिठाये जाते हैं। बच्चों की इतनी बुरी स्थिति है और उस स्कूल की ऐसी मार्केटिंग कर रखी है कि हर कोई उसी स्कूल में अपना दाखिला कराना चाहता है जबकि उसी स्कूल की व्यवस्था बड़ी खराब है और जबकि उसके बगल में मयूर विहार का स्कूल है वहां 956 बच्चे पढ़ते हैं और इसी स्कूल में 7 हजार से ऊपर बच्चे पढ़ते हैं। आरएसकेवी मंगलम का स्कूल जहां शिक्षकों की व्यवस्था नहीं है पढ़ाने की। सुबह के स्कूल में 40 शिक्षकों की कमी है, दिन में भी 39 शिक्षकों की कमी है और फिजिक्स और कैमिस्ट्री और मैथ के टीचर एक शिक्षक है वो तीन स्कूलों में जाके फिर मंगलम के स्कूल में पढ़ाने आता है। ये बहुत बड़ी बड़ी

बातें करते थे शिक्षा मॉडल की। आप सोचिए एक शिक्षक तीन-तीन, चार-चार स्कूलों में पढ़ा रहा है, ये ऐसा इनका मॉडल था। मेरे स्कूलों में टॉयलेट नहीं है, साफ पीने का पानी नहीं है और तो और जो बालिकाएं हैं उनके बाथरूमों में कुंडी तक नहीं है। जांच में पाया गया कि बड़ी बुरी स्थिति में स्कूल हैं। ये आरएसकेवी स्कूल जिसमें दिल्ली की पूर्व सरकार ने 215 करोड़ रुपए लगाए, 215 करोड़ में दिल्ली में 8 नए स्कूल बन सकते थे पर इन लोगों ने स्कूलों में जो पैसों का दुरूपयोग किया, जो धांधली की, वो सबने देखा। और तो और महोदय इन्होंने तो जो राष्ट्रीय ध्वज लगाए मेरे यहां स्कूल में राष्ट्रीय ध्वज लगे, राष्ट्रीय ध्वज में भी इन्होंने धांधली करी। जो राष्ट्रीय ध्वज 5 लाख रुपए का लगता था पोल समेत, उस राष्ट्रीय ध्वज की कीमत 21 लाख रुपए इन्होंने बिलिंग करी और ये देश में पहली बार हुआ, ये लोग अराजक तो थे ही, पर साथ में ये देशद्रोही भी लोग हैं, ये झंड़े की दलाली भी करते हैं, झंड़े की दलाली भी खाते हैं। ये सबने देखा, 21 लाख रुपये की इन्होंने बिलिंग कराई और तो और महोदय दिल्ली सरकार के शिक्षामंत्री जो पूर्व में रहे, इन्होंने दसवीं और बारहवीं का रिजल्ट अच्छा लाने के लिए इन्होंने नाइन्थ और इलैवंथ में कई बच्चे फेल किए और जिसकी वजह से उन बच्चों का भविष्य बर्बाद हुआ, ये भी हमने देखा। ऐसे बहुत सारे मुद्दे मैं आपके समक्ष रख रहा हूं और हर स्कूल में एक एसएमसी होती है जो स्कूलों के पेरेंटस द्वारा चुनी जाती है, फिर इस एसएमसी का दुरूपयोग पूरे राजनीतिकरण

के लिए हुआ। एसएमसी का फंड जो पहले 5 लाख था इन्होंने 8 लाख किया और वो 8 लाख सिर्फ अपनी अययाशी में में इन्होंने उड़ाए और स्कूलों में पूरा राजनीतिकरण किया। इन लोगों ने जो स्कूलों में पहले कच्चे ग्राउंड होते थे, जहां बच्चे खेलते थे और खो-खो खेलते थे, कबड्डी खेलते थे अब, बच्चे आगे बढ़ते थे उनकी प्रतिभा निखरती थी, वो कच्चे ग्राउंड सारे इन्होंने बंद कर दिये सारे सीमेंटिड कर दिये। आज बच्चा वहां खेल नहीं पाता और तो और निगम पार्षद रहते हुए कई बार स्कूलों में जाना हुआ। जो मिड डे मिल है, मिड डे मिल में बहुत सारी कमियॉं मिली और मिड-डे मिल का जिस बच्चे ने विरोध किया उसे स्कूल से निकाल दिया गया, ऐसे बहुत सारे मुद्दे हैं, 1997 में 28 साल पहले बीजेपी की सरकार आई जिसमें आदरणीय साहिब सिंह वर्मा जी चीफ मिनिस्टर थे उन्होंने राजकीय प्रतिभा विकास विद्यालय गरीब होनहार बच्चों के लिए खोले थे जो कि बहुत ही शानदार थे, जो शानदार रिजल्ट दे रहे थे, पर इन लोगों ने उन स्कूलों को भी तीन साल से बंद कर रखे हैं। मेरा निवेदन है ऐसे स्कूलों को दोबारा पुनः स्थापित करा जाए जो 1993 में खोले गए। स्पीकर महोदय आपने मुझे बोलने का मौका दिया मैं बहुत-बहुत आपका आभार प्रकट करता हूं, धन्यवाद प्रकट करता हूं, धन्यवाद।

माननीय अध्यक्षः श्री सतीश उपाध्याय।

श्री सतीश उपाध्यायः आदरणीय अध्यक्ष जी नियम-280 के तहत आपने मुझे अपने क्षेत्र की समस्याओं को सदन के अंदर रखने

का अवसर दिया इसके लिए मैं आपका आभार व्यक्त करता हूं। मेरे यहां जो समस्या है ये विशेषकर के जल जीवन का आधार है और पानी से ही अपना जीवन सम्भव भी है और ये पानी की समस्या मेरे क्षेत्र में कहीं तो दो साल से लगातार पेंडिंग है, कहीं एक साल से लगातार दिक्कत है और पानी आता है तो एक-एक साल से सीवर का मिला हुआ पानी उसमें आता है और विशेषकर के जो मेरे यहां गांव है खिड़की गांव है, बेगमपुर है, अधचीनी है, जिया सराय है, हुमायू पुर, मस्जिद मोठ है और रिसैटलमेंट कॉलोनी जो पूरी तरह से सैटल हो चुकी है, गौतम नगर, अर्जुन नगर, कृष्णा नगर। यहां की स्थितियां सबसे ज्यादा खराब हैं, जहां पर लगातार एक साल से पाइप टूटे हुए हैं, पाइप नहीं बदले हैं, नई लाइन बदल दी है तो पुरानी लाइन से ही काम चल रहा है। ये पानी की समस्या बहुत विकट समस्या मेरे यहां बन चुकी है। ब्रोकन पाइप लाइन है जहां पर लीकेज है, कंटेमिनेटिड वाटर है। हमारे यहां रविदास कैंप है एक इस रविदास कैंप में होजरानी के अंदर बड़ी समस्या काफी समय से चल रही है। लोवॉटर प्रैशर की भी इशूज मेरे यहां हैं, जहां पर मालवीय नगर के अंदर कंटेमिनेटिड वाटर भी है और कंटेमिनेटेड के साथ-साथ ई-ब्लॉक में, 7 ब्लॉक में यहां पर पानी की समस्या लगातार बनी हुई है। हमारे यहां दो कैंप है इंद्रा कैंप और बाल्मिकी कैंप। यहां पर बड़ी डिस्पैरिटी है, डिस्पैरिटी ये है कि एक कैंप के अंदर तो हर घर को एक-एक पानी का हर झुग्गी में नल दिया हुआ है, लेकिन दूसरे कैंप में तीन घरों को

एक नल दिया हुआ है, तो ये जो डिस्पैरिटी है ये डिस्पैरिटी भी वहां पर खत्म होनी चाहिए। हमारे ग्रीनपार्क के अंदर एक बी-3 ब्लॉक है, दो साल से वहां कंटेमिनेटिड वॉटर लगातार आता है लेकिन जल बोर्ड ने वहां पर कोई काम ठीक से किया नहीं उसके कारण से वहां लोग बीमार हो रहे हैं और उस पानी की गुणवत्ता में आज तक सुधार नहीं किया गया। ये जो विषय हैं इस तरह के। ऐसे ही अर्जुन नगर की गली नम्बर-9 और 21 में भी कंटेमिनेटिड वॉटर के पुराने इशूज हैं, ये मैं लम्बी लिस्ट मेरे पास है वो तो सब मैं नहीं बता रहा हूं लेकिन एक खासकर के ब्लॉक है के एण्ड जी ब्लॉक साउथ एक्सटेंशन में। साउथ एक्सटेंशन में तो लगातार 4 महीने पानी आता ही नहीं है, एक बूंद भी पानी नहीं आता और ये पिछले कई वर्षों से चल रहा है। तो मेरा आपसे अनुरोध है और हमारे माननीय मंत्री जी से भी अनुरोध है कि पूरी डिटेलींग इसकी हम आपको दे देंगे, लेकिन जैसे ही ये अप्रैल आ जाएगा, अप्रैल से लेकर के जुलाई तक वहां पर पानी नहीं मिलेगा। तो ये समस्याएं पूरी तरह से समाप्त होनी चाहिए। गुर्जर डेरी है हमारे यहां वहां पर भी कंटेमीनेटिड वाटर के इशूज हैं। सफदरजंग एंकलेव में कंटेमीनेटिड वाटर के इशूज हैं पूरे मालवीय नगर के अंदर भी सीवर के मिले हुए पानी के इशूज हैं तो इन सबको एक काम्प्रीहेंसिव मैनर में टाइम बाउंड मैनरमें विशेष अधिकारी लगाकर के कि लगातार ये सीवर का जो मिला हुआ पानी है उस पानी को कैसे ठीक किया जाए अब कहीं पर तो लाइन नीचे है, कहीं पर

लाइन उंची है ये इस तरह के इशूज इनको मुझे लगता है कि बहुत जल्दी ठीक करने की जरूरत है लोग बीमार पड़ रहे हैं और लोगों के जीवन से जुड़ा हुआ विषय है। इन विषयों को ठीक करने की जरूरत है। मैं आशा करता हूं कि आप हमें इसमें तुरंत ही इन समस्याओं से निदान दिलवाएंगे और माननीय मंत्री जी इन सब विषयों पर विशेष अधिकारी नियुक्त करके तीन चीजें एक तो कंटेमिनेटिड वाटर है उसके क्या इशूज हैं जहां पर लो प्रैशर है दो दो साल से लोगों को प्रॉब्लम है उसके क्या इशूज हैं और इसी तरीके से जहां पर पानी आना चाहिए दो घंटे लेकिन आधा घंटे केवल पानी आता है। बीस मिनट पानी आता है और आता भी है तो रात के दो बजे, तीन बजे जिससे महिलाओं को बहुत परेशानी होती है। इन सब विषयों को अगर आप ठीक करेंगे तो मुझे लगता है कि लोगों को थोड़ा आराम भी मिल जाएगा। बहुत बहुत धन्यवाद।

माननीय अध्यक्षः श्री जितेंद्र महाजन।

श्री जितेंद्र महाजनः धन्यवाद अध्यक्ष जी, आपने मुझे 280 में बोलने का मौका दिया, वैसे तो इस विषय पर मैं कल बोल चुका हूं मगर फिर भी विषय की गंभीरता को देखते हुए मैं दोबारा इस विषय को उठा रहा हूं। माननीय अध्यक्ष जी हमारे यहां एक रोड़ है दुर्गापुरी चौक से नत्थू कालोनी चौक तक ये रोड़ वैसे तो सौ फुटा है मगर आगे जाकर फलाई ओवर के कारण बीस फुट का रोड़ हो जाता है। पिछली केजरीवाल सरकार में इस रोड़ के ऊपर नई

शराब नीति कैंसिल होने के बावजूद दो शराब के ठेके खोले गए और जिसके कारण से वहां डेली लगातार जाम लगता है और खुले के अंदर लोग वहां पर खड़े हो कर शराब पीते हैं बहन, बेटियों का निकलना दूभर हो गया है और स्थानीय लोगों ने जोरदार तरीके से इन शराब के ठेकों का विरोध किया है मगर इस गूंगी-बहरी सरकार ने इसके बावजूद वहां सौ मीटर के अंदर तीसरा शराब का ठेका खोलने का प्रयास किया जिसका स्थानीय लोगों ने जोरदार विरोध किया इसको लेकर वहां पर हमने गिरफ्तारी दी, चुनाव में अचार संहिता लगने के बाद जब सब लोग चुनाव लडने में व्यस्त थे चुनाव में लगे हुए थे इस सरकार ने वहां पर तीसरा ठेका जो है वो खोल दिया। माननीय अध्यक्ष जी, आप कल्पना कीजिए एक रोड़ के अंदर, एक मौहल्ले के अंदर सौ गज के अंदर तीन-तीन शराब के ठेके खुल जाएं तो उस मौहल्ले की स्थिति क्या होगी। आप देखिए वहां खुले के अंदर लोग पार्किंग करते हैं, खुले के अंदर लोग शराब पीते हैं और लोगों ने बहन-बेटियों ने वहां से निकलना बंद कर दिया है। मेरा आपसे अनुरोध है कि आप संबंधित मंत्री जी को ये आदेश दें कि इन ठेकों की जांच की जाए और अगर नियमों को तोड़ कर ये शराब के ठेके खोले गए हैं तो इनको जल्द से जल्द बंद करवाया जाए और इस क्षेत्र के रोहताश नगर विधानसभा में दुर्गापुरी चौक से लेकर नत्थू कालोनी चौक तक जो इलाका पड़ता है यहां के लोगों को राहत दिलवाई जाए। धन्यवाद।

माननीय अध्यक्षः श्री मनोज कुमार शौकीन। एक मिनट, एक मिनट। श्री गजेन्द्र दराल।

श्री गजेन्द्र दरालः धन्यवाद अध्यक्ष जी, आज 280 के तहत मुझे बोलने का मौका दिया। देखिए, मैं एक ऐसी विधानसभा से आता हूं जिसका परिवेश ग्रामीण है और मेरी मुण्डका विधानसभा का सौभाग्य है जहां से धरती पुत्र कहे जाने वाले स्वर्गीय डाक्टर साहब सिंह वर्मा जी का पैतृक गांव मुण्डका और उन्हीं के नाम पर ये मेरा मुण्डका विधानसभा लेकिन मैं दुर्भाग्य कहूंगा अपनी मुण्डका विधानसभा का कि पिछले दस सालों से जिस तरीके से मुण्डका विधानसभा को एक जर्जर हालत में और बिल्कुल दीमक की तरह खोखला कर दिया। मैं आप सभी को बता दूं कि जिस समय पर सज्जन कुमार जी का बड़ा वजूद ऐसा था कि उस दिल्ली देहात के अंदर भारतीय जनता पार्टी का वजूद और वर्चस्व अगर किसी ने स्थापित किया तो मेरे आदरणीय मेरे प्रेरणा स्त्रोत स्वर्गीय डाक्टर साहब सिंह वर्मा जी ने उनके वजूद को भी खत्म किया और दिल्ली देहात के साथ पूरे भारतवर्ष में भारतीय जनता पार्टी के लिए एक समर्पित कार्यकर्ता होकर अपना नाम भी किया और कार्यकर्ताओं को भी अपनी प्रेरणा से आगे बढ़ाया। मैं अपने क्षेत्र की तीन समस्याओं से आज इस सदन को अवगत कराना चाहता हूं। सबसे मेन समस्या है जो आप सभी ने देखी होगी रोहतक रोड़ जिससे हरियाणा पंजाब और बहुत लंबे समय तक मैं कहूंगा कि उस रोड़ पर कई कई घंटे जाम और उसके अंदर एक छोटी सी बारिश पर

इतना बड़ा जल भराव कि वहां पर अगर इन भ्रष्टाचारियों ने जो कहा था कि मैं दिल्ली को पैरिस और लंदन बनाना चाहता हूं झीलों का शहर बनाना चाहता हूं तो वो जीता जागता उदाहरण था कि सीवर का पानी, बदबू का पानी उस रोहतक रोड़ के ऊपर तीन-तीन, चार-चार फुट भर के और उसके अंदर कितने सारे एक्सीडेंट हुए और कई-कई घंटे तक जाम में लगातार लोग खड़े रहे। एक बार तो हमारी आदरणीय मुख्यमंत्री बहन का वहां से जाना हुआ और उन्होंने मुझे फोन पर कहा कि गजेंद्र भाई आपके पोस्टर होर्डिंग तो बहुत लगे हैं लेकिन मैं पिछले ढाई तीन घंटे से मातृ एक किलोमीटर रोहतक रोड़ को वनवे नहीं कर पा रही ये हमारे लिए दुर्भाग्य की बात है और मैंने उस दिन प्रण किया कि मैं इस मुण्डका विधानसभा के लिए कुछ करना चाहता हूं और हम सबका सौभाग्य है कि जब लोकसभा का इलैक्शन आया और हमारे आदरणीय सांसद श्री योगेन्द्र चंदोलिया जी चुनकर आए तो उन्होंने सबसे पहले एलजी का राउंड मेरी मुण्डका विधानसभा का कराया और एलजी साहब के राउंड के बाद वहां लगातार उन नालों की सफाई का काम चला और उसी के कारण जो रोहतक रोड़ को आज उन नालों के निर्माण के लिए 117 करोड़ रूपये का बजट मिला है।तो मैं एलजी महोदय का भी बहुत-बहुत आभार और धन्यवाद करता हूं। मैं इस सदन के द्वारा ये भी कहना चाहूंगा कि उस रोहतक रोड़ से लाखों लोगों का आना जाना लगा रहता है। उस रोहतक रोड़ पर हमें विशेष ध्यान देना होगा। दूसरी तरफ मैं

कहूंगा कि स्वर्गीय डॉक्टर साहिब सिंह वर्मा जी ने घेवरा मोड़ पर 79 एकड़ जमीन इस दिल्ली देहात के लिए इस दिल्ली के लिए एक स्पोर्ट स्कूल देने का एक जो वादा किया और वो जमीन एक्वायरमेंट करके लेकिन हम सबका दुर्भाग्य कि उनकी आकस्मिक मौत के कारण हम उन सब कार्यों को नहीं कर पाए और देखिए सबसे बड़ी दुर्भाग्य की बातये कि आज से तीन साल पहले मनीष सिसोदिया और एक भ्रष्टाचारी इस दिल्ली सरकार का विधायक धर्मपाल लाकड़ा उनके साथ जाता है वहां नारियल तोड़ता है और कहते हैं हम स्पोर्ट्स यूनिवर्सिटी को नया बजट देकर इसका कार्य शुभारंभ करने वाले हैं लेकिन आज तक वो स्पोर्ट्स यूनिवर्सिटी के अंदर सिर्फ नीलगाय और बड़ी-बड़ी कीकरों के पेड़ों से अपना स्वरूप ले रखा है उसके अंदर कोई भी कार्य शुरू नहीं हुआ है। मैं चाहूंगा इस सदन के माध्यम से कि वहां पर जो उनका सपना है और जो हमारे प्रेरणा स्त्रोत हैं डॉक्टर साहिब सिंह वर्मा जी उस स्पोर्ट्स यूनिवर्सिटी का उनके नाम से नामकरण हो और वहां पर इस पूरे एशिया के सबसे बड़ी 'स्पोर्ट्स यूनिवर्सिटी' बनकर और जो मोदी जी का सपना है कि खेलो इंडिया बढ़ो इंडिया वो सपना साकार हो। मैं आपसे ये भी निवेदन करूंगा और तीसरी मेरी इस मुण्डका विधानसभा की जो सबसे अहम और मैं कहूंगा एक लाइफ लाइन जो घंटों तक रेलवे लाइन के कारण रेलवे फाटक बंद रहते हैं घेवरा से नरेला रोड़ के उपर हमें एक फलाई ओवर चाहिए और अभी पीछे पार्लियामेंट के अंदर हमारे सांसद ने इस मुददे को उठाया भी

और देखिए जो मुझे जानकारी मिली है उस जानकारी के तहत मैं आपको बताना चाहता हूं आरओबी/आरयूबी नियर घेवरा एलसी अटठारह "the work of construction of ROB at LC-18 was sanctioned in the year 2019−20 with sanction cost of rupees 109.92 crore. Work was sanctioned on cost sharing basis with PWD. The proposal is with PWD official for further consideration and preparing the details of the project." लेकिन दुर्भाग्य केंद्र सरकार ने तो अपने हिस्से का पैसा दे दिया लेकिन पीडब्लयूडी के ना कोई सहयोग ना कोई एनओसी जिसके कारण वो पैसा वापसी केंद्र सरकार के पास चला गया तो आज मैं इस सदन के माध्यम से और आपसे और जो भी मेरे मंत्रीगण हैं उनसे कहूंगा कि वहां पर दोबारा से उस काम को संज्ञान में लें और वहां जल्दी से जल्दी फलाई ओवर बने ताकि लाखों लोगों का आवागमन सुगम बने। आपने मुझे आज 280 के तहत बोलने का मौका दिया और मैं अपना सौभाग्य मानता हूं कि मुझे दो साल हो गए निगम पार्षद बने लेकिन मुझे कभी बोलने का मौका नहीं मिला क्योंकि सामने इतने भ्रष्टाचारी और ऐसे लोग बैठे थे जो सिर्फ इस दिल्ली को बर्बाद करने के प्लान लेकर आते थे और आतिशी जी उस सदन के अंदर हमेशा एक झगड़े का रूप लेकर आती थीं कई बार उन्होंने इशारे करके जो उनकी मातृशक्ति है और मैं आपको ये भी बताना चाहता हूं कि हमारी परिपाटी में और उनकी परिपाटी में ये अंतर है कि हमारा संगठन हमें संस्कार देता है और उन संस्कारों के तहत मेरी सभी मातृशक्ति मेरी बहन

एक मर्यादा में रहती थी लेकिन उनकी तरफ से जिस तरीके की गाली गलौज होती थी लेकिन उस गाली गलौज को हमने भले ही सुन लिया हो लेकिन जब जरूरत पड़ी और उनकी तरफ से किसी युवा ने कुछ कहने की जरूरत की हो तो हमने उसको ऐसा जवाब भी दिया और वो आप सबने देखा भी होगा।

माननीय अध्यक्षः धन्यवाद।

श्री गजेन्द्र दरालः मैं उन भ्रष्टाचारियों को कहना चाहता हूं कि इस सदन की गरिमा को बनाए रखें और दिल्ली के विकास के लिए मिल जुल कर काम करें। जय हिंद जय भारत।

माननीय अध्यक्षः श्री मनोज कुमार शौकीन।

श्री मनोज कुमार शौकीनः धन्यवाद अध्यक्ष जी, आपने मुझे मेरे क्षेत्र नांगलोई विधानसभा के अंदर जो मौहल्ला क्लिनिक हैं उनके बारे में बात रखने का मौका दिया और ना केवल नांगलोई जाट विधानसभा में मैं समझता हूं कि पूरी दिल्ली के अदंर जितने मौहल्ला क्लीनिक हैं उनके अंदर ऐसा ही काम हो रहा है। अभी आज विषय दोबारा से फिर आएगा उस समय भी बोलने का मौका मिलेगा लेकिन ये सच्चाई मौहल्ला क्लिनिकों की है। ये एक नहीं अनेकों पिक्चरें हैं मेरे पास जो मौहल्ला क्लिनिक के नाम पर वहां पर गुंडागर्दी होती है। पशु भी घूमते हैं और केवल कागजों में पूरे विश्व के अंदर ढि़ढोरा पीटकर कि इस सरकार ने जो आपदा सरकार थी उन्होंने केवल लोगों को ठगने का काम किया। मेरी

आपसे ये प्रार्थना है हमारे हैल्थ मिनिस्टर भी यहां पर बैठे हैं ये भी इस पर हमारी चर्चा हुई थी तो काम कर रहे हैं। एक तो इस तरह के मौहल्ला क्लीनिक हैं जिसके अंदर डॉक्टर भी नहीं बैठते और अगर कोई डॉक्टर जाता है तो केवल कोई दवाई दे दी तो एक आध गोली कोई खांसी की दे दी कोई थोड़ा बहुत सिरप दे दिया अदरवाईज ना कोई टैस्ट है ना कोई और चीजें हैं, बहुत सारे विषय हैं हेल्थ को लेकर के और ये मौहल्ला क्लिनिक की एक बार जांच कराने की आवश्यकता है। आज से लगभग तीन चार साल पहले एक बार लगभग पांच छह सौ महिला क्लिनिक जो इन्होंने बनाए थे उनके उपर मैंने एक बार एक जांच करने का प्रयास किया था बहुत सारे मौहल्ला क्लिनिक ऐसे हैं जो किसी के घरों में चल रहे हैं और अगर साथ वाले मकान को आप किराए पर लोगे या दोगे तो उसका किराया होता है केवल पांच सात हजार रूपये या आठ दस हजार रूपये इन्होंने अपने उस व्यक्ति से जो जगह किराए पर ली वो जगह बीस और 25 हजार रूपये महीना किराए पर ली। उनको फायदा पहुंचाने के लिए हमारे दिल्ली के टैक्स पेयर का जो पैसा है उसको इन्होंने इस तरह से अपने लोगों में बांटा है, ना केवल उनको किराए पर वो जगह लेकर के बल्कि उसके अंदर जो लोग काम पर लगाए वे भी कोई क्वालीफाइड नहीं थे उनको मनमर्जी उनको तनख्वाह दी, उनको पैसा दिया और दिल्ली की जनता के पैसे को इन्होंने बर्बाद किया है। बहुत सारे विषय हैं और भी रखने होगें रखेगें। आज मुख्य रूप से 280 के तहत मुझे यही विषय रखना था।

माननीय अध्यक्षः धन्यवाद।

श्री मनोज कुमार शौकीनः आपने मौका दिया बहुत बहुत धन्यवाद।

माननीय अध्यक्षः श्री सूर्य प्रकाश खत्री।

श्री सूर्य प्रकाश खत्रीः आदरणीय अध्यक्ष जी, आपने मुझे बोलने का मौका दिया क्योंकि विषय बहुत गंभीर है इसके लिए मैं आपका आभारी हूं। अध्यक्ष जी, पिछले तीन दिन से 280 के अंदर जितने भी मेरे सदस्य गण हैं। उन्होंने सभी की जो डिमांड है वो आज दिल्ली के अंदर पिछली सरकार के नाकामयाबियों की वजह से आज पूरी दिल्ली पानी की समस्या से त्रस्त है। घरों में या तो पानी आ नहीं रहा है और दिल्ली के अंदर सभी जो हमारे सिस्टम हैं सभी बड़े नाले वो सब जाम हैं, सीवरों का पानी आज सड़कों पर और घरों के अंदर तक पहुंच गया है जिसकी वजह से पूरी दिल्ली आज एक नरकीय जीवन जी रही है और मैं आपसे इस सदन के सदस्यों के बिहॉफ पर आपसे आग्रह करता हूं कि पानी की जो हमारी समस्या है, नालों की समस्या है, सीवर की समस्या है, डिसिल्टिंग की समस्या है इसको लेकर मेरा आग्रह है कि आप एक दिन का विशेष सत्र और मैं अपने माननीय मंत्री जी से भी कहूंगा कि एक दिन का सत्र हमारा बुलाया जाये सिर्फ इसी विषय को लेकर, धन्यवाद।

माननीय अध्यक्षः जो विषय सूर्य जी ने रखा है इस पर हम सोमवार को शॉर्ट ड्यूरेशन डिस्कशन जो है वो आप अपना नोटिस दे दीजिये शॉर्ट ड्यूरेशन का उस परशॉर्ट ड्यूरेशन डिस्कशन हम करायेंगे।

श्री सूर्य प्रकाश खत्रीः अध्यक्ष जी, अभी बोला था तो उन्होंने कहा है सिर्फ लिखकर दीजियेगा सत्र के लिये कोई फोर्म नहीं है ऐसा इन्फोर्म किया गया है।

माननीय अध्यक्षः नहीं, रूल–55 में आप इनसे विषय लिखवा लीजिये।

श्री सूर्यप्रकाश खत्रीः मैंने बोला है but they said कि ऐसा कोई प्रोविजन नहीं है, लिखकर दे दीजियेगा।

माननीय अध्यक्षः मैं बता रहा हूं ना प्रोविजन, रूल–55 में शॉर्ट ड्यूरेशन डिस्कशन। श्री अजय महावर।

श्री अजय महावरः धन्यवाद अध्यक्ष जी 280 पर आपने बोलने का मौका दिया। मैं आपके माध्यम से एक ज्वलंत इश्यू मेरे यहां का जो आपने भी बहुत बार इस सदन में सुना होगा जब हम विपक्ष में बैठकर के मैं कहा करता था वो है गांमड़ी रोड़ का इश्यू। गांमड़ी रोड़ के चौड़ीकरण को लेकर मैं लगातार सदन में इश्यू उठाता रहा हूं और उस सड़क के चौड़ीकरण को लेकर 2008 से जब स्वर्गीय साहब सिंह चौहान जी सदन के मैम्बर थे तब से लेकर अब तक इस सदन में अनेकों बार सभी विधायकों ने आवाज़

उठाई है और मैं लगातार पांच साल से वहां की ये लाइपफलाइन है और लाखों लोगों का जीवन इससे प्रभावित हो रहा है, लाखों लोग रोज़ परेशान हो रहे हैं यहां तक की बहुत सारी दर्दनाक मृत्यु हो रही हैं क्योंकि वहां से एम्बुलेंस पास भी नहीं हो पाती, कभी यहां बहुत बसें चला करती थीं। आज अगर मास्टर प्लान की बात करें तो 1967 और 2021 दोनों के मास्टर प्लान में ये रोड़ 100 फीट चौड़ा है लेकिन धीरे-धीरे कुछ अतिक्रमण और अन्य कारणों के कारण ये आज 30 से 40 फीट की सड़क मात्र रह गई है। इसका संज्ञान लेते हुये 2018 में चीफ सेक्रेटरी दिल्ली ने एक कम्पनी को हॉयर किया था The Royal Enterprises नाम की कम्पनी को। मैं पीडब्ल्यूडी मंत्री जी से भी आग्रह करूंगा इस विषय का संज्ञान लेंगे The Royal Enterprises नाम की कम्पनी ने जो की पूरी तरह से demarcation किया और वो नक्शा जमा करा दिया था चीफ सेक्रेटरी जी के ऑफिस पर, 2019 में ये जमा कराया गया उसके बाद से अब तक लगातार इस इश्यू को उठाने के बाद भी और इस सदन में जब पिछले स्पीकर साहब थे उनके कहने के बाद भी जब आदरणीय कैलाश गहलौत जी उस समय ट्रांसपोर्ट मिनिस्टर थे इस विधानसभा के परिसर में भी मीटिंग बुलाई गई लेकिन कुल मिलाकर 'नौ दिन चले अढ़ाई कोस' वो वाली कहावत चरितार्थ होती है इसका अभी तक कोई भी समाधान नहीं हो पा रहा है। सभी विभाग चाहे वो लैंड एंड बिल्डिंग हो रेवेन्यु हो पीडब्ल्यूडी हो एक-दूसरे पर बॉल फेंकने में लगे हैं लेकिन अंततः

मैं इस निष्कर्ष पर पहुंचा हूं कि पीडब्ल्यूडी विभाग को ही सर्वप्रथम इसका पूरी तरह से संज्ञान लेना होगा और बाद में रेवेन्यु के माध्यम से इसका रास्ता खुलेगा। आदरणीय मोहन सिंह बिष्ट जी इस सदन में बैठे हुये हैं इसके बाद का इनका करावल नगर रोड़ 100 फीट चौड़ा हो गया लेकिन हमारा गांमड़ी रोड़ का इश्यू आज तक भी पैंडिंग है। मैं आपसे करबद्ध प्रार्थना करता हूं और आपके माध्यम से आदरणीय मुख्यमंत्री जी से और पीडब्ल्यूडी मंत्री जी से भी प्रार्थना करता हूं लाखों लोगों के जीवन के लिये आप इस काम को जरूर मुख्य रूप से लें क्योंकि सदन में लगातार हम इसकी लड़ाई लड़ रहे हैं और लाखों लोगों का आर्शीवाद आप दोनों को भी मिलेगा स्पीकर साहब को भी मिलेगा आप इस पर संज्ञान लेकर के इसको जल्द से जल्द अधिकारियों से कहें कि इस पर संज्ञान लेकर के इसको जल्दी से जल्दी इसका मार्ग प्रशस्त करें, आपका बहुत-बहुत ह्रदय से आभार।

माननीय अध्यक्षः श्री संजय गोयल जी।

श्री संजय गोयलः सबसे पहले तो मैं माननीय अध्यक्ष जी और माननीय उपाध्यक्ष जी और माननीय मुख्यमंत्री जी और माननीय मंत्री जी जो हमारे सभी साथी है वरिष्ठ साथी हैं उन सबका धन्यवाद भी करता हूं और उनको सबको बधाई भी देता हूं और इस आठवीं विधानसभा सत्र में मुझे बोलने का मौका दिया पहली बार और इसके लिये आपका पुनः धन्यवाद क्योंकि अब सुबह जब देख रहा था लिस्ट में नाम नहीं था मैंने कहा नाम आ ही नहीं रहा क्या

बात है क्या भाग्य नहीं है हमारी शाहदरा विधानसभा का तो अब लगा कि आपके आर्शीवाद से भाग्य शाहदरा विधानसभा का है पक्का है।

माननीय अध्यक्षः लक आपका ठीक है।

श्री संजय गोयलः क्योंकि देखिये समस्यायें बहुत हैं पिछले 10 वर्षो के अंदर इस केजरीवाल सरकार ने जिस तरह से दिल्ली को कलस्टर में परिवर्तित कर दिया दिल्ली को अव्यवस्थित कर दिया उसमें हम सभी साथियों को बहुत मेहनत करनी पड़ेगी और हमको तो समझ में ही नहीं आता कि ये उसको कैसे करेंगे। हमारे माननीय मंत्री महोदय हमारे मुख्यमंत्री महोदय कैसे इसको करेंगे क्योंकि सभी जनता चाहती है कि आज ही हमने वोट दिया और आज ही समस्याओं का समाधान हो जाये लेकिन हमने उनसे आग्रह भी किया है लेकिन दो-तीन समस्यायें ऐसी हैं जैसे की पानी और पीडब्ल्यूडी के नाले और सीवेज सिस्टम। पानी की समस्या तो भंयकर है क्योंकि हमारे शाहदरा विधानसभा 22 मिलियन गैलन वॉटर पर डे की आवश्यकता है लेकिन 12 मिलियन गैलन वॉटर पर डे मिलता है जोकि बहुत ही आधा ही मिल पाता है और बहुत सारा क्षेत्र ऐसा है उसकी वजह से पानी का जो मिक्स है सीवेज सिस्टम क्योंकि ओवर फ्लो रहते हैं और जहां पानी की मोटर चलती हैं क्योंकि सभी आज घरों में पानी मोटर के द्वारा ही पहुंचता है बिना मोटर के सीधे-सीधे सिस्टम में नहीं पहुंचता है जिसकी मोटर पहले चल जाती है वो सारा का सारा सीवेज के

पानी को अपने घर में आ जाता है और वो एक बहुत बड़ी समस्या है यदि पानी की सप्लाई पूरी रहेगी तो मैं समझता हूं की ये पानी जो contaminated पानी है जो मिक्स पानी आता है गंदा पानी है वो समस्या समाधान हो सकती है और दूसरा है कि जो सीवेज सिस्टम है सीवेज सिस्टम के लिये मेरे अधिकारी से जब मैंने एक्सईन साहब से बात की तो उन्होंने बताया कि जो सीवेज सिस्टम की जो मैन पाइपलाइन्स हैं जहां पूरा जो छोटी-छोटी लाइन्स के माध्यम से सीवेज का पानी आता है पिछले 10 वर्षो से उनकी सफाई नहीं हो पाई है और वो सफाई के लिये एक बड़ी मशीन होती है जिसका एक 45 हज़ार रुपये पर डे का किराया होता है और मैंने कहा भई कितना समय लगेगा तो उन्होंने हमको बताया की लगभग चार महीने का समय शाहदरा विधानसभा की जो मेन पाइपलाइन्स हैं सीवेज सिस्टम है उसको साफ करने के लिये लगेगा तो मैं माननीय मुख्यमंत्री जी हमारी क्योंकि फाइनांस मिनिस्टर भी हैं और बजट भी जल्दी पेश होगा और हमारे जल मंत्री और पीडब्ल्यूडी के मिनिस्टर आदरणीय हमारे प्रवेश जी हैं जोकि मेरे गुरूदेव क्या नाम है आपके लाइब्रेरियन रहे भगतसिंह कॉलेज में डा. साहिब सिंह वर्मा जी के सुपुत्र हैं और क्योंकि मैं भी भगतसिंह कॉलेज से ही पढ़ा हूं तो उनका मार्गदर्शन हमें मिलता रहा उस समय तो मैं चाहूंगा कि वो इसके लिये सिस्टेमेटिकली बजट के अंदर आपके बजट को प्रोविजनली फाइनांस जितना चाहिये उसको हमें करना चाहिये बजट में प्रावधान करना चाहिये जिससे कि आने वाले समय

में क्योंकि देखिये नई पाइपलाइनें तो डल नहीं सकतीं मैं भी समझता हूं क्योंकि सीवेज सिस्टम है या वॉटर सप्लाई की की जो इतनी पाइपलाइन्स हैं वो लगभग कम से कम 50 साल के लिये डाली जाती हैं या कम से कम 100 सालों के लिये डाली जाती हैं और उसको यदि नियमित हम सफाई कर पायेंगे समय के अकोर्डिंगली सफाई कर पायेंगे तो आने वाले समय में जो पानी मिक्स होने की जो समस्या है उसका समाधान हो पायेगा। दूसरी बात पीडब्ल्यूडी के जो नाले हैं वो और ये सीवेज के जो आपकी सिल्ट निकलती है वो उठती नहीं है और न उठने की वजह से यदि वो समय पर हाथ की हाथ उठ जाये क्योंकि मैं निगम पार्षद रहा हूं 2017 से 2022 में और मैं डिप्टी मेयर भी रहा उस समय तो हमने प्लान किया कि जो सिल्ट निकलेगी वो हाथ के हाथ उठेगी पहले तो अधिकारियों ने मना किया लेकिन हमने जब कहा की ये साथ-साथ उठेगी तो उठने के बाद में वहां की एक साफ-सुंदर व्यवस्था भी रहती है और डस्ट जो पोल्युशन होता है वो डस्ट पोल्युशन भी नहीं होता है यदि इस बात को पूरी दिल्ली में यदि इसको लागू कर दिया जाये शाहदरा विधानसभा में तो हमने अधिकारी से कह दिया है की आपको 100 परसेंट साथ के साथ उठाना होगा नहीं तो ये काम नहीं चलेगा इसीलिये ये इससे डस्ट पोल्यूशन जो है जोकि बहुत मात्रा में होता है वो फिर एन्वायर्मेंट पोल्युशन का एक पार्ट है एयर पोल्युशन, डस्ट पोल्युशन और वॉटर पोल्युशन उनमें से हम उसको कवर कर सकते हैं। तो इसीलिये ये भी बहुत जरूरी है तीसरी बात पानी की समस्या कुछ आपके कमर्शियल समरसिबल

पम्प लगे हुये हैं वो 100 परसेंट बंद होने चाहिये और लेकिन जो घरों में पम्प समरसिबल पम्प जो लगे हुये हैं वो चालू रहने चाहिये क्योंकि पानी की व्यवस्था हम दे नहीं पा रहे हैं और वहां हमारे एसडीएम कार्यालय से अधिकारी पहुंचते हैं और लाखों रुपये की रिश्वत मांगते हैं रिश्वत दो तो ठीक है चालू रहता है नहीं तो रिश्वत नहीं दो, क्योंकि मैं समझता हूं पिछले 10 साल के अंदर जो केजरीवाल सरकार है भ्रष्टाचार का एक शासन रहा उस शासन को हमको तुरंत बंद करना चाहिये। अभी गर्मियों का समय है उन सभी कमर्शियल समरसिबल पम्प को अभी रोका जाये 100 परसेंट बंद होने चाहिये क्योंकि वो पानी को बेचते हैं लेकिन जो घरों में पानी की आवश्यकता है आपकी रिक्वायरमेंट है जो मैंने बताई हैं मैं समझता हूं 280 के अंदर आपने बोलने का मौका दिया और लगातार बोलने का मौका दिया क्योंकि आमने-सामने बैठे हुये हैं, आशा है कि आप हमें समय देंगे धन्यवाद, जय हिन्द जय भारत।

माननीय अध्यक्षः श्री ओमप्रकाश शर्मा।

श्री ओमप्रकाश शर्माः धन्यवाद अध्यक्ष जी, आपका बहुत-बहुत धन्यवाद, आपका ध्यान मैं केजरीवाल गैंग के द्वारा पिछले बहुत बड़े समय से पीडब्ल्यूडी में एक बहुत बड़े भ्रष्टाचार की ओर आपका ध्यान, इस सदन का ध्यान खींचना चाहता हूं और माननीय मंत्री जी लोक निर्माण विभाग न केवल मेरी विधानसभा विश्वास नगर बल्कि दिल्ली के अनेकों अनेक इलाकों में पीडब्ल्यूडी की रोड्स जैसे कड़कड़डूमा चौक से लेकर आई.पी. एक्सटेंशन जाने वाले पुल की

साइड रोड़, गगन विहार, कैनाल रोड़, बालको अपार्टमेंट व अनेक क्षेत्रों में टूटी हुई बिल्डिंगों का मलबा और मलबा एक-दो या पचास ट्रक नहीं सौ-सौ, दो-दो सौ ट्रक मलबा रात को डलता है। पुलिस को पीडब्ल्यूडी को संबंधित जितने भी डिपार्टमेंट हैं उन सबका उसके अंदर मिलीभगत रहती है और जब वहां पर 200 ट्रक मलबा गिरता है तो उठाने के नाम पर 500 ट्रक मलबा उठाने के बिल बनाये जाते हैं। हमने पीडब्ल्यूडी डिपार्टमेंट, कन्सर्न्ड डिपार्टमेंट को ये कहा की या तो यहां अपने लोगों की ड्यूटी लगायें, यहां एक खास ऊँचाई पर यहां सीसीटीवी कैमरे लगाये जायें। आज सड़क जो पॉश एरिये की आधी सड़क हम जब लोग सुबह रोज़ उठते हैं तो आधी सड़क बिल्डिंग के मलबे से भरी होती है और इसमें पूरे का पूरा तंत्र इसलिये शामिल है कि डालने वालों से पैसे लिये जाते हैं और जब उसको उठाया जाता है तो उसमें ओवर बिलिंग की जाती है तो इसमें जो पूरी क्षेत्र की जनता जो इससे पोल्युशन का भी होता है, ट्रैफिक में भी डिस्ट्रैक्शन होता है तो इन चीज़ों को लगातार हम कहते रहे हैं लेकिन इसके ऊपर डिपार्टमेंट ध्यान नहीं देता है मलबा उठाने के नाम पर पांच-पांच गुना अधिक बिलिंग होती है और इन सबको देखते हुये इसको रोकने की जगह कहीं ना कहीं डिपार्टमेंट इनको प्रोत्साहित करते हुये नज़र आते हैं पीडब्ल्यूडी रोड पर कोई अवैधानिक अवरोध न हो इसकी जिम्मेदारी पीडब्ल्यूडी डिपार्टमेंट की है। मेरा निवेदन है की उपरोक्त मलबा डालने वाले स्थानों पर कैमरे व अन्य सावधानी बरती जाये व इस अवैध मलबे

के कारण सड़कों पर होने वाले अवरोध की जिम्मेदारी किसकी है इसको तय किया जाये चिन्हित किया जाये और चिन्हित करके इस काम को रोका जाये। आपने मुझे बोलने का समय दिया इसके लिये आपका बहुत-बहुत धन्यवाद।

माननीय अध्यक्षः 280 में जिन भी सदस्यों ने भाग लिया उन सभी का अभिनन्दन है अब आइटम नम्बर-2 मैं, माननीय सदस्यगण आपके माध्यम से क्योंकि आज सीएजी की दूसरी रिपोर्ट प्रस्तुत की जा रही है। लेकिन मुझे सदस्यों की तरफ से ही कुछ शिकायतें आई है कि रिपोर्ट जो आज टेबल की जा रही है वो कई समाचार पत्रों में उसके कुछ अंश देखे गए है। मैं मीडिया के सभी कर्मियों से ये स्पष्ट रूप से अनुरोध करूंगा कि वो कृपया करके इस तरह से सदन की गरिमा से खिलवाड़ ना करें और जो सदस्यों का अधिकार है सबसे पहले उस रिपोर्ट को देखने का जिसको ले करके इतना संघर्ष यहां पर आये हुए सभी सदस्यों ने किया है लेकिन उसके बावजूद वो रिपोर्ट सदस्यों को नहीं प्राप्त हो पाई और बहुत दुर्भाग्य की बात है, आज सदन के समक्ष वो सदन की सम्पत्ति है, इन सदस्यों की सम्पत्ति है, इन सदस्यों का अधिकार है, ये सदन का अधिकार है, उस पर अनाधिकार चेष्टा शायद सदस्य उससे आहत है, तो कृपया करके सदन की अवमानना से बचें और भविष्य में इस प्रकार की कोई भी कृत, अगर सदन से किसी सदस्य द्वारा इस पर ऑब्जेक्शन उठाया जायेगा तो फिर कार्यवाही के लिए सदन बाध्य होगा। इस पर क्या सदन..

श्री अभय वर्माः इस पर मैं एक बात कहना चाहता हूं चूंकि सीएजी की रिपोर्ट को लेकर हम लगातार संघर्षरत रहे। हम बार मार्शल आउट हुए और आपके लीडरशिप में हम कोर्ट भी गए और ये सीएजी की रिपोर्ट पिछली सरकार के पास थी। अब वो जानबूझकर लीक कर रहे हैं। वो इस हाउस को भी बदनाम करना चाहते हैं, सदस्यों को भी नीचा दिखाना चाहते है। इसलिए पहले ही वो मीडिया को दे रहे हैं ताकि सब कुछ लीक हो जाये और सब कुछ तीन-पांच हो जाये। तो आपको इसको गम्भीरता से लेना चाहिए और इस पर सख्त से सख्त कार्यवाही होनी चाहिए। आप पिछली सरकार में थे इसका मतलब ये नहीं है कि आप मनमाने ढंग से चीजों को लीक करेंगे। बहुत-बहुत धन्यवाद।

माननीय अध्यक्षः कपिल मिश्रा जी। कपिल मिश्रा जी कुछ कहना चाह रहे हैं।

माननीय पर्यटन मंत्री (श्री कपिल मिश्रा): अध्यक्ष महोदय, सदन की ये चिंता बिल्कुल जायज है जो आपके माध्यम से आई है। मेरा इसमें बस एक ही विचार मैं ये रखना चाहता हूं कि मीडिया के पास पहुंचेगी तो मीडिया दिखा ही देगा। बात ये है कि कोई ना कोई अधिकारी या किसी के द्वारा जरूर ऐसा हुआ होगा उनको जरूर, उनके संज्ञान में भी सदन के माध्यम से आये और अगर पता लगे तो फिर कठोर कार्यवाही सुनिश्चित की जाए।

माननीय अध्यक्षः जी, तरविन्दर सिंह मारवाह जी।

श्री तरविन्दर सिंह मारवाह: अध्यक्ष जी सबसे पहले बात है कि ये रिपोर्ट गई कैसे बाहर। कोई ना कोई व्यक्ति है ना। एमएलओ के पास तो रिपोर्ट आई नहीं अभी। किसी के पास भी नहीं आई है। इसमें सख्त कार्यवाही होनी चाहिए कि हमारे कागज जो है बाहर लीक हो रहे हैं इस पर एक इन्क्वायरी कमेटी बैठाओ एमएलओ की और इस पर क्योंकि ये आज नहीं ये चल पड़ा तो हर जो भी बजट लायेंगे अध्यक्ष जी, जो भी प्रस्ताव लायेंगे पहले ही प्रैस वालों को पहुंच जायेगा तो फिर प्रस्ताव लाने का फायदा क्या होगा, इस लिए इस पर एक कमेटी बनाओ। ये क्योंकि छोटा मामला नहीं है, आगे बढ़ता-बढ़ता बढ़ ही जायेगा। तो मेरा तो निवेदन है चार पांच एमएलओ की कमेटी बनाओ, इसमें इन्क्वायरी बैठाओ कि ये गई कैसे और उसका तथ्य का तथ्य निकलना चाहिए अध्यक्ष जी।

माननीय अध्यक्ष: सतीश उपाध्याय जी।

श्री सतीश उपाध्याय: अध्यक्ष जी मेरा भी ये ही कहना था कि कोई ना कोई अधिकारी अंदर मिले हुए है जिन अधिकारियों के माध्यम से ये रिपोर्टें लीक हो रही है। ये बहुत ही गम्भीर मामला है कि सदन में आने से पहले हमारी माननीय मंत्री ने इस रिपोर्ट को रखना है उससे पहले सदन में इसका डिस्कशन होना है। वो सारा का सारा मीडिया में गया है। तो किसी ना किसी ने तो दिया और जिसने दिया अगर आज इन पर कार्रवाई हो गई। आज जिन ऑफिसर्स के बारे में पता चलेगा तो ये चिन्हित करना चाहिए कि

कौन लोग अभी भी उनको सारी इन्फोर्मेशन यहां पर दे रहे हैं और सदन की अवमानना कर रहे हैं।

माननीय अध्यक्षः देखिये मैं सदस्यों की बात से सहमत हूं। लेकिन उपलब्ध कराने वाला एक विषय है और छापना एक विषय है। जिसे उपलब्ध होती है वो उसको ये समझना चाहिए कि कार्यवाही तो छापने वाले पर होगी। तो आज हम कोई किसी प्रकार का कदम नहीं उठायेंगे इस प्रकार का क्योंकि मीडिया का हम सम्मान करते हैं, लोकतंत्र का चौथा स्तम्भ है मीडिया। लेकिन हम उनसे एक गुजारिश कर सकते हैं। उनको एक संदेश देना चाहते हैं कि जब सदन चल रहा है और आज माननीय सदस्यों के समक्ष रिपोर्ट आनी है और अगर टेबल पर आयेगी तो जनता के बीच में जायेगी। लेकिन आप कृपया करके अनाधिकार चेष्टा करके सदन की अवमानना का प्रयास ना करें और सदस्यों का अधिकार सदस्यों तक सीमित रहना चाहिए। सदस्यों के अधिकार से अगर कभी भी कहीं खिलवाड होगा तो मैं सदन के अध्यक्ष होने के नाते सदन को विश्वास दिलाता हूं कि उसमें रत्ती भर भी समझौता नहीं होगा। अब सदन पटल पर प्रस्तुत किये जाने वाले कागजात श्रीमती रेखा गुप्ता, माननीय मुख्यमंत्री जो वित्त मंत्री के रूप में राष्ट्रीय राजधानी क्षेत्र दिल्ली सरकार से सम्बन्धित भारत के नियंत्रक एवं महालेखा परीक्षक का सार्वजनिक स्वास्थ्य अवसंचरना और स्वास्थ्य सेवाओं का प्रबन्धन पर निष्पादन लेखा परीक्षा प्रतिवेदन वर्ष 2024 का प्रतिवेदन संख्या–3

की प्रतियां सदन पटल पर प्रस्तुत की जाये और श्रीमती रेखा जी इसको हम सबके समक्ष प्रस्तुत करें।

माननीया मुख्यमंत्री (श्रीमती रेखा गुप्ता): अध्यक्ष महोदय, मैं आपकी अनुमति से राष्ट्रीय राजधानी क्षेत्र दिल्ली सरकार से सम्बन्धित भारत के नियंत्रक एवं महालेखा परीक्षक का सार्वजनिक स्वास्थ्य अवसंचरना और स्वास्थ्य सेवाओं का प्रबन्धन पर निष्पादन लेखा परीक्षा प्रतिवेदन वर्ष 2024 का प्रतिवेदन संख्या नंम्बर–3 की प्रतियां सदन पटल पर प्रस्तुत करती हूं।

माननीय अध्यक्षः सदस्यों को वितरित की जाये। आज जो सदन के समक्ष जो रिपोर्ट पेश की जा रही है सीएजी की जो Health Infrastructure से सम्बन्धित है। Health Infrastructure, Public Health Infrastructure and Management of Health Services इस पर श्री हरीश खुराना जी।

श्री हरीश खुरानाः सबसे पहले तो माननीय मुख्यमंत्री जी को मैं बधाई देता हूं कि जो constitutionary obligation है जो पिछली सरकारें चाहे वो अरविंद केजरीवाल जी की सरकार हो चाहे वो आतिशी जी की सरकार हो उन्होंने तो पूरा नहीं किया लेकिन मैं बधाई देता हूं माननीय मुख्यमंत्री जी को कि आज उन्होंने सदन के अंदर Health Infrastructure के ऊपर सीएजी की रिपोर्ट सदन के अंदर प्रस्तुत की है। अध्यक्ष जी हमारा हमेशा मानना रहा है भारत सरकार का कि Health is a vital indicator of all human deliver

[1] दिल्ली विधान सभा पुस्तकालय में संदर्भ संख्या आर–23377 पर उपलब्ध।

products और भारत सरकार निरन्तर Right to Health careहो और Health care and protection को हमेशा प्रायोरिटी पर रखा है और ये ही कारण है कि भारत सरकार हमारे नरेन्द्र मोदी जी के नेतृत्व में पिछले एक दशक से एम्स जैसे हॉस्पिटल हर राज्य में खुलते हुए आ रहे है और बहुत कुछ भारत सरकार Health Infrastructure पर मोदी जी इस पर कर रहे हैं। मैं उसके लिए नरेन्द्र मोदी जी की हमारे प्रधान मंत्री जी का साधुवाद करता हूं कि इतने इम्पोर्टेंट जो Right to Health है उसको लेकर निरन्तर वो काम करते आ रहे हैं। लेकिन निश्चित तौर पर दिल्ली की सरकार जो पिछली सरकार थी दावे तो बड़े–बड़े करती थी कि हम शिक्षा क्रान्ति लाये, हम हैल्थ क्रान्ति लाये कि हमने हैल्थ के अंदर एक revolution ला दिया। ये रिपोर्ट अध्यक्ष जी उनके दावे की जो पोल है उसको खोलती है और जो उनके दावे है उनको तार–तार करती है अध्यक्ष जी। अभी मैंने एक executive summary पढ़ी इस 240 पेज की रिपोर्ट को अगर हम ध्यान से पढेंगे निश्चित तौर के ऊपर लेकिन सरसरी तौर पर जो पढा गया इसमें साफ दर्शाता है कि जिस प्रकार की irregularities, financial irregularities हुई है वो निश्चित तौर पर बहुत बड़े भ्रष्टाचार की तरफ इंगित होता है। रिपोर्ट के अंदर जो बताया गया कि ग्यारह साल के शासन के अंदर दावे जो मर्जी करते रहें लेकिन सिर्फ तीन हॉस्पिटल या तो बने है या उसको एक्सटेंशन दिया गया। ये है कैग रिपोर्ट की पहली सच्चाई और हॉस्पिटल का जो इसमें बताया गया इन्दिरा गांधी हॉस्पिटल जो शुरू तो कहीं और हुआ था लेकिन खत्म दूसरी सरकार ने किया लेकिन

जो डिले हुआ वो पांच साल का डिले हुआ अध्यक्ष जी और जिसकी वजह से जो final cost of tender है वो 314 करोड़ रूपये की उसमें वृद्धि हुई। अब वो क्यों वृद्धि हुई, किसके कारण वृद्धि हुई ये तो सब जानते हैं कि जानबूझकर अगर प्रोजेक्ट को अगर डिले किया जा रहा है तो कहीं ना कहीं वो भ्रष्टाचार तो हुआ ही हुआ है ये निश्चित तौर के ऊपर है। ऐसे ही डिले बुराडी हॉस्पिटल के अंदर भी हुआ अध्यक्ष जी। छः साल का डिले इस पुरानी अरविंद केजरीवाल जी की सरकार निवर्तमान सरकार ने किया जिसकी वजह से राजस्व को 41 करोड़ रूपये का एक्ट्रा खर्चा हुआ। ये इस रिपोर्ट को जो शुरूआती में हमने पढा है उसमें दिखाया गया है। एमए डेंटल जो फेज–11 का एक्सटेंशन हुआ वो भी लगभग तीन साल का डिले हुआ और उसमें 26 करोड़ रूपये का जो नुकसान हुआ राजस्व को जो टोटल तीन हॉस्पिटल के अंदर ही 382 करोड़ 52 लाख रूपये का नुकसान अरविंद केजरीवाल की सरकार ने किया और जो दावे करती थी हम हैल्थ क्रान्ति लेकर आये हैं। अध्यक्ष जी कोविड के अंदर जब हम सब लोग अपनी जान बचाने के लिए ऑक्सीजन की जुगाड़ कर रहे थे शर्म आती है जब मैं ये रिपोर्ट को पढ़ता हूं इस दिल्ली की सरकार ने जो गवर्नमेंट ऑफ इंडिया से फंड आया था अध्यक्ष जी, भारत सरकार ने जो कोविड के लिए दिल्ली सरकार को मदद की थी उसका फंड भी अनयूटिलाइज किया इस सरकार ने इस सीएजी की रिपोर्ट में साफ–साफ बताता है अध्यक्ष जी। ये वो सरकार है आप याद

करिये अध्यक्ष जी क्या कहती थी कि ऑक्सीजन जो है हमारा कहीं और जा रहा है। किस प्रकार से उन्होंने एक दिल्ली के अंदर केओस पैदा कर दिया था कोविड के अंदर कि भारत सरकार की वजह से दिल्ली में काम नहीं हो रहे है, दिल्ली में कोविड फैल रहा है। लेकिन जब ये रिपोर्ट अगर आप पढ़िये executive summary के अंदर भी है lump sum amount जो गवर्नमेंट ऑफ इंडिया ने 24 करोड 67 लाख रूपया रिलीज किया। अध्यक्ष जी, पूरा का पूरा अमाउंट unspent रहा ये है इस सरकार की कारस्तानी अध्यक्ष जी। ये बातें बड़ी-बड़ी करती है। Diagnostic including your sample transport जो सैम्पल ट्रांसपोर्ट जो हमने जो गवर्नमेंट ऑफ इंडिया ने दिया 371 करोड़ रूपया जो टैस्टिंग के लिए दिया गया अध्यक्ष जी, unspent amount है 68 करोड 91 लाख। भारत सरकार के द्वारा भी जो अमाउंट दिया गया उसको भी स्पैंड नहीं किया। ये है इस दिल्ली सरकार की कारस्तानी। और यहीं खत्म नहीं होता अध्यक्ष जी ह्यूमन रिसोर्स एक्सपेंस के नाम पर जो गवर्नमेंट आफ इंडिया ने उस हैड के तहत जो फंड दिल्ली सरकार को दिया उसमें भी 52 करोड़ रुपये में से सिर्फ 30 करोड़ रुपया अनस्पेंड रहा ये हालत है इस सरकार की और जो ड्रग एंड सप्लाई, सैंपल सप्लाई, पीपीई की किट जो पूरे देश को भारत सरकार ने सप्लाई करने का एक बीड़ा उठाया था 119 करोड़ का जो फंड दिया उसमें से दिल्ली की सरकार भारत की सरकार के द्वारा दिया हुआ 83 करोड़ रुपया स्पेंड नहीं कर पाई। ये हालत है दिल्ली की सरकार की हैल्थ क्रांति की

कोविड के टाइम पर अध्यक्ष जी और निश्चित तौर के ऊपर जब ये दावे करती है की हमने हैल्थ क्रांति लाई तो हैल्थ क्रांति के अंदर बजट तो अनस्पेंड नहीं होना चाहिए अध्यक्ष जी। निश्चित तौर पर जब आपने एक एलोकेशन किया है कि हम एक एक्स अमाउंट को खर्च करेंगे दिल्ली का फायदा होगा, स्पेंड होगा, हॉस्पिटल बनेंगे, इनफ्रास्ट्रक्चर होगा। ये रिपोर्ट बता रही है अध्यक्ष जी की लगातार 5 साल 2017 से लेकर 2022 तक की जबकि ये रिपोर्ट है लगातार फंड लैप्स हुआ है अध्यक्ष जी। 2016-17 में 288 करोड़, 2017-18 में 282 करोड़, 2018-19 में 553 करोड़, 2019-20 में 466 करोड़ और 2020-21 में 191 करोड़ अध्यक्ष जी। ये हालत है इस दिल्ली की हैल्थ क्रांति की सो काल्ड हैल्थ क्रांति की। और ये वो चीज है जो हमारी अपनी जिंदगी से जुड़ी होती है अध्यक्ष जी। इसके अलावा आपको याद होगा कि दिल्ली की सरकार ने जब अपना मेनिफेस्टों लेकर आए थे तो कहा था कि हम दिल्ली के अंदर 32 हजार नये हॉस्पिटल बैड बनाएंगे। 32 हजार लेकिन 10 साल में अध्यक्ष जी आपको ये जानकर हैरानी होगी जब हम ये रिपोर्ट पढ़ते हैं तो 1235 सिर्फ बैड बढ़े हैं पिछले 10 साल के अंदर यानि कि उनका जो रेशियो है प्रामिस का रेशियो है सिर्फ साढ़े 3 परसेंट उन्होंने काम किया है बाकी का पैसा कहां गया, क्या हुआ, भ्रष्टाचार के अंदर ये गया ये रिपोर्ट पूरी तरह इंगित करती है अध्यक्ष जी। जो इस रिपोर्ट के अंदर भी कहा गया कि इन्होंने 4 हॉस्पिटल्स को स्पेशल ऑडिट किया गया। जानकर आपको

हैरानी होगी अध्यक्ष जी और सदन को भी हैरानी होगी, लोकनायक जयप्रकाश नारायण हॉस्पिटल जो दिल्ली का सबसे प्रतिष्ठित दिल्ली सरकार का हॉस्पिटल है जहां सबसे ज्यादा लोग इलाज कराने जाते हैं वहां पर एक ओटी सर्जरी ऑपरेशन थियेटर की सर्जरी का डिपार्टमेंट ही फंक्शन नहीं है ये है इस दिल्ली की सरकार और जो वेटिंग टाइम है और अध्यक्ष जी किसी को जरूरत हो आज ऑपरेशन कराने की, आज ऑपरेशन नहीं हो पाएगा अध्यक्ष जी 4 से 12 महीने लगेंगे ये वेटिंग टाइम है इस पूर्ववर्ती सरकार की हैल्थ क्रांति का। यही चीज यहां नहीं रुकते हम अध्यक्ष जी यहां पर 5 ईसीजी मशीन्स खराब हैं 12 में से, 12 ईसीजी मशीन में से 5 खराब हैं 5 ..जो ऑक्सीजन की मशीन्स होती हैं आईसीयू में नॉन-फंक्शनल हैं अध्यक्ष जी। 3 ट्रांसपोर्ट मॉनीटर्स फंक्शनल नहीं हैं आईसीयू के अंदर ये इस जांच रिपोर्ट में सामने आया है अध्यक्ष जी सामने आया है। ऐसे ही राजीव गांधी हॉस्पिटल के बारे में भी ये चीज़ें हैं, जनकपुरी हॉस्पिटल के बारे में भी चीज आई है और चाचा नेहरू बाल विकास जो चिकित्सालय है उसके बारे में भी ये चीजें हैं और निश्चित तौर के ऊपर जब ये बताया जाता है मन को बहुत व्यथा होती है अध्यक्ष जी 27 हॉस्पिटल्स में से 14 हॉस्पिटल्स में आईसीयू सर्विस नहीं है अध्यक्ष जी 14 आईसीयू सर्विस नहीं हैं और ये बात करती थी सरकार हैल्थ क्रांति की। तो ये रिपोर्ट जब हम पढ़ रहे हैं निश्चित तौर के ऊपर एक-एक चीज को इंगित करती है और मुझे लगता है कि जब ये पूरी रिपोर्ट पढ़ेंगे.

(समय की घंटी)

श्री हरीश खुराना: तो निश्चित तौर के ऊपर इस सरकार की सोकॉल्ड हैल्थ क्रांति की तो पोल खुलेगी ही लेकिन जैसे लिकर पॉलिसी के अंदर लिकर के अंदर एक भ्रष्टाचार सामने आया जब हम ये पूरी रिपोर्ट पढ़ेंगे निश्चित तौर के ऊपर एक बहुत बड़े भ्रष्टाचार की तरफ ये इंगित करता है। आपने मुझे बोलने का मौका दिया बहुत-बहुत धन्यवाद आपका अध्यक्ष जी।

माननीय अध्यक्ष: श्री अशोक गोयल जी (अनुपस्थित) श्री अजय महावर।

श्री अजय महावर: धन्यवाद अध्यक्ष जी, आज सीएजी रिपोर्ट की जो स्वास्थ्य के ऊपर ये रिपोर्ट सदन में रखी गई है हम लगातार इस विषय को पिछले सदन में भी उठाते रहे हैं और जिस प्रकार से ये सीएजी रिपोर्ट अभी मैं सरसरी ढ़ंग से देख रहा था तो इसमें हॉस्पिटल्स की तो जो बात आई है वो आई है कि हॉस्पिटल तो इन्होंने खोले नहीं लेकिन बिस्तरों की संख्या भी लगातार कम होती रही है। हर जिले में हर हॉस्पिटल के अंदर जो बैड्स थे वो भी कम हो गये हैं। ये मोहल्ला क्लीनिक के ऊपर बड़ी पीठ ठोकते थे अपनी। जो मोहल्ला क्लीनिक कोरोना के भारी संकट में कोरोना की टेस्टिंग तक उपलब्ध न करा पाए वो कैसी वर्डक्लास मोहल्ला क्लीनिक की ये बात करते थे इनको अपने मुंह पर शर्म भी नहीं आती थी। यहां पर रिपोर्ट में बहुत सारी चीजों का जिक्र

अभी हरीश खुराना जी ने किया। एंबुलेंस-एंबुलेंस की हालत इतनी बुरी है जो इमरजेंसी एंबुलेंस हो या कॉल वाली एंबुलेंस हो उसमें भी निरंतर गिरावट आई है एंबुलेंस की संख्या में लगातार 2016 से लेकर 22 तक लगातार गिरावट आई है। ये बातें बनाते थे बहुत बड़ी-बड़ी, ये कहते थे कि हमने इतना ज्यादा बजट शिक्षा और स्वास्थ्य में दिया है लेकिन दिल्ली का स्वास्थ्य बिलकुल खराब कर दिया और पिछली बार एक अभय जी ने जिक्र किया था कि व्यक्ति आया था खांसता-खांसता पूरी दिल्ली को आज खांसने पर मजबूर कर दिया। आज इसमें सीएजी रिपोर्ट में जितनी भी चीजें जितनी भी डिटेल्स हैं उन सबमें चाहे दवाईयों का मामला हो आज इतना ही नहीं, जो पशुओं की दवाई का मामला है उसमें भी इसमें डिटेल से जानकारी है यहां तक की कुत्तों के काटने से जो रेबीज का इंजेक्शन लगता है वो भी उपलब्धता पूरे हॉस्पिटल्स में उपलब्ध नहीं है उसका भी ये सरकार संज्ञान नहीं ले पाई। जो शवगृह वैन उपलब्धता होती है उसकी भी उपलब्धता नहीं हो पाई इस सरकार ने पिछले 10 साल में शवगृह वैन को भी मेनटेन करने में ये असफल रही और जो सीटीएस के जो बेड़े थे इनके पर्याप्त कॉल्स वाले एंबुलेंस के साथ उसके अपेक्षित उपकरण और दवाईयां वो भी उसमें उपलब्ध नहीं थी। इनकी जो आहार विज्ञान विभाग है उस सेवा से भी ये इनकी पूरी की पूरी आप देखियेगा नहीं है। नमूना जांच जितने भी हुए हैं, जितने भी नमूने के जांच हुए हैं उसमें भी आप देखेंगे चाहे एलएनएच हो, चाहे आरजीएचएस हो, सीएमडीसी हो, जीएचएस हो किसी में भी किसी भी मानदंड को ये पूरी तरह

से नहीं मेकअप कर पाए और ये अपनी पीठ खाली थपथपाते रहे, झूठ बोलते रहे, दिल्ली का बेवकूफ बनाने का काम करते रहे लेकिन अब दिल्ली जाग गई है। मैं बधाई देता हूं आदरणीय मुख्यमंत्री जी को, मैं बधाई देता हूं इस पूरे काउंसिल आफ मिनिस्टर्स को जिन्होंने पहली ही बैठक में सदन में इसको पेश किया है और इसमें बाल मृत्यु का भी जिक्र है। बाल मृत्यु भी लगातार इस सरकार के 2017-18 से अगर आप देखें तो 3.65 परसेंट इसमें वृद्धि हुई है और 21870 बाल मृत्यु में 798 मामलों में इसमें गड़बड़ी पाई गई है लेकिन इसके लिए भी पिछले दिनों राजीव गांधी सुपर स्पेशिलिटी जो हॉस्पिटल है कोरोना के बाद भी उसमें ऑक्सीजन्स की वजह से डिपार्टमेंटल जो मशीनरीज है उनकी गड़बड़ी के माध्यम से काफी लोगों की मौत हुई है और आपको ध्यान होगा मोहल्ला क्लीनिक में गलत दवाई दी थी जिससे कई सारे छोटे-छोटे बच्चों की जो पैदा हुए थे और 5 साल तक के बच्चों की बहुत सारे बच्चों की मौत हुई थी जिसकी जांच के लिए भी आपको याद होगा अध्यक्ष जी आप उस समय नेता, प्रतिपक्ष थे यहां पर हम लोगों ने इस सदन में ही आवाज उठाई थी उसके लिए भी आज तक ये सरकार कुछ भी नहीं कर पाई। कुल मिलाकर के चाहे किसी भी विषय हो स्वास्थ्य विभाग में पूरी तरह से अपनी पीठ थपथपाने वाली ये सरकार पूर्णरूप से किल रही है इसकी कोई भी चाहे नर्सिंग की हो व्यवस्था और चाहे हॉस्पिटल की या मोहल्ला क्लीनिक की हर विभाग में पूरी तरह से इस फेल

सरकार की हम पूरी तरह से निंदा करते हैं और इसमें जो सीएजी रिपोर्ट में इसमें अनियमितताएं दर्शाई गई हैं और उस अनियमितताओं के पीछे जो भ्रष्टाचार छुपा है चाहे वो नकली दवाई हो, एक्सपायरी डेट की दवाई हो, चाहे एक बार इन्होंने बात की थी मोटर बाइक एंबुलेंस की 15 मोटर बाइक एंबुलेंस एक बार चित्र में छपा और करोड़ों रुपये के विज्ञापन छाप दिये लेकिन वो दोबारा कभी दिल्ली की सड़कों पर दिखी नहीं। इस सवाल को हम खड़ा करते हैं और ये पूरी तरह से जिस-जिस क्षेत्र में स्वास्थ्य विभाग की अनियमितताएं हुई हैं और भ्रष्टाचार के दायरे में आते हैं मैं इस सदन से और आपसे गुजारिश करूंगा की भ्रष्टाचार की व्यापक जांच हो और उन जांच से जो भी दोषी हो उस पर कड़ी से कड़ी कार्यवाही की जाए बहुत-बहुत धन्यवाद।

माननीय अध्यक्षः श्री राज कुमार भाटिया।

श्री राज कुमार भाटियाः आदरणीय सभापति महोदय, मैं आभार व्यक्त करता हूं आपने मुझे बोलने का अवसर दिया। साधुवाद की पात्र है दिल्ली की यशस्वी मुख्यमंत्री बहन श्रीमती रेखा गुप्ता जी और उनका मंत्री मंडल जिन्होंने दिल्ली की पहली जरूरत हैल्थ की कैग रिपोर्ट को सदन के पटल पर रखा है। अभी सरसरी तौर पर देखते हुए हैल्थ में जो सबसे बड़ा फैक्टर है वो स्टॉफ, मशीनरी और मरीज तीन बिन्दुओं पर टिकता है और तीनों बिन्दुओं में ही हिन्दी के वर्जन पेज-22 पर जो अभी देखने को मिला है चयनित अस्पतालों में कर्मचारियों की स्थिति। एक हॉस्पिटल में डॉक्टरों की

जो भर्ती थी या डॉक्टरों की जो जरूरत थी उसमें 50 से 74 प्रतिशत के पद जो हैं वो रिक्त पाए गए हैं और ये हॉस्पिटल हैं आरजीएसएसएच राजीव गांधी सुपर स्पेशियलिटी हॉस्पिटल जिसका सीधा-सीधा नियंत्रण दिल्ली सरकार के अंतर्गत था और पैरामेडिकल स्टाफ में भी 22 से 56 प्रतिशत नियुक्ति पद खाली पड़े हुए थे जिसका कभी भी भरने के लिए कोई प्रयास नहीं किया गया और सबसे चिंताजनक स्थिति नर्स जो 24 घंटे उपलब्ध रहती है मरीजों के लिए नर्सिंग स्टाफ में 73 से 96 प्रतिशत तक की कमी यहां पर रिपोर्ट की गई है जो आपके सामने इस तालिका में दर्शाई गई है। और इसके साथ-साथ फर्स्ट रिस्पांस व्हीकल जिसका अभी-अभी जिक्र भाई अजय महावर जी ने किया है। राष्ट्रीय राजधानी क्षेत्र में विशेष रूप से संकुल इलाके जरूरतमंद व्यक्तियों तक चिकित्सा सहायता प्रदान करने के लिए मोटर साईकिल का उपयोग फर्स्ट रिस्पांस व्हीकल शुरु करने के लिए 2018 में मंजूरी दी गई थी और फरवरी 2019 से पूर्वी शाहदरा और उत्तर-पूर्व जिलों को कवर करने के लिए तैनात किया गया था लेकिन लेखा-परीक्षा में पाया गया कि एफआरवी बाद में स्टाफ की कमी के कारण 2020 में वापस ले ली गई थी। करोड़ों रुपया खर्च करने के पश्चात् और करोड़ों रुपया विज्ञापन पर खर्च करने के बाद किसी भी मरीज को सहायता देने के लिए यह केवल दिखावा था और कभी भी इसका सदुपयोग नहीं हो पाया है। अस्पतालों में एंबुलेंस में शवगृह और एंबुलेंस सेवाओं की उपलब्धता पर भी गहन और सघन इस पर टिप्पणियां की गई हैं जो खतरनाक हैं। सच्ची बात तो यह है कि

पूर्ववर्ती सरकार दिल्ली की जनता के स्वास्थ्य के साथ खिलवाड़ कर रही थी और इसके साथ-साथ कोविड काल में भी उन्होंने दिल्ली की जनता को बिलखने के लिए छोड़ दिया था। इलाज की कमी के कारण अनेकों मृत्यु हुई और इसको जो ये कमियां इसमें दर्शाई गई हैं जो टिप्पणियां दी गई हैं इसे संगीन मानते हुए इन पर हत्या का मुकदमा दर्ज करना चाहिए क्योंकि उनके कारण जिन मरीजों की मृत्यु हुई है वो स्वभाविक मृत्यु नहीं थी उसे हत्या की श्रेणी में लाकर इन पर मुकद्मा चलाया जाना चाहिए।

माननीय अध्यक्षः श्री ओ.पी. शर्मा।

श्री ओम प्रकाश शर्माः धन्यवाद अध्यक्ष जी, ये कई बार लगता है ये कैग रिपोर्ट रामायण की तरह हम पेश कर रहे हैं जिस तरह हमारे धार्मिक ग्रंथ होते हैं। इस कैग रिपोर्ट को मैंने जो पढ़ा जो देश और दुनिया का सबसे बड़ा भ्रष्टाचार मोहल्ला क्लीनिक का है इसका उसमें कहीं उल्लेख नहीं है। ये बड़ी अजीब-सी बात है।

माननीय अध्यक्षः मैं शर्मा जी आपको बताना चाहता हूँ अभी पार्ट-2 भी है इसका।

श्री ओम प्रकाश शर्माः पार्ट-2 भी है। पहले बताना चाहिए था ना। हम तो इसे समग्र समझ के इसकी वो कर रहे हैं तो इसमें कहना ये है केजरीवाल सरकार ने स्वास्थ्य और शिक्षा के नाम पर जो बहुत बड़ा बजट का हिस्सा प्रतिशत जो रखा वो केवल

इसलिए नहीं रखा कि जिससे जनता को इसका लाभ हो वो बजट बढ़ाकर इसलिए रखा जिससे ज्यादा से ज्यादा भ्रष्टाचार का उनको मौका मिले। अभी इसको जितना देखा है उसके हिसाब से अभी मुझसे पहले First Response Vehicle के विषय में बात हुई और ये विशेष रूप से ट्रांस यमुना शाहदरा के लिए किया गया था। Advanced Life Support Ambulance ये फरवरी 2018 में इनकी घोषणा हुई। कब ये मोटर साइकिल, कब ये एम्बुलेंस आई और कब ये चली गई और कहां चली गई इसका कोई उल्लेख सरकार के पास नहीं है। एसेंशियल ड्रग की अनुपलब्धता है। हैल्थ केयर फेसेलिटी कोरोना के समय में केंद्र सरकार ने जो पैसा दिया उसका दिल्ली सरकार पूरा उपयोग कर नहीं पाई। डीडीए ने भी जो जगह इनको हैल्थ सर्विसेज के लिए दी उनका भी उपयोग ये नहीं कर पाये। inferior quality की ड्रग जब-जब जांच हुई तो inferior quality की ड्रग पाई गई। जिन कम्पनियों को अनेकों-अनेक प्रदेश में ब्लैक लिस्टिड कर दिया गया था जैसे कि जैक्सन लैब, एक्युलाइफ लैब, सैचुरेन लैब, मान फार्मा उन ब्लैक लिस्टिड कम्पनियों के साथ भी दिल्ली सरकार का संबंध रहा और उनसे लगातार उनको फायदा पहुंचाने के लिए उनकी दवाई ये लेते रहे। उनकी क्या पैरामीटर हैं उनकी क्या जांच है इसके ऊपर ध्यान नहीं दिया गया। नर्सिंग और पैरा अभी मुझसे पहले बताया तीन-चार हॉस्पिटल में नया हॉस्पिटल तो इन्होंने कोई बनाया नहीं। जिनका एक्सपेंशन कर रहे थे उनका बजट भी लगातार साल दर साल बढ़ाते रहे और आज भी वो

एक्सपेंशन का कार्य पूरा नहीं हुआ है। पेसेंट सैटिस्फैक्सन सर्वे नाम की कोई चीज पूरी दिल्ली के अस्पतालों में ये सरकार निर्धारित कर नहीं पाई। टीवी की दवा उपलब्ध नहीं है। रैबीज के इंजेक्शन उपलब्ध नहीं हैं। होमाफोइलिन के इंजेक्शन नहीं है और गवर्मेंट का जो स्टॉक रजिस्टर है वो अनुपलब्ध है तो केवल और केवल बजट की बंदर बांट करना ये ही दिल्ली सरकार का उद्‌देश्य रहा। इस सर्वे रिपोर्ट को देखते हुए ये लगता है कि जो दावा दिल्ली की सरकार वर्ल्ड के हैल्थ क्लास वर्ल्ड क्लास हैल्थ का जो दावा करती थी उसका गुब्बारा फूट चुका है। दिल्ली की तत्कालीन सरकार हर मुद्‌दे पर हर मोर्चे पर जो-जो गोल उन्होंने स्थापित किये थे उनको अचीव करने में असफल रही है और तो और अस्पतालों में ना तो फैकल्टी है, ना डॉक्टर है, ना दवाई हैं। बहुत-से अस्पताल खासतौर से मैं अपने यहां जो अस्पताल हैं उनकी बात कर रहा हूँ। जो-जो जे-जे क्लस्टर में जो गरीब लोग ईडब्लुएस के लोग हैं उन महिलाओं को मैटरनिटी के लिए दर-दर भटकते हैं और मैटरनिटी का जो डिपार्टमेंट है वो पूरी तरीके से बंद कर दिया गया है। चाचा नेहरू हॉस्पिटल जहां केवल बच्चों का इलाज होता है वहां भी हाल बेहाल है। तो पूरी दिल्ली में केजरीवाल सरकार ने केवल लूट के अलावा और कोई सुविधा दी नहीं और जितनी सुविधाओं की घोषणा की और उनके बड़े-बड़े विज्ञापन छपवाये वो कब शुरू हुई और कब खत्म हुई ये ना जनता को पता है। इस कैग रिपोर्ट में जरूर लिखा गया है। कुछ सुविधायें 18 में चालू हुईं,

20 में इन्होंने समापन दिखाया है। मुझे लगता है ना वो चालू हुई और चालू होने के साथ केवल और केवल अपने विज्ञापन करने के अलावा इन्होंने कोई दिल्ली की जनता को हैल्थ सर्विसेज नहीं दी और केवल हैल्थ सर्विसेज देने के अलावा जो केंद्र सरकार की और से जो मदद मिलती रही चाहे वो कोरोना में हो चाहे आयुष्मान में लोगों को मद्द देने की बात हो उसमें भी दिल्ली सरकार ने हमेशा अड़चन पैदा की जिसका भुगतान दिल्ली की जनता को करना पड़ा। मैं ये समझता हूँ कि आने वाले और दूसरे या तीसरे चैप्टर में मोहल्ला क्लीनिक जैसी चीज भी आयेंगी जिसमें वर्ल्ड क्लास हैल्थ घोटाला वो भी हम सब लोगों के सामने आयेगा और ये समझ में आयेगा कि लोगों की जान की कीमत पर किस प्रकार इन्होंने फंड की आपाधापी की। ब्लैक लिस्टिड कम्पनियों को पैसा दिया उनसे किक बैक वापस लिया। किस प्रकार नकली दवाइयां दीं। हॉस्टिपल्स के अंदर आज ना इन्स्ट्रुमेंट्स हैं, ना फैकल्टी है, ना डॉक्टर हैं, ऑपरेशन थियेटर में जरूरी औजार नहीं हैं, स्टॉक रजिस्टर नहीं हैं, जो एसेंशियल ड्रग हैं वो उपलब्ध नहीं हैं तो अगर ये कुछ भी नहीं है तो फिर ये कैसी वर्ल्ड क्लास सुविधा के विज्ञापन देते रहे हैं। ऐसे लोगों को शर्म आनी चाहिए। इन्होंने दिल्ली को दिल्ली की जनता को शर्मसार किया है और केवल लूटमार के अलावा और कुछ नहीं किया है। धन्यवाद।

माननीय अध्यक्षः सीएजी की रिपोर्ट पर यह चर्चा सोमवार को जारी रहेगी। माननीय सदस्यगण विपक्ष की नेता सुश्री आतिशी जी

उन्होंने मुझे एक पत्र भी लिखा है और वो लगातार एक दुष्प्रचार कर रही हैं। मैं माननीय सदस्यगणों को वस्तु स्थिति से और स्पष्ट रूप से अवगत कराना चाहता हूँ। मैंने कुछ चीजें कल बतायी थीं जो अगर सदन की अवहेलना होगी, सदन की गरीमा को बनाये रखने के लिए ये आवश्यक है और वो विशेष रूप से जब उपराज्यपाल महोदय का अभिभाषण हुआ। उस दौरान जो गैर जिम्मेदार व्यवहार विपक्ष का रहा उससे पहले जब माननीय सदस्यगण ओथ ले रहे थे, ओथ के बाद अध्यक्ष पद के चुनाव की प्रक्रिया पूरी हुई। बधाई प्रस्ताव पर चर्चा हो रही थी उस दिन भी उन्होंने पहले ही दिन हंगामा किया और गैर जिम्मेदार व्यवहार किया। मैंने कल परिभाषा बताई थी सदन की। उसको थोड़ा मैं एक शब्द, एक स्टैप और आगे आपको पूरा बता देता हूँ जिससे पूरे सदन को पूरी स्थिति स्पष्ट हो जायेगी। सदन का तात्पर्य विधान सभा से है, ये परिभाषा है सदन की विधान सभा। सदन का परिसर, ‘‘सदन के परिसर का तात्पर्य विधान सभा, सभा कक्ष, दीर्घायें, विधान सभा सचिवालय के नियंत्रण में कमरे अध्यक्ष कक्ष, उपाध्यक्ष कक्ष, समिति कक्ष, विधान सभा पुस्तकालय, विधान सभा वाचनालय, पार्टियों के कमरे, विधान सभा सचिवालय के अधिकारियों के अधिनस्थ सब स्थान तथा उसकी और जाने वाले मार्गों से तथा उन स्थानों से भी जिन्हें अध्यक्ष समय-समय पर निर्दिष्ट करें ये मैंने कल तक बताया था आपको। अभी वो जो दुष्प्रचार कर रही हैं उसकी स्थिति भी स्पष्ट कर दूं कि देश में उनका कहना है कि कभी परिसर से

बाहर नहीं किया गया है। उसके लिए रूल बुक का रूल 277 का पैरा-3 का भाग घ, डी वो मैं पढ़कर बता रहा हूँ जो स्थिति को पूरी तरह स्पष्ट करता है और इस दुष्प्रचार से लोगों के सामने स्थिति स्पष्ट होगी कि उद्दंडता करो, झूठ बोलो, गुमराह करो और जनता को भ्रमित करो। अब ये जो रूल 277 का भाग जो पैरा-3 है उसका भाग घ, डी मैं पढ़ रहा हूँ। ''सदन की सेवा से निलंबित सदस्य, सदन के परिसर में प्रवेश करने से और सदन और समितियों की कार्यवाहियों में भाग लेने से वंचित रहेंगे।'' फिर पढ़ रहा हूँ, ''सदन की सेवा से निलंबित सदस्य सदन के परिसर में प्रवेश करने से और सदन और समितियों की कार्यवाहियों में भाग लेने से वंचित रहेंगे।'' यानि सदन के परिसर में प्रवेश करने से वंचित रहेंगे। आगे क्या कहती है ''परन्तु अध्यक्ष किसी निलंबित सदस्य को तदर्थ प्रार्थना किये जाने पर सदन के परिसर में किसी विशेष प्रयोजन के लिए आने की अनुमति दे सकेंगे।'' यानि कि परिसर से बाहर होना उनका ये रूलिंग का हिस्सा है। जब सदन से निलंबित होंगे तो सदन के परिसर से भी निलंबित हैं और अगर उनका कोई विशेष कार्य ऐसा है जो वो करने के लिए आना चाहता हैं तो अध्यक्ष पर वो अपनी रिक्वेस्ट भेजेंगे और अध्यक्ष उनको विशेष प्रयोजन के लिए पर्टिकूलर उस काम के लिए अनुमति देंगे और उसके बाद वो वापस बाहर चले जायेंगे। माननीय सदस्यगण ये सदन पवित्र सदन 27 वर्षों के बाद एक ऐसे सदन का गठन हुआ है जहां की मान्यताओं का सर्वोपरि सदस्यों की भावनाओं का,

सदस्यों की गरिमा का, सदन की गरिमा ध्यान रखने का दायित्व इस चेयर का है। जो लोग भी सदन की गरिमा से खिलवाड़ करेंगे भविष्य में भी रूल बुक के अनुसार उसी प्रकार की कार्यवाही की जायेगी जो नियमों में दर्शायी गई है इसलिए वो भ्रमित ना करें और लोगों को मैंने हालांकि उनके उस पत्र का जवाब दे दिया है। उन्होंने पत्र का जवाब मुझे देने के साथ-साथ उसको सार्वजनिक भी किया था। मीडिया को भी दे दिया था। इसलिए मैंने उनको उनके पत्र का जवाब दे दिया है और मैंने भी जो पत्र उनको लिखा है। मैंने भी उस पत्र को सार्वजनिक कर दिया है। अब ये सदन की बैठक अगले 30 मिनट के लिए चाय के विश्राम के लिए स्थगित की जाती है। सदन पुनः 4.15 बजे बैठेगा।

(सदन की कार्यवाही अपराह्न 4.15 बजे तक के लिए स्थगित की गई।)

सदन अपराह्न 4.20 बजे पुनः समवेत हुआ।

माननीय अध्यक्ष (श्री विजेन्द्र गुप्ता) पीठासीन हुए।

माननीय अध्यक्षः माननीय सदस्यगण अब श्री मनजिंदर सिंह सिरसा माननीय मंत्री तथा उपराज्यपाल महोदय के अभिभाषण पर दिनांक 25 फरवरी, 2025 को प्रस्तुत धन्यवाद प्रस्ताव पर चर्चा में सदस्य भाग लेंगे। प्रस्ताव है जो सदन के समक्ष है कि यह सदन दिनांक 25 फरवरी, 2025 को उपराज्यपाल महोदय द्वारा विधान सभा

को दिए गए अभिभाषण के लिए उनके प्रति हार्दिक आभार व्यक्त करता है। चर्चा प्रारम्भ की जाये। श्री प्रवेश साहिब सिंह।

श्री प्रवेश साहिब सिंहः मैं आपका धन्यवाद करता हूँ अध्यक्ष जी कि आपने माननीय एलजी साहब के अभिभाषण पर मुझे चर्चा करने के लिए बोला है और मैं सबसे पहले एलजी साहब का भी धन्यवाद करता हूँ कि उन्होंने हमारा मार्गदर्शन किया और यहां दिल्ली की समस्याओं को रखा और दिल्ली की समस्याओं के समाधान के लिए भी उन्होंने अपनी बात को रखा। मैं आज सबसे पहले आज की चर्चा की शुरूआत में हमारे भारत के यशस्वी प्रधानमंत्री आदरणीय नरेंद्र मोदी जी का भी धन्यवाद करता हूँ। दिल्ली की जनता का भी बहुत-बहुत धन्यवाद करता हूँ कि उन्होंने इतनी उम्मीदों के साथ में इस बार आठ तारीख को कमल खिलाया। भारत इस दुनिया की सबसे पुरानी और महान सभ्यता है। भारत हमेशा मानवता के इतिहास का केंद्र बिन्दु रहा है। और दिल्ली उस महान सभ्यता की एक महान राजधानी है। अध्यक्ष जी दिल्ली केवल एक शहर ही नहीं है, दिल्ली एक मिनी इंडिया है। ऐसे ही देश की कोई जिला नहीं होगा जहां के लोग यहां पर नहीं रहते हैं। दिल्ली भारत की एकता का प्रतीक है। देश की सारी संस्कृति यहां पर दिखाई देती है। देश का सारा व्यंजन यहां पर मिलता है। देश की सारी भाषायें यहां पर मिलती हैं। देश के सभी त्यौहार यहां पर मनाये जाते हैं। मैं अगर कहूं तो गलत नहीं होऊंगा कि दिल्ली देश की आत्मा है और दिल्ली का विकास करना ये हमारा संकल्प है।

लोग कहते रहते थे मैं सुनता रहता था 10 साल तक और शायद ये कानून की किताब में भी लिखा होगा। दिल्ली को पूर्ण राज्य का दर्जा प्राप्त नहीं है। मैं समझता हूँ दिल्ली अगर पूर्ण राज्य नहीं है मगर दिल्ली महत्वपूर्ण राज्य है और दिल्ली को हम हमारे प्रधानमंत्री जी के नेतृत्व में हमारी मुख्यमंत्री जी के नेतृत्व में दिल्ली को संपूर्ण राज्य बनायेंगे, संपूर्ण विकसित राज्य बनायेंगे। आज जैसे पूरे देश के दिल में मोदी जी बसते हैं, चाहे देश के किसान हो, युवा हों, महिलायें हों, सारे बुजुर्ग हो, सारे एसपिरेसनल जो हमारे स्टेट हैं, सारे लोग हैं आज उनके दिल में मोदी जी बसते हैं। ऐसे ही मोदी जी के दिल में भी दिल्ली बसती है। मोदी जी पिछले 10 साल से दिल्ली में रहते हैं। जब वो 2014 में पहली बार दिल्ली आये थे तो उनको भी कष्ट हुआ होगा कि दिल्ली के बारे में पूरा देश ये सोचता है कि बहुत अच्छी होगी, बहुत सारी सुविधायें होंगी। जब लोग यहां पर आकर देखते हैं दिल्ली की हालत कि जिन लोगों ने यहां पर राज किया है क्या उन्होंने दिल्ली की दुर्दशा को बना दिया है। 8 तारीख को दिल्ली के लोगों ने ये तय कर दिया कि दिल्ली के शहर के लोगों में केवल विकास बसता है। उनकी रगो में केवल विकास दौड़ता है ये दिल्ली के लोगों ने तय कर दिया। जब भी विकास की बात होती है तो देश के लोगों को केवल मोदी जी का नाम याद आता है। मोदी जी केवल प्रधानमंत्री ही नहीं वो एक संकल्प हैं, वो एक विश्वास हैं, वो वह शक्ति है जो हर हमारी आपदा को, हर हमारी चुनौती को अवसर में बदल

देते हैं, एक अपोर्चुनिटी में बदल देते हैं वो ऐसी शक्ति हैं। 8 तारीख को कमल खिला। 8 तारीख को एक नये सूरज का उदय हुआ है। हम यहां पर ट्रेजरी बेंच पर बैठे हैं इसके लिए बहुत लम्बा संघर्ष किया है। हमारे कार्यकर्ताओं ने सारी दिल्ली की जनता ने बहुत ही लम्बा संघर्ष किया है और जब ये संघर्ष करते थे मैं हमेशा सोचता था। मेरे को फैज साहब की दो पंक्तियां याद आती हैं। ''दिल नाउम्मीद नहीं नाकाम ही तो है, माना लम्बी है गम की शाम मगर शाम ही तो है।'' हमने 27 साल इंतजार किया। 27 साल के बाद में हमको ये मौका मिला है। दिल्ली में केवल कमल ही नहीं खिला, दिल्ली में एक नया सूरज निकला है। ये सरकार अनगिनत लोगों के परिश्रम का परिणाम है। ये सरकार हमारे प्रधानमंत्री के सुशासन का और उनके दृढ़संकल्प का नतीजा है। ये सरकार पार्टी के वरिष्ठ नेताओं की मेहनत का फल है। ये सरकार बीजेपी के जो लाखों कार्यकर्ता हैं उनके खून पसीनों का नतीजा है। ये सरकार आरएसएस के विचारों और मार्गदर्शन का नतीजा है। ये सरकार हमारी प्रतिबद्धता और हमारे समर्पण का नतीजा है। आदरणीय अध्यक्ष जी दिल्ली की समस्या केवल दिल्ली की समस्या नहीं हो सकती। दिल्ली की समस्या देश की समस्या है। क्योंकि दिल्ली में यहां पर पार्लियामेंट भी है। यहां पर राष्ट्रपति महोदय जी का निवास भी है। यहां पर उपराष्ट्रपति महोदय जी का भी निवास है। यहां पर सुप्रीम कोर्ट भी है। आर्मी हेड क्वार्टर भी है। यहां पर सीबीआई हैडक्वॉटर भी है। यहां पर इलैक्शन कमिशन भी है। यहां पर सारी

एम्बेसीज भी हैं। नीति आयोग भी है। ना जाने कितनी कॉन्सिटिट्युशन्ल बॉडीज यहां पर दिल्ली में रहती हैं इसलिए दिल्ली को हमको दुनिया की सर्वश्रेष्ठ राजधानियों में उसमें शामिल करना। इसलिए दिल्ली की समस्या केवल दिल्ली की समस्या नहीं है, दिल्ली की समस्या देश की समस्या है। हम दिल्ली की छवि को क्या सुनते हैं। सारे दिल्ली की जनता क्या चर्चा करती है, खराब मौसम है, खराब हवा है, पोल्युशन है, सारी टूटी सड़कें हैं, गंदा पानी है, सारी सीवर लाईन टूटी हुई हैं, ये दिल्ली की चर्चा करते हैं। आज जहां पर हैदराबाद को आईटी हब के रूप में जाना जाता है, महाराष्ट्र को फाइनेंशियल हब के रूप में जाना जाता है, बैंगलोर को स्टार्टअप हब के रूप में जाना जाता है, मगर दिल्ली को मोस्ट पोल्युटेड सिटी के रूप में जाना जाता है। दिल्ली में इतना कल्चरल है, दिल्ली में इतना हैरिटेज है, हम दिल्ली को एक अच्छा कल्चर हैरिटेज सिटी बना सकते हैं। हमें भी दिल्ली को देश की, मैं दुनिया की बात नहीं करता मगर देश की सबसे सुंदर सिटी के साथ में लाकर खड़ा करेंगे ये हमारी सरकार का जो है दृढ़संकल्प है। अध्यक्ष जी, दिल्ली का अपमान वो भी केवल दिल्ली का अपमान नहीं है वो भी देश का अपमान है। अगर दिल्ली में कोई भ्रष्टाचार करता है तो उसकी छवि पूरे देश में जाती है। अगर दिल्ली का मुख्यमंत्री अगर वो जेल में जाता है तो केवल दिल्ली की नहीं सारी दुनिया के अखबारों में छपता है कि भारत की राजधानी का मुख्यमंत्री जेल में गया है। सारी कैबिनेट एक-एक कर

कर जेल में जाती रही। यहां पर बोर्ड लगते थे चुनाव में दिल्ली में फिर लायेंगे केजरीवाल और वहीं तिहाड़ जेल के बाहर में भी बोर्ड लगता था फिर आयेंगे केजरीवाल। वो दिन दूर नहीं है मगर इससे दिल्ली की सुन्दरता को कोई अच्छी बात नहीं है। इससे कोई चार चांद नहीं लगे। जो लोग दिल्ली का यहां पर ईमानदारी का ठेकेदार बनकर आये थे, जो अन्ना आन्दोलन में ईमानदारी की यहां पर ताल ठोककर आये थे आज वही लोग तिहाड़ में जाते हैं। उनकी पूरी कैबिनेट तिहाड़ में जाती है। ऐसी जो यहां पर सरकार चली है उससे दिल्ली की जो हमारी दिशा थी, हमारी दशा थी, हमारा नाम था उसमें बहुत ज्यादा हमको झटका लगा है। वो कहते थे दिल्ली को पैरिस बनायेंगे। हम ऐसा नहीं कहते। हम कहते हैं दिल्ली को धर्मराज युधिष्ठिर का इंद्रप्रस्थ बनायेंगे। एक समय होता था जब भारत वर्ल्ड लीडर होता था। हमारा उद्योग, हमारी संस्कृति, हमारा लिटरेचर, हमारा विज्ञान, हमारी कला दुनिया में जाती थी और दुनिया उससे सीखती थी। जैसे-जैसे हमारे ऊपर में आक्रमण होता गया हम अपनी संस्कृति को भूल गए। हम अपनी सारी पुरानी बातों को भूल गए। वो लोग ये भी कहते थे कि लंदन बनायेंगे। वो बात अलग है कि लंदन बनाते-बनाते कब उन्होंने शराब के ठेके बनाने लग गए और वो लंदन बनाना भूल गए। स्कूल के बाहर शराब के ठेके, कॉलेज के बाहर शराब के ठेके और यहां तक कि शीशमहल में भी बार बना हुआ है अध्यक्ष जी। शीशमहल के अंदर भी मुख्यमंत्री ने दिल्ली के टैक्सपेयर के पैसे से जब मैं आया सुबह

अध्यक्ष जी तो मैंने नीचे ड्रॉ में देखा ये पैन पड़ा हुआ था। ये जो वो अपनी शर्ट के ऊपर लगाकर घूमते थे वो इसी चेयर पर ही बैठते थे शायद अपना पैन भूल गए। मैं आपको दूंगा बाद में उनके पास पहुंचा दीजिएगा। वो ये पैन लगाते थे शर्ट के ऊपर में पांच रूपए का और आप उनका महल देखेंगे अगर तो आपको लगेगा दुबई के शेख का एक ऐसा महल है। हम जब गए सबसे पहले हमारी सरकार बनी मुख्यमंत्री जी ने अपने दरवाजे खोले कार्यालय के सारी मीडिया वहां पर आई और सारी मीडिया ने कहा तीन साल में पहली बार आये हैं। वहां के कर्मचारियों ने बोला तीन साल में अंदर पहली बार देखा है। हमारे आठों विधायक जो थे उन्होंने कहा तीन साल में पहली बार अंदर घुसे हैं। यानि मुख्यमंत्री का कार्यालय जिसमें करोड़ों रूपया लगा हुआ है वो व्यक्ति ये 5 रूपए का रिनोल्ड का पैन लगाकर और अपनी शर्ट का बटन जो है टेड़ा-मेड़ा बंद कर कर और वो इतना करोड़ों रूपया खर्च करता था। कोई शर्म नहीं बची और वो अपने आप को क्या नहीं किया उसने। किस-किस को नहीं बेचा। बच्चों की झूठी कसम तो खाई-खाई हमारी मां यमुना की भी झूठी कसम खाई तो खाई मगर चुनाव के दिन में 5 तारीख को वो व्यक्ति ने अपने मां-बाप को भी नहीं छोड़ा। उनके पिता जी तो चलते फिरते आदमी है और हमें एक चैनल ने बताया कि जब व्हील चेयर पर उनको लेकर जा रहे थे तो उससे दस मिनट पहले ही उन्होंने एक चैनल को इंटरव्यू दिया। केजरीवाल अपने मां-बाप को भी मार्केटिंग करने से भी नहीं छोड़ता है। वो उनको व्हील चेयर पर लेकर गया ताकि उनको सिम्पेथी

मिले। अरे सड़कें बना दी होतीं, सीवर लाइन ठीक कर दी होती, नाले साफ कर दिये होते, यमुना साफ कर दी होती तो ये सारे झूठी कसमें, झूठे ये सारी मार्केटिंग ये करने की जरूरत नहीं पड़ती। ये शीशमहल बनाना और ऐसा आलीशान ऑफिस बनाना और ऐसी महंगी-महंगी गाड़ियों में घूमना और ये प्राइवेट चार्टर में घूमना। अगर व्यक्ति, मैं जब गया था हमारी माननीय मुख्यमंत्री जी के दफ्तर में बैठा वहां पर तो मैं 5 मिनट के बाद में मेरा मन किया कि मैं उठकर चला जाऊं। क्योंकि मुझे लगा कि जो इस कमरे इतने अच्छे दफ्तर में बैठेगा वो तो दिल्ली की सड़कों पर जा ही नहीं सकेगा। क्या जरूरत थी ऐसे महल बनाने की मेरे को समझ नहीं आता। दिल्ली का विकास पिछले दस साल में होर्डिंग पर चढ़ गया था। दिल्ली पर नहीं था, सड़कों पर नहीं था होर्डिंग पर चढ़ गया था। होर्डिंग से सड़क पर नहीं उतरने का नाम ले रहा था कि सड़क पर उतर जाओ भाई। वो कह रहा नहीं होर्डिंग पर ठीक हूँ। 500 करोड़ रूपया होर्डिंग, 500 करोड़ रूपया विज्ञापन, 500 करोड़ रूपया चैनल, 500 करोड़ रूपया अखबार। नीचे नहीं आ रहा था। ये हमारी सरकार का संकल्प है कि उसको होर्डिंग से उतारकर सड़क पर लेके आयेंगे। दिल्ली की सड़कों पर विकास दिखाई देगा। जब मैं केजरीवाल जी को देखता था और सोचता था क्योंकि मैंने मेरे पिताजी को भी देखा, मैंने हमारे स्वर्गीय मदनलाल खुराना जी को भी देखा। मैंने स्वर्गीय हमारी दिल्ली की पूर्व मुख्यमंत्री श्रीमती सुषमा स्वराज जी को भी देखा। ये सारे नेताओं को देखने के बाद में

जब मैं केजरीवाल जी को देखता था तो मुझे दो पंक्ति याद आती थीं।

''क्षण भर का है जीवन क्यों इतना गुमान है।

झण भर का है जीवन क्यों इतना गुमान है,

ना लाया था कुछ ना ले जायेगा कुछ,

किस बात का अभिमान है।''

क्या अभिमान था। आप आये दिल्ली की जनता की सेवा करने, सेवा करते, काम करते। दिल्ली के लोगों के सारे कोविड चल रहा था तो कोविड में कहीं नहीं जाना। दिल्ली के लोग मर रहे थे कहीं नहीं जाना, अपने शीशमहल में बैठे रहना। ऐसे दिल्ली का अध्यक्ष जी विकास नहीं हो पाता। भाजपा की सरकार ये सबकी सरकार है। हम सारी पॉलिटीकल पार्टीज को सुनते आते थे चुनाव में और पहली बार मैंने देखा इस चुनाव में दो महीना केजरीवाल जी ने पूरी दिल्ली को धर्म में बांट दिया, जातों में बांट दिया, प्रांतों में बांट दिया। जाटों को आरक्षण देना है या अपना सिखों की बात करनी है। अंबेडकर जी के विषय उठाने हैं। पूरे दिल्ली को राजपूत, मैं बनिया हूँ, ये जाट है, ये जो है दलित है ये फलानां है, अरे हम कुछ नहीं हैं, हम दिल्लीवासी हैं। हमें दिल्ली का विकास चाहिए। ये सरकार, हमारी सरकार और मैं गर्व के साथ कह सकता हूं अध्यक्ष जी हमारी सरकार सभी की सरकार है। चाहे वो गरीब है, चाहे अमीर है, चाहे वो किसान है, चाहे वो

पिछड़ा हुआ है, चाहे वो झुग्गी में रहने वाला है, चाहे वो कोई लोअर क्लास है या मिडिल क्लास है या अपर क्लास है, चाहे बुजुर्ग है, चाहे महिला है, चाहे बेरोजगार है, चाहे विद्यार्थी है, हमारी भारतीय जनता पार्टी की सरकार, दिल्ली की सरकार, ये जन-जन की सरकार है, दिल्ली के एक-एक व्यक्ति की सरकार है। हम जहां पर जरूरतमंदों के लिए सोशल वेलफेयर स्कीम भी लेकर आएंगे, उसी के साथ-साथ एस्पिरेशनल दिल्ली के लिए हम बहुत सारी योजनाएं भी लेकर आएंगे। हमने कहा और ये प्रधानमंत्री जी ने कहा कि 2500 रुपये महिलाओं को मिलेगा, तो 2500 रुपये महिलाओं को मिलेगा। ये प्रधानमंत्री जी ने कहा और भारतीय जनता पार्टी के मेनिफेस्टो में हमने लिखा कि दिल्ली के जरूरमंद लोगों के, उनके घरों में होली-दिवाली पर एक फ्री का सिलेंडर आयेगा और पूरे साल 500 रुपये का सिलेंडर मिलेगा, ये भारतीय जनता पार्टी ने कहा है तो इसको दुनिया की कोई ताकत होने से रोक नहीं सकती। हम झुग्गी बस्ती में शौचालय भी बनाएंगे। आज मैं देखता हूं अनिल शर्मा जी के वहां पर इतनी झुग्गियां हैं और मैं समझता हूं सारे सदस्यों के यहां पर इतनी झुग्गियां हैं और आप भी देखते होंगे और आपको ये जानकार हैरानी होगी कि नई दिल्ली विधान सभा, जो मैंने सारी बातें बताई, पार्लियामेंट भी है, उप-राष्ट्रपति जी भी रहते हैं, प्रधानमंत्री जी भी रहते हैं, राष्ट्रपति जी भी रहते हैं, एम्बेसी भी है, वो नई दिल्ली विधान सभा, वहां पर 24 झुग्गी बस्तियां हैं, वहां पर 16 धोबी घाट हैं और वहां पर अध्यक्ष जी

500-500 लोगों के लिए केवल 2 शौचालय हैं। आप सोचिए सुबह 4.00 बजे, 5.00 बजे सर्दी के समय में औरतें, 500 में से 250 औरतें, वो दो शौचालयों को क्या करते होंगे, ये मुख्यमंत्री को कभी चिंता नहीं होती थी, वो शीशमहल में लेटा रहता था।

सारे लोग मर रहे थे, सारे लोग मर रहे थे। और तो और अध्यक्ष जी जब मैं एक बार, हमारे यहां पर बंगाली कैम्प है, जब मैं बंगाली कैम्प में गया और मैं बताना चाहता हूं, एक वहां पर विधवा बहन मिली, जिनका नाम था मोनी दास। वो मेरे को मोनी दास, हमारी बहन ये बोली कि बेटा मेरे दो बेटे थे और एक बेटा था रवि दास, एक बेटा था मनोज दास और उनकी उम्र 37 साल और 31 साल और जो है रवि दास के दो बच्चे थे, पीयूष दास और वैभव दास जोकि 5 और 6 साल के बच्चे हैं। उनके दोनों बेटे, जो विधवा माता है उनके दोनों बेटे शराब पॉलिसी में ज्यादा शराब पीने लग गए और दोनों बेटों ने शराब पॉलिसी में शराब के चक्कर में दोनों ने दम तोड़ दिया। आज वो महिला अकेली है। और वहीं एक मेरे यहां पर झुग्गी बस्ती है प्रिंसिस पार्क, वहां पर दलित समाज की एक वहां पर महिला है बरखा मेहरोलिया। उनकी उम्र मात्र 36 साल है, हसबैंड थे संदीप महरोलिया 39 साल के, दो बच्चे हैं, 14 साल, 12 साल के। वो भी, उन्होनें भी शराब इतनी पी, इतनी पी क्योंकि अरविंद केजरीवाल कह रहा था मैं नौकरी नहीं दूंगा, मैं काम नहीं करूंगा, शराब पीओ, एक बोतल के बदले में एक बोतल दो, और उसका पति भी मर गया। ये

केवल 2-3 महिलाओं की कहानी नहीं है, आपके क्षेत्रों में भी वहां पर सैकड़ों ऐसी महिलाएं मिलेगी, दिल्ली की हजारों ऐसी महिलाएं मिलेगी जिनके परिवार में उनके बच्चों ने, उनके बाप ने, उनके हसबैंड ने दम तोड़ दिया शराब पी-पीकर केवल अरविंद केजरीवाल की पॉलिसी के चक्कर में।

इसलिए हमारी सरकार कहती है कि अगर हम सारी झुग्गी-बस्तियों में शौचालय भी बनाएंगे तो दिल्ली में मेट्रो का विस्तार भी करेंगे। हम हमारी संस्कृति को मजबूत करेंगे। कल मुझे बहुत अच्छा लगा, कुछ हमारे सदस्यों ने अपने-अपने क्षेत्रों का नाम बदलने की बात करी, बहुत अच्छी बात है। ये नाम बदलना कोई विकास नहीं रोकता है, ये नाम बदलना हमारी संस्कृति को वापस लेकर आता है। हमारी संस्कृति जो देश में अतिक्रमण करने वाले मुगलों ने अपने पैरों से रौंद दी थी उसको भी वापस लेकर आता है। नाम बिल्कुल बदलेंगे मगर नाम के साथ में काम भी करेंगे। हम अपनी संस्कृति को भी मजबूत करेंगे तो अर्थव्यवस्था को भी मजबूत करेंगे। हम दिल्ली का हित भी देखेंगे और देश का हित भी देखेंगे।

अध्यक्ष जी, ये लोग कहते थे कि पढ़ाकू सरकार देंगे। पढ़ाकू तो नहीं दी, लड़ाकू सरकार दे दी। पूरा दिन लड़ते रहते थे। मेरे को लगता है कि सुबह चाय की प्याली बाद में पीते होंगे, पहले सुबह उठकर ये सोचते होंगे आज किसके ऊपर में भ्रष्टाचार का आरोप लगाना है, कैसे भ्रष्टाचार करना है, किससे लड़ाई करनी है, कौन से विज्ञापन देने हैं, क्या झूठ बोलने हैं, किससे झगड़ा करना

है, कैसे पी.एम. साहब को गाली देनी है, कैसे एल.जी. साहब को गाली देनी है, वो ये सोचते होंगे।

ये बहुत ही बड़ी विडम्बना रही दिल्ली की कि हमको दिल्ली में एक ऐसी सरकार मिली, क्योंकि मैं पीडब्लूडी मंत्री हूं, तो मैं उसी भाषा में यहां पर कहना चाहता हूं और मैं देख रहा था जो यहां पर 280 में 2 दिन से सारे सदस्य बोल रहे थे वो ज्यादातर मेरे मंत्रालय के बारे में ही कह रहे थे। तो मैं पीडब्लूडी मंत्री होने के नाते उसी भाषा में कहना चाहता हूं कि दिल्ली के विकास का हाईवे, ये जो आपदा की सरकार ने दिल्ली के विकास के हाईवे में इतने सारे यू-टर्न लगा दिए थे और इतने सारे खड्डे उसमें बना दिए थे कि सारी विकास की गति को ब्रेक लगा दी। लेकिन हम सुपर-48, हम सारे सुपर-48 मोदी जी के नेतृत्व में और हमारी मुख्यमंत्री जी के नेतृत्व में विकास का ऐसा एक्सप्रेसवे बनाएंगे जहां पर कोई यू-टर्न नहीं होगा, जहां पर कोई खड्डा नहीं होगा, जहां पर कोई यू-टर्न नहीं होगा, कोई खड्डा नहीं होगा केवल विकसित भारत का सपना होगा और विकसित दिल्ली का सपना होगा और विकास हमारा full acceleration पर होगा।

अध्यक्ष जी, एक तरफ जहां पर हमारी केंद्र सरकार ने दिल्ली में द्वारका में मैं जहां से सांसद था, 26 हजार करोड़ रुपये का इंटरनेशनल कन्वेंशन सेंटर बनाया। नेशनल वॉर म्यूजियम बनाया। दिल्ली की लाखों महिलाओं के लिए 'उज्जवला योजना' लेकर आए।

दिल्ली में, आप तो अध्यक्ष जी अच्छी तरीके से जानते होंगे दिल्ली की राजनीति। पिछली कई सरकारें दिल्ली की अनॉथराइज्ड कॉलोनी पर लड़ती रही। शीला दीक्षित जी ने छत्रसाल स्टेडियम में झूठे सर्टिफिकेट बांटे थे। मगर जिस दिन प्रधानमंत्री जी ने इस समस्या को समझा, ऐसे सॉल्व कर दिया जैसे कोई समस्या ही नहीं थी। दिल्ली की सारी अनॉथराइज्ड कॉलोनी को एक ही झटके में 'पीएम उदय योजना' में पास कर दिया, सबके मालिकाना हक मिल गए, ये छोटी बात नहीं थी। कल मैंने सुना था मोहन सिंह बिष्ट जी को, वो कह रहे थे कि हमारे उस समय के मुख्यमंत्री-डॉक्टर साहिब सिंह वर्मा जी हाई कोर्ट में गए थे जनता का वकील बनकर और वहां पर उन्होंने दिल्ली की अनॉथराइज्ड कॉलोनी को तोड़फोड़ से बचाया था, वहां पर दिल्ली की जनता के लिए लड़ाई लड़ी थी मगर जब हमारे प्रधानमंत्री जी ने उनको मालिकाना हक दे दिया, रजिस्ट्री करवा दी तो जीवनभर के लिए उनके ऊपर से तलवार हट गई, आज वो अपनी चैन की सांस ले सकते हैं। एक तरफ जहां प्रधानमंत्री जी इतनी सौगातें दे रहे हैं दिल्ली को और वहीं दूसरी तरफ केजरीवाल जी क्या करते थे, शराब घोटाला करते थे, क्लासरूम घोटाला करते थे, मोहल्ला क्लीनिक घोटाला करते थे और तो और यमुना सफाई घोटाला करते थे, विज्ञापन घोटाला करते थे मगर ये सारे घोटालों की जांच कराई जाएगी और मुझे लगता है कि केजरीवाल जी इस जन्म में तिहाड़ जेल से तो बाहर नहीं आ पाएंगे।

अध्यक्ष जी, साथ ही अभी सुबह भी एक हमारे सदस्य ने ये मामला उठाया था, जैसे 2014 में मोदी सरकार बनी थी और देश में जो राशन कार्ड के नाम पर फर्जी घोटाला चल रहा था, झूठे-झूठे नामों के ऊपर में और ऐसे ही दिल्ली में बांग्लादेशी रोहिंग्या के नामों पर ये अरविंद केजरीवाल की सरकार ने इतने राशन कार्ड बना दिए थे कि दिल्ली पुसिल भी उनको बाहर नहीं कर सकती थी। मैं ये भी यहां पर कहना चाहता हूं कि हमारी सरकार दिल्ली में एक तरफ तो राशन कार्ड नए रूप में बनाएंगी मगर पुराने राशन कार्ड की भी जांच होगी, अगर किसी बांग्लादेशी रोहिंग्या का राशन कार्ड होगा तो उसके ऊपर भी कार्रवाई होगी।

अध्यक्ष जी, एक तरफ अरविंद केजरीवाल की सरकार का फोकस था कि उनके शीशमहल में अच्छी जकूजी लगे जिसमें 36-36 उसमें नलके हों। मगर हमारी सरकार का, भारतीय जनता पार्टी की सरकार का मुख्यमंत्री जी के नेतृत्व में फोकस रहेगा कि हर घर में साफ पानी आए नल से। एक तरफ अरविंद केजरीवाल की सरकार का फोकस था कि दिल्ली में शराब के ठेके खोल दिए जाए, हमारी सरकार का फोकस होगा कि दिल्ली में हर बेरोजगार को रोजगार मिले। एक तरफ अरविंद केजरीवाल ने अपने शीशमहल में गोल्ड प्लेटिड टॉयलेट सीट लगाई, हमारी सरकार का ये फोकस होगा कि हर झुग्गी बस्ती में पर्याप्त मात्रा में शौचालय बने। एक तरफ अरविंद केजरीवाल का फोकस था मोदी जी को गाली दो, एल.जी. साहब को गाली दो, पुलिस कमिश्नर को गाली

दो, सांसदों को गाली दो, हमारी सरकार का फोकस होगा विकास, विकास और विकास। एक तरफ अरविंद केजरीवाल का फोकस था कि विज्ञापनों में फोटो लगवाओ बड़े-बड़े, बड़े-बड़े फोटो लगाओ, झूठ बोलो, हमारी सरकार का फोकस होगा कि ऐसे काम करेंगे कि दिल्ली की जनता के दिल में अपनी फोटो लगाएंगे। एक तरफ अरविंद केजरीवाल की सरकार का फोकस था भ्रष्टाचार करना, हमारी सरकार का फोकस होगा सुशासन करना, पारदर्शी सरकार चलाना।

अध्यक्ष जी, मैं बस अपनी बात खत्म करूंगा। मेरे साथ वाली कुर्सी पर एक इंसान इस सदन में खड़ा होकर वो अपने आपको खुदा मानने का ऐसा दावा करता था और यहां पर कश्मीरी हिंदुओं को गाली देने का काम करता था और उसके पीछे की कुर्सियों में लोग हंसा करते थे कश्मीरी हिंदुओं की हत्या के ऊपर। और वो कहता था कि कौन है एल.जी, क्या है एल.जी., कहां से आया एल.जी। आज वो हमको संविधान की बातें बता रहे हैं। मैं इसके ऊपर में 2 पंक्तियां कहना चाहता हूं-

''ये दिल्ली इतिहास की वो बिसात है,
हिल गया जहां मुगलों का तख्त औरमिट गई अंग्रेजों की हुकूमत,
वहां उनके कोड़ियों के गुमान की क्या औकात है
मोदी जी के नेतृत्व में ये दिल्ली फिर चमकेगी,
अब बस कुछ समय की बात है।''

और सारी भाजपा की गारंटियां पूरी होंगी, भाजपा द्वारा की गई, हमारी मेनिफेस्टों में लिखी हुई एक-एक गारंटी पूरी होंगी क्योंकि ये भाजपा की गारंटी है, मोदी जी की गारंटी है और मोदी जी की गारंटी ही है गारंटी पूरा होने की गारंटी। मैं इसी बात के साथ में मैं ये रेनॉल्ड का पेन आपको देता हूं, आप जो है उन तक पहुंचा दीजिएगा। और मैं एल.जी. साहब का बहुत-बहुत हमारे सभी साथियों की तरफ से दिल से आभार व्यक्त करता हूं। बहुत-बहुत धन्यवाद।

माननीय अध्यक्षः श्री अनिल शर्मा।

श्री अनिल कुमार शर्माः मैं आदरणीय अध्यक्ष जी आपका बहुत धन्यवाद करना चाहता हूं जो आपने मुझे माननीय उप-राज्यपाल के अभिभाषण पर धन्यवाद प्रस्ताव पर बोलने का जो मौका दिया उसके लिए मैं आभार प्रकट करता हूं। अभी आदरणीय पीडब्लूडी मंत्री जो साथ-साथ जल मंत्री भी हैं, प्रवेश जी ने बहुत डिटेल में सारी बातचीत हम सबके सामने रखी है, मैं उसी में कुछ चीजें जोड़ता हुआ अपनी बातें आगे रखना चाहता हूं। आदरणीय अध्यक्ष जी, जो माननीय उप-राज्यपाल साहब ने हमारी सरकार का, हमारी आदरणीय मुख्यमंत्री महोदया का जो आने वाला समय में जो काम होगा, जो माननीय उप-राज्यपाल साहब के अभिभाषण में जो चीजें लिखी गई हैं, 'विकसित दिल्ली'। जो अभी तक दिल्ली एक ऐसा शहर है जिसको हम 'मिनी इंडिया' मानते हैं, जिसके अंदर पूरे देश के लोग आकर रहते हैं। पूरे देश के लोग यहां पर, चाहे वो नौकरी के नाम से रहते हैं, अलग-अलग काम से आते हैं परंतु

दिल्ली जो अभी तक 'विकसित दिल्ली' नहीं थी। दिल्ली के अंदर हम देखते थे कि 10 साल से जिनकी सरकार थी, जो बड़ी-बड़ी बातें यहां पर करते थे, जो अपने आपको दिल्ली का मालिक यहां पर आकर इस सदन में बोलते थे, परंतु दिल्ली का मालिक होने का मतलब होता है दिल्ली का विकास करना, परंतु उन्होंने दिल्ली का विकास नहीं किया। हमारी जो ये सरकार बनी है, हमारी आदरणीय मुख्यमंत्री जी के नेतृत्व में, हमारे सभी मंत्रीगण माननीय मोदी जी के दिशा-निर्देश पर आज पूरी दिल्ली के अंदर विकास और विकास और विकास करेंगे, ये बात मैं दिल्ली की जनता के सामने कहना चाहता हूं। हमारा संकल्प है, 'सबका साथ, सबका विकास, सबका विश्वास और सबका प्रयास,' इस एजेंडे पर दिल्ली आगे काम करेगी, दिल्ली चलेगी। परंतु केजरीवाल जी जो पूर्व में मुख्यमंत्री रहे हैं उन्होंने दिल्ली के लोगों को जब सरकार बनने से पहले उन्होंने एक सपना दिखाया, एक झूठा सपना दिखाया कि मैं इस दिल्ली में अलग राजनीति करूंगा और वो अलग राजनीति लोगों ने सोचा शायद ये विकास की अलग राजनीति करेंगे और उन्होंने अलग राजनीति सच में करी, लोगों के सोचने से उल्टी राजनीति करी। उन्होंने कहा कि मैं जनलोकपाल बिल लाऊंगा, जनलोकपाल बिल तो लाएं नहीं उल्टा सीएजी की रिपोर्ट भी 10 साल तक इस सदन में नहीं रखी, ऐसे मुख्यमंत्री रहे हैं दिल्ली में, जो आज तक न सुने न देखे गए कहीं। जब वो सीएजी की रिपोर्ट कल पेश हुई, दो दिन पहले, शराब घोटाला सामने आया। भारतीय जनता पार्टी

इस मुद्दे को जगह-जगह पर उठाती थी और वो शराब घोटाला इतना बड़ा घोटाला था जो 2 हजार करोड़ का समझते थे वो 2 हजार करोड़ से भी ज्यादा का घोटाला निकला, जिसकी आपने कमेटी बनाने का फैसला किया है और तीन महीने में उसकी रिपोर्ट भी सामने आएगी। आज दूसरी रिपोर्ट स्वास्थ्य की यहां पर रखी गई, उसके अंदर भी कितनी अनियमितताएं हैं, कितने ज्यादा घोटाले किए गए हैं, उसकी भी जब जांच होगी उसके ऊपर भी यहां कमेटी बनेगी और हमारे सभी सदस्यगण सोमवार को उस पर चर्चा करेंगे तो वो भी दिल्ली की जनता के सामने आएगी। इनको करना ये होता था, एक मोहल्ला क्लीनिक एक इलाके में खुलता था जिसके अंदर डॉक्टर तो होते नहीं थे, बाहर बड़ी-बड़ी फोटो केजरीवाल की होती थी और मोहल्ला क्लीनिक का बोर्ड होता था, उसका जो अखबार में एड आती थी माननीय अध्यक्ष जी मैं बताना चाहता हूं वो दिल्ली के अखबारों में ही नहीं पूरे देश के अखबारों में उसकी एड आती थी कि एक मोहल्ला क्लीनिक आज कहीं खुला है और वो मोहल्ला क्लीनिक के अंदर ना डॉक्टर है, ना दवाई। जब कोरोना काल आया तो वो मोहल्ला क्लीनिक कहां बंद हो गए थे। उस मोहल्ला क्लीनिक के अंदर डॉक्टर नहीं था, दवाई नहीं थी वहां टैस्ट नहीं होते थे, वहां कुछ नहीं होता था और येअपने आपको दिल्ली का मालिक कहने वाला मुख्यमंत्री उस टाइम में क्या कर रहा था? कोरोना काल के अंदर इसका फर्ज बनता था कि दिल्ली की जनता को अस्पतालों में इलाज की व्यवस्था करे,

लोगों के खाने की व्यवस्था करे। परन्तु इसने हाथ खड़े कर दिये, इसने कहा कि मैं दिल्ली की कोई सेवा नहीं कर सकता, मेरे हाथ में कुछ चीजें नहीं है। अरे जब तेरे हाथ में नहीं है तो दिल्ली का मालिक होने का दावा करता था और वो अपने घर में शीशमहल बनाने का काम करने लगा, शराब घोटाले का काम करने लगा। शराब की पोलिसी अगर कहीं बनी है तो ये कोरोना काल में बनी है, इस बात का दु:ख पूरे दिल्ली की जनता को है और वो ही दु:ख इस दिल्ली की जनता ने अभी वोट के माध्यम से दिखाया और इनको 62 से 22 कर दिया अध्यक्ष जी मैं आपके माध्यम से ये बताना चाहता हूं। साथ ही ये ऐसा धोखेबाज व्यक्ति है जिसने अन्ना हजारे को धोखा दिया, जिसने अपने घर में, अपनी ही सांसद को स्वाति मालीवाल जी को पिटवाया, अपने ही पीए से पिटवाया। इतना गलत काम ये करने वाला व्यक्ति जिसने हर जगह पर हमेशा अपने बच्चों की झूठी कसम खाकर काम करने वाला व्यक्ति और जिसका अभी जिक्र भी किया था आदरणीय प्रवेश जी ने, अरे हम भी अपने सब कपड़े पहनते हैं, देश के सब लोग पहनते हैं, अपने साइज के लोग पहनते हैं कपड़े। वो जानबूझ के अध्यक्ष जी मैं कहना चाहता हूं, वो कपड़ा 40 की अगर शर्ट है तो 44 की शर्ट पहनता था जिससे लोगों को लगे की ये शायद इसके पास नहीं होगी, गरीब है। अरे तूने जो शीशमहल बनाया, जो शीशमहल का पर्दाफाश भारतीय जनता पार्टी ने किया और तेरे शराब घोटाले में जो करोड़ रुपए तूने खाए वो शर्ट भी चली गई और सब चीजें दिल्ली

की जनता ने अलग कर दी। साथ-साथ मैं बताना चाहता हूं आपको कि खाली शराब घोटाला और शीशमहल घोटाला ही नहीं किया, अध्यक्ष जी घंटी बज गई क्या, अध्यक्ष जी अभी तो शुरू भी नहीं किया।

माननीय अध्यक्षः अभी बहुत सारे वक्ता हैं।

श्री अनिल कुमार शर्माः अध्यक्ष जी मुझे पता नहीं, दो-तीन मिनट तो और बोलने देना मुझे लगा कि प्रवेश जी ने काफी लम्बा बोला हमें भी दो मिनट सर, बस ज्यादा नहीं। सर मेरे को लगा 10 मिनट हमें भी मिलेंगे, कोई बात नहीं माननीय अध्यक्ष जी मैं दो-तीन मिनट में बात समाप्त करूंगा। मैं माननीय अध्यक्ष जी आपके माध्यम से ये और बात दिल्ली की जनता के सामने रखना चाहता हूं कि जो मैनिफैस्टो भारतीय जनता पार्टी ने दिया है, जो माननीय उपराज्यपाल साहब ने जिसका जिक्र किया है, हमारी माननीय मुख्यमंत्री जी जो अभी सदन में यहां पर बोलेंगी भी और जो उन्होंने संकल्प भी लिया मीडिया के सामने आने वाले समय में चाहे वो 2500 रुपए की बात हो, चाहे पहली कैबिनेट के अंदर आयुष्मान योजना पास करने की बात हो जो हमने वादा किया था हर गरीब व्यक्ति को फ्री में इलाज मिलेगा, मैं बधाई देना चाहता हूं, अपनी नई सरकार को, आते ही उन्होंने उस वादे को पूरा किया है और हर व्यक्ति को 10 लाख रुपए का फ्री का इलाज मिलेगा ये बहुत बड़ा काम किया है। साथ ही जो अटल कैंटीन का वादा किया हर झुग्गीबस्ती के अंदर वो भी जरूर पूरा करेंगे और वहां पर

हर गरीब व्यक्ति को 5 रुपए में खाना भी मिलेगा, गैस का सिलेंडर भी फ्री मिलेगा और साथ ही खासकर जो मेरे जैसे इलाके में जहां झुग्गी बस्तियॉं ज्यादा हैं मैं उन सब लोगों को विश्वास दिलाना चाहता हूं हमारी सरकार वहां पर हर झुग्गीबस्ती में टॉयलेट की व्यवस्था करेगी, वहां पानी की व्यवस्था करेगी और अध्यक्ष जी मैं आपके माध्यम से कहना चाहता हूं, आरकेपुरम के अंदर ये चुनाव से थोड़े दिन पहले ही शराब की दुकानें ऐसी जगह पर खुली हैं, सैक्टर-8 के अंदर वहां दो कदम पर ही स्कूल है, चार कदम पर ही वहां पर मंदिर है, सैक्टर-12 के अंदर शराब की दुकान खुली है वहां पर भी स्कूल है, मंदिर है, डीडीए फ्लैट के अंदर मुनिरका डीडीए फ्लैट में भी शराब की दुकान खुली है उन सब शराब की दुकानों को हमें बंद करना है, मैं आपके माध्यम से कहना चाहता हूं। वहां रिहायशी इलाका है, स्कूल के बच्चे वहीं से निकलते हैं, वहीं पर मंदिर है और इन्होंने शराब की दुकानें ऐसी-ऐसी जगह खोली है, ये इनके घोटाले हैं, वो मैं आपसे निवेदन करना चाहता हूं, आने वाले समय में वो भी जरूर बंद होने का आपने प्रयास करना है। मेरे पास लिखकर के तो मैं बहुत चीज लाया था, पर आपने मुझे बोलने का अवसर दिया उसके लिए मैं आपका धन्यवाद करता हूं, भारत माता की जय।

माननीय अध्यक्षः धन्यवाद। श्री पवन शर्मा।

श्री पवन शर्माः आदरणीय अध्यक्ष जी उपराज्यपाल के अभिभाषण पर आपने मुझे बोलने का मौका दिया मैं आपका हृदय की गहराइयों

से अभिनंदन करता हूं। आज दिल्ली जिस चुनौती से गुजर रही है, 10 वर्षों का शासन काल जिस प्रकार से दिल्ली के लोगों ने पीने का पानी, सीवर की समस्याएं अनेक प्रकार की चुनौतियों का सामना जिस प्रकार से कर रहे हैं, उसके कारण से हर व्यक्ति अपने आपको बहुत चुनौतियों से घिरा महसूस कर रहे हैं, लेकिन हम लोगों का सौभाग्य है कि हमारे उपराज्यपाल जी के माध्यम से हम लोगों के सामने आने वाले समय का जो रोडमैप रखा गया है, एक आशा और नए विश्वास के साथ में दिल्ली का विकास किस प्रकार से होगा, आदरणीय मुख्यमंत्री के माध्यम से जिन चीजों को लेकर उल्लेख किया गया है, दिल्ली के विकास में अनेक प्रकार की योजनाओं को उसके साथ में जोड़ा जाएगा, मैं उनको भी इसमें धन्यवाद करता चाहता हूं और इस सदन में सभी मेरे मित्रों का जिन लोगों ने लगातार दिल्ली की इन चुनौतियों को किस प्रकार से पूरा करने का जो संकल्प है, बार-बार दोहराने का जो काम किया है, अभी हमारे जो पीडब्ल्यूडी मंत्री बोल रहे थे मैं उनका भी उल्लेख करना चाहता हूं कि उनके सामने पीडब्ल्यूडी के साथ-साथ में जल की भी एक व्यवस्था का उनके पास में डिपार्टमेंट है, जो दिल्ली के लोगों के साथ बहुत ही इस समय अनेक प्रकार की कठिनाइयों और चुनौतियों का सामना करना पड़ रहा है। हर पीने वाले पानी के साथ में गटर का पानी और उसे साथ में अनेक प्रकार की समस्याओं को लेकर हर व्यक्ति बीमारी की ओर जा रहा है। मैं निवेदन करना चाहता हूं कि आने वाले समय में इस प्रकार

की जो परिस्थिति हैं उनको आगे लेकर जाने के लिए हम लोगों को अनेक प्रकार की योजनाओं के साथ में आगे बढ़ना पड़ेगा। जो पिछली सरकार के माध्यम से अनेक प्रकार के संकट पैदा किए हैं और उन्होंने अपने आपको अनेक चीजों के साथ में जोड़कर हर दिल्ली के काम को रोककर भ्रष्टाचार में अनेक शब्दों के साथ उन्होंने शराब की नीति को बनाकर दिल्ली को स्कूल के साथ में, मंदिर के साथ में, गुरुद्वारा के साथ में उनके नशे में जो धकेलने का काम किया है उसको किस प्रकार से दिल्ली के लोगों को इस नशे से दूर करने का जो काम है, हम सब लोगों को उस दिशा को लेकर जाना पड़ेगा। देश के यशस्वी प्रधानमंत्री आदरणीय नरेंद्र मोदी जी के माध्यम से उन्होंने जिस प्रकार से कहा के महिलाओं के उत्थान के लिए जिस प्रकार की योजनाएं बनाई है और हमने जिस प्रकार की लोगों के सामने ये गारंटी दी है कि आने वाले समय में जो महिलाएं हैं उन महिलाओं को 2500 रुपये देने का जो देने का जो काम है उसके साथ-साथ में हमारे जो बहुत जिनकी उम्र 70 साल है, उनको 10 लाख रुपए तक का इलाज करने का जो काम है ये अतिशीघ्रता के साथ में लोगों को देने का जो वचन हम लोगों ने दिया है उसकी ओर आगे बढ़ने का जो काम है हम लोग इसको करेंगे। हमारी सरकार गरीब से गरीब किसान, मजदूर जितने भी लोग हैं उन लोगों के साथ में, उनके बच्चे अच्छे स्कूलों पढ़ पाएं, शिक्षा की अच्छी व्यवस्था हो जाए, पीने का पानी की अच्छी व्यवस्था हो जाए और सीवर की व्यवस्था

हो जाए, सड़कों का निर्माण हो जाए। इन सब चीजों को लेकर आगे बढ़ने का काम करेंगे। हमारी सरकार के सब वर्ग के लोगों के साथ में जिस प्रकार की चीजों को लेकर आगे बढ़ने का जो काम है, उससे सारी माताओं-बहनों को भरोसे और विश्वास के साथ में हम ये आगे इस वचन का दोहराना चाहते हैं कि जिन बातों का हमने अपने संकल्पपत्र में जिन चीजों को दोहराया है उन सारे चीजों को पूरा करने का हम काम करेंगे और दिल्ली में जो विकसित दिल्ली का जो एक हमारे बीच में एक ऐसा भरोसा और विश्वास के साथ में की दिल्ली में अनेक प्रकार की योजनाओं को लेकर जो 10 सालों में इन सारे कामों को रोककर खड़ा किया गया है, उन सारे कामों को पूरा करने का काम करेंगे और पंडित दीनदयाल उपाध्याय जी का जो वचन है कि अंतिम पंक्ति पर खड़ा हुआ जो व्यक्ति है उस सम्पूर्ण चीजों को पूरा करने का जो संकल्प है, दिल्ली का हर व्यक्ति को रोजगार देने का काम करेंगे और उसके साथ-साथ में उनके बच्चों को पीने का पानी, पीने के पानी के साथ में अच्छी सड़कों का निर्माण और हैल्थ की व्यवस्थाओं के साथ में उनकी जीवन को सुधारने का जो काम है वो भारतीय जनता पार्टी करेगी और मैं जिस क्षेत्र से जीतकर आता हूं उसमें 145 कॉलोनियॉं इस प्रकार के जो अनअप्रूड कॉलोनियॉं हैं। जिनकी हालात इस प्रकार के हैं कि जहां पर अनेक प्रकार की समस्याओं से वो ग्रस्त है, पीने का पानी से लेकर और सीवर की व्यवस्थाओं से अनेक प्रकार की चीजों के साथ में जुड़ा हुआ है। लेकिन जिस

प्रकार से उपराज्यपाल साहब ने हम लोगों के सामने आने वाले समय में दिल्ली का किस प्रकार का मॉडल होगा और दिल्ली देश की कितना सुंदर शहर होगा, उस बात का उल्लेख किया है, मैं इस भरोसे के साथ में कह सकता हूं कि हम शीशमहल नहीं बनाएंगे हम आने, जो दिल्ली के हमारे नागरिक हैं उन नागरिकों के बसने का और उन नागरिकों की सेवा करने का और नागरिकों को जो इस प्रकार का आदरणीय प्रधानमंत्री गरीब कल्याण योजना के माध्यम से जो उनको अनाज मिलता है उसके राशन के कारण से ये 10 साल से जिस प्रकार के जो लोग वंचित है और जिन लोगों को जिनका दिल्ली के साथ में किसी प्रकार का रिश्ता नहीं है, देश के साथ में किसी प्रकार का रिश्ता नहीं है, इन 10 वर्षों में दिल्ली को उन लोगों को लेकर आने का, बसाने का जो काम किया गया है उन ऐसे सारे लोगों को चिन्हित कर-कर मैं सरकार से आप जिस कुर्सी के ऊपर बैठे हैं मैं आपसे निवेदन करना चाहता हूं, अध्यक्ष जी ऐसे लोगों को चिंहित करना चाहिए सरकार को कि जल्दी से जल्दी उन लोगों की पहचान करनी चाहिए और जो देश को कमजोर करना चाहते हैं, ऐसे लोगों को देश से बाहर निकालकर और इस देश में हर नागरिक को सुरक्षा मिलनी चाहिए इस प्रकार का आपसे निवेदन करना चाहता हूं। हम हर प्रकार से लोगों की सेवा के साथ में इस बात के लिए वचनबद्ध हैं, मैं आपको एक बात कहकर अपनी बात को समाप्त करना चाहता हूं। आज दिल्ली का जिस क्षेत्र में मैं रहता हूं उसमें मैं एक घर में

गया और जाने के बाद उसकी मां, एक बच्चे की मां मेरे लिपट कर मेरे साथ रोनी लगी और मैंने कहा की भईया मैं इसको क्या करूं, एक महिला को बुलाया मैंने उसको दूर किया, तो मैंने पूछा के बहन क्या है तो उन्होंने कहा कि भाई मेरी बेटी की शादी हुई थी और मेरी बेटी जब अपने घर में एक बार वापस दामाद के साथ में आई और वो जब भोजन करने लगे तो गटर का जो पानी था, जो सीवर का पानी था उसने बैक मारा और वो लैट्रिन का पानी उसके घर में आ गया और वो मेरी बेटी को छोड़कर चला गया। ये 10 साल का जो, जिस प्रकार का केजरीवाल ने दिल्ली के हालात पैदा किए है, पीने के पानी से जो वंचित किया है, जगह-जगह जो सड़कें टूटी हुई पड़ी है लेकिन मैं इस सरकार के माध्यम से और जिस प्रकार से हमारे आदरणीय मंत्री जी ने जिस प्रकार का वचन दिया है और उपराज्यपाल जी का हम लोगों ने, जिस प्रकार वक्तव्य किया मैं धन्यवाद देना चाहता हूं कि आने वाले समय में विकसित दिल्ली होगी, जिस प्रकार का विकसित भारत और विकसित दिल्ली का जो हम लोगों ने सपना देखा है, हम 3-4 महीने में, मेरे को लगता है कि जब बरसात के दिन हैं, अभी से हम उन नालों के बारे में विचार करना चाहिए, पीने के पानी की किस प्रकार से व्यवस्था हो सकती है, उस ओर जाना चाहिए। तो मैं इतना निवेदन करना चाहता हूं कि हमारे उपराज्यपाल जी के भाषण के साथ में मैं अपनी इस बात को जोड़कर माननीय मुख्यमंत्री जी का धन्यवाद करना चाहता हूं कि आपने मुझे इस समय बोलने का मौका दिया आपका बहुत-बहुत धन्यवाद।

माननीय अध्यक्षः श्री कुलदीप सोलंकी।

श्री कुलदीप सोलंकीः धन्यवाद भाई साहब, सुस्ती सी आ रखी थी दो-तीन दिन हो गए हैं, सुस्ती सी आ रखी थी कि 280 में भी नम्बर नहीं आ रहा और बोल नहीं पा रहे थे, दो दिन से बैठे हुए सबका सुन रहे थे सारी बातों को लेकर, आपका बहुत-बहुत धन्यवाद अध्यक्ष जी। एलजी साहब के अभिभाषण प्रस्ताव पर आपने बोलने की अनुमति दी उसका मैं धन्यवाद करता हूं। अभिभाषण पर आदरणीय हमारे यशस्वी प्रधानमंत्री जी नरेंद्र मोदी जी के सपनों का जो विकसित दिल्ली, खुशहाल दिल्ली का ब्लूप्रिंट हमारे बीच में आया है, वो देखने का भी मिला हमें, ऐसे ही एलजी साहब ने हमारी पार्टी द्वारा प्रस्तुत संकल्प पत्र 'विकसित दिल्ली' शब्दों का संग्रह नहीं है अपितु भ्रष्टाचार मुक्त दिल्ली बनाने की दिशा में एक अहम कदम है। बहन रेखा गुप्ता जी के कुशल नेतृत्व में हमारी सरकार की पहली कैबिनेट बैठक में आयुष्मान भारत योजना को लागू करना एक ऐतिहासिक फैसला रहा। सीएजी की रिपोर्ट जो दिल्ली के लोगों को जानकारी मिले, ये सबसे बड़ा फैसला हमारी पार्टी ने लिया, सरकार ने लिया। मैं मुख्यमंत्री जी रेखा गुप्ता जी, मंत्रिमंडल के सभी सदस्यों को बधाई देता हूं। अध्यक्ष महोदय अभिभाषण पर स्पष्ट है कि बहन रेखा गुप्ता जी के कुशल नेतृत्व में हमारी सरकार पारदर्शी व जनता के प्रति जवाबदेही वाली सरकार होगी, भ्रष्टाचार के लिए इसमें कोई जगह नहीं होगी। हमारी सरकार मोदी जी के मूल मंत्र सबका साथ सबका विकास, सबका साथ

लेकर दिल्ली के प्रत्येक जन-जन की सेवा के लिए कटिबद्ध होगी जिसकी शुरूआत सौ दिवसीय प्लान में हो चुकी है। अध्यक्ष महोदय आज दिल्ली के नागरिक हर तरह से आजादी, दिल्ली के लोग हैं बड़ी उमंग है उन लोगों में। एक ये है एके-48 की टीम जो कैबिनेट है उनसे बड़ी उम्मीद भरी देख रहे हैं ओम प्रकाश जी अक उनको आजादी मिलने वाली है कूड़े के ढ़ेर से, उम्मीद लगा रखी है उन लोगों ने आप लोगों से, उनको आजादी मिलने वाली है गंदे पानी से, उनको आजादी मिलने वाली है टूटी सड़कों से, उनको आजादी मिलने वाली है, प्रदूषण से। हर गरीब मॉ-बहन को जो प्रोग्राम बनाया है कि 2500 रुपया महीना हम देंगे गर्भवती बहन को 21000 रुपए देंगे, उससे बहुत ज्यादा महिला सशक्तीकरण की दिशा में मील का पत्थर साबित होगा। अभिभाषण में जल आपूर्ति, विश्वस्तरीय सड़कें, स्वच्छ दिल्ली, प्रदूषण मुक्त यमुना जैसे अहम मुद्दों पर दिल्ली के तस्वीर बदलने वाली है। मैं पूरी तरह से संतुष्ट हूं इस बात से लेकर की हमारी जो ब्लूप्रिंट तैयार हुआ है अब वो दिल्ली के लोगों तक जाएगा। इसके साथ ही मैं एक बात और कहना चाहूंगा, अक पिछले 10-12 साल से एक कट्टर ईमानदार, भ्रष्टाचारी लोग यहां बैठे थे उन्होंने पूरी दिल्ली में किसी को नहीं बक्शा, कोई ऐसा नहीं है कि भई किसी को उसने ठगा नहीं। उसमें एक ओम प्रकाश जी आप लोग तो रहे इसमें, उन्होंने अपनों को भी, जब उसको ये लगा अक मैं जेल में जाने वाला हूं, पता लग जाता है हर आदमी को। उसने सबसे पहले अपने पीडब्ल्यूडी

मंत्री सत्येंद्र जैन जी को भेजा था जेल में, जाओ जी देखो बिल्डिंग कैसी है मजबूत है, सफेदी हो रखी है, पोल्यूशन क्या है, क्या नहीं है। जब उन्होंने कहा हाँ जी ठीक है, तो अपने स्वास्थ्य मंत्री को बुला लिया। उन्होंने सो-कॉल्ड शराब माफिया मनीष सिसौदिया जी, अब ये देखो दवाई दउई, मसाज वसाज सैन्टर, वेंटर ठीक है कि नहीं है । जब उसने भी ओके किया तब उन्होंने कहा सर जी अब आप भी आ जाओ। तो कितने दिन रह के आया जी जेल में? तो ऐसे भ्रष्टाचारी लोगों को दिल्ली ने बहुत बढ़िया थप्पड़ मारा है और वो दोबारा आने की उम्मीद नहीं रखेगें। धन्यवाद प्रस्ताव के माध्यम से मैं अपनी विधानसभा की तरफ भी आपका ध्यान करूंगा जो पिछली भ्रष्टाचार और चोर आपदा सरकार ने दस साल के शासनकाल में विधानसभा में अधिकृत अधिकांश इलाकों में नरक में तबदील कर दिया। सीवर, बिजली, रोड़, पानी इन सबको लेकर, अब ये इंतजार कर रही है पब्लिक कि हम कब से काम शुरू करेंगे। इसलिए मेरा तो ये निवेदन है अक जितना जल्दी हो सौ दिन का ब्लू प्रिंट है उसको तैयार करके हम लोगों के बीच में जाएं और जो हमारी बातें हैं वो रखें। मुझे पूरा विश्वास है कि मुख्यमंत्री बहन रेखा गुप्ता दिशा निर्देश मंत्रीमंडल के साथियों के सहयोग से मैं अपनी विधानसभा को एक आदर्श विधानसभा बनाने की कोशिश करूंगा। एलजी साहब के अभिभाषण में शामिल महत्वपूर्ण विषय है जैसे यमुना की सफाई, अच्छी शिक्षा व्यवस्था, मैडिकल व्यवस्था, अटल कैंटीन बुजुर्गों की बढ़ी हुई पेंशन आदि की ओर एक दिशा बदलने वाली है। मैं धन्यवाद करूंगा आप सब का भी

अक ये आने वाला जो समय है एक नागरिक के जीवन में स्वर्णमय युग की शुरूआत हो गई। बहुत बहुत धन्यवाद।

माननीय अध्यक्षः श्री मोहन सिंह बिष्ट। सभी सदस्यों से मेरा अनुरोध है कि समय की सीमा का ध्यान रखें और वक्तव्य को समय की सीमा में बाधें। संक्षिप्त रखें।

श्री मोहन सिंह बिष्टः आदरणीय अध्यक्ष जी, माननीय उपराज्यपाल महोदय के अभिभाषण पर आपने मुझे बोलने का मौका दिया। मैं आपका आभार प्रकट करता हूं। अध्यक्ष महोदय, सबसे पहले मैं अपनी मुख्यमंत्री और मंत्रीमडल के मंत्रीगण एवं नवनिर्वाचित विधानसभा के सदस्यों का अपनी ओर से हार्दिक अभिनंदन करता हूं। धन्यवाद करता हूं। अध्यक्ष जी, ये भी सत्य है कि सबसे पहले तो आभार आदरणीय प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी जी का जिन्होंने दिल्ली की जनता ने उन पर विश्वास जताते हुए एक ही बात उनके मन के अंदर थी मोदी है तो मुमकिन है। इसके आधार पर दिल्ली के अंदर हम सब लोग जीत कर के आये। अध्यक्ष महोदय, ये भी सत्य है कि आठवीं विधान सभा के इस उद्घाटन सत्र के चुनाव के सफल एवं शांतिपूर्ण आयोजन के लिये मैं अपनी ओर से, अपनी मुख्यमंत्री जी की ओर से, मंत्री मंडल के सभी सदस्यों की ओर से मैं अधिकारियों का भी अभिनंदन करता हूं, धन्यवाद भी करता हूं । अध्यक्ष जी, दिल्ली की जनता ने भारतीय जनता पार्टी द्वारा दिल्ली के सर्वांगीण विकास हेतु जो संकल्प पत्र पेश किया वो माननीय उप-राज्यपाल महोदय के संकल्प पत्र तो दिल्ली के आने वाली

कैसी मेरी दिल्ली हो, उसमें गीता की तरह है, गीता के समान अपना विश्वास प्रकट किया है। अध्यक्ष जी, भारतीय जनता पार्टी को जनादेश देकर दिल्ली की सेवा का अवसर प्रदान किया है। मुझे आशा ही नहीं, पूर्ण रूप से विश्वास है कि मेरी सरकार, हमारी सरकार पारदर्शिता, जवाबदेही, सुशासन प्रदान करने के लिये गीता की तरह संकल्प के साथ रहेगी जिसमें भ्रष्टचार का कोई स्थान नहीं होगा, ये मैं आपको विश्वास दिलाना चाहता हूं। अध्यक्ष जी, मेरे प्रधान मंत्री मोदी जी ने एक ही वाक्य के उपर पूरे देश के अंदर एक ऐसा मैसेज दिया और करके दिखाया सबका साथ सबका विकास सबका विश्वास सबका प्रयास और सबका सम्मान वाले मूल मंत्र से दिल्ली की जनता को भरोसा जताया। मैं उनके इस विश्वास में हम सब लोग चाहे मेरे मंत्रिमंडल के सदस्य हों, मेरी मुख्यमंत्री हों, हम सब में हम खरा उतरने का प्रयास करेंगे ये मैं आपके माध्यम से कहना चाहता हूं। मुझे पूर्ण रूप से विश्वास है कि मेरी सरकार, हमारी सरकार भ्रष्टाचार मुक्त कुशल प्रशासन, नारियों के सम्मान की और गरीबों के कल्याण की योजनाओं के साथ स्वास्थ्य एवं शिक्षा, सेवाओं के ढांचागत सुधार के लिये सड़क, परिवहन, स्वच्छ जल एवं प्रदूषण मुक्त दिल्ली के और यमुना नदी का पुर्नरूद्धार जैसे कल्याणकारी योजनाओं के लिये भी हम सब लोग प्रतिबद्ध हैं। मैं पुनः इस बार अपनी ओर से और सदन के सभी सदस्यों को मैं हार्दिक शुभकामनायें देते हुए हम अपनी मुख्यमंत्री जी के नेतृत्व में दिल्ली को विकसित दिल्ली बनायेंगे। माननीय प्रधानमंत्री

जी के संकल्प को पूरा करेंगे, इसमे हमारा पूरा योगदान रहेगा। आपने समय दिया, बहुत बहुत धन्यवाद, नमस्कार।

माननीय अध्यक्षः डॉ. अनिल गोयल।

डॉ. अनिल गोयलः अध्यक्ष जी, बहुत-बहुत धन्यवाद। कई दिन के बाद आज आपने मौका दिया तो थोड़ा टाइम मुझे दो तीन मिनट दे देना सर।

माननीय अध्यक्षः दो तीन मिनट ही मिलेगें, दो तीन मिनट ही मिलेगें।

डॉ. अनिल गोयलः राष्ट्रीय राजधानी क्षेत्र दिल्ली की आठवीं विधानसभा के प्रथम सत्र में उपराज्यपाल महोदय के अभिभाषण पर धन्यवाद प्रस्तुत करने का अवसर मिला ये मेरे लिए ऐतिहासिक अवसर है। पहली बार किसी विधानसभा में बोल रहा हूं तो इसलिए मेरे लिए यह ऐतिहासिक अवसर है।

माननीय अध्यक्षः एक बार सब लोग डॉक्टर साहब के लिए उत्साह वर्धन करें।

डॉ. अनिल गोयलः इस अवसर पर मैं माननीय मुख्यमंत्री रेखा गुप्ता जी, उनकी पूरी मंत्री परिषद को भी हश्दय से आभार प्रगट करता हूं और मैं उन 48 एमएलए और खासतौर से 32 जो ूर्स्ट टाइमर्स हैं उनको भी बहुत-बहुत बधाई धन्यवाद देना चाहता हूं और वो जो 16 एमएलए कोशिश हमारा हेंड होल्डिंग करेगें ऐसा मेरा पूरा

विश्वास है जो 32 लोगों का वो 16 जो सीनियर एमएलए हैं वो इनकी होल्डिंग करेंगें क्यूंकि हम सबने मिलकर एक सपना देखा-

''मुश्किलें हजार आई

लेकिन वह मंजर बड़ा खूबसूरत है

जब कामयाबी ने शोर मचाई।''

तो आज वो कामयाबी शोर मचा रही है क्योंकि एक विचारधारा की ये विजय हुई है जो प्रचंड और ऐतिहासिक जीत है। ये विचारधारा थी एक पोजीटिव सोच की, एक सकारात्मक सोच की, दिल्ली के विकास की, युवा कल्याण की, महिला सम्मान की, ये विचारधारा थी सड़कें, सीवर, पानी को व्यवस्था ठीक करने के लिए चुनाव में दिल्ली में अगर चुनाव में बात होती है सड़के, सीवर की तो ये बड़े अजीब लगता था लेकिन ये हुआ और जिस तरह से मुख्यमंत्री जी और उनकी पूरी कैबिनेट इस दिशा में दिशा निर्देश पहले दिन से ही एक्टिव हुए हैं कि जो सड़क पानी है अगर चाहिए तो आपको हमारे को बोरवैल दीजिए, लीकेज प्वाईंटस दीजिए, नाले की सफाई के दीजिए। इन्होंने इमरजैंसी इलाज शुरू कर दिया है इसके बाद इलैक्टिव इलाज भी होगा। इमरजैंसी इलाज के बाद इलैक्टिव होगा कि गंगा का पानी आएगा इस तरह से वो काम शुरू होगें तो एक ऐसे व्यक्ति जो झूठ पर आधारित सारी राजनीति थी दिल्ली को कूड़े की राजधानी बनाया, मुझे लगता है जनता ने उसको कूड़े के डस्टबीन में डाल दिया है। जो अपशब्द बोलते हैं

प्रधानमंत्री मोदी जी के लिए, मैं उपराज्यपाल जी को कोट करना चाहता हूं जो किसी को छोटा बोलता है वो या तो उसको दूर से देख रहा है या उसको गरूर से देख रहा है ऐसे अहंकारियों को, ओम प्रकाश शर्मा जी, उन्होंने डस्टबीन में फेंक दिया। अहंकार की कोई आवश्यकता नहीं है अगर हम जनता के बीच में हैं। ये सरकार 'कोऑपरेटिव एंड कंपटिटिव फेडरलिज्म के सिद्धांतों के आधार पर केंद्र और अन्य राज्यों के साथ काम करेगी और ये समन्वय बहुत जरूरी था जब हम जमीन पर जाते हैं ट्रीपल इंजन की सरकार देखते हैं तो हमारे सांसद हैं मेरे पूर्वी दिल्ली से आता हूं हर्ष मल्होत्रा जी और नीचे चारों पार्षद कृष्णा नगर विधानसभा में हमारे हैं तो वो ट्रिपल इंजन की सरकार कितनी तेज गति से काम कर रही है वो मुझे दिखाई देता है जब मैं डूसिब के टॉयलेट्स देखता हूं और उनमें माननीय अध्यक्ष जी के साथ भी एक बार मैं गया उस टॉयलेट्स में अंदर घुस नहीं सकते वहां के दरवाजे महिलाओं के दरवाजे वो टूटे हुए दरवाजे हैं। वहां पर सरकारी अस्पताल चाचा नेहरू अस्पताल है जब उसमें उसके सामने खड़ा हुआ अस्पताल 2021-22 में है 800 करोड़ रुपये वेस्ट हुए और उसके बाद वो बनना बंद हुआ तो उसको दर्द होता है कि 800 करोड़ रुपये का भी क्या हुआ वो वहां धूल धूसरित है, वहां औजार जंग खा रहे हैं और आपको विश्वास नहीं होगा वहां एक हॉल है उसको आईसीयू के नाम पर वो आईसीयू हो ही नहीं सकता वो आईसीयू हो ही नहीं सकता। वो एक इस तरह है जैसे

कि किसी रेलवे प्लेटफार्म का एक डिब्बा हो इस तरह के उन्होंने बनाए हैं। ये इस तरह का मंजर हमने अस्पतालों में देखा। जिन्होंने झूठे वादों की लंबी फेरहिस्त मुफत की राजनीति के नाम पर वोट बैंक की तिजोरी शिक्षा और स्वास्थ्य के नाम पर भ्रमित करने का काम और भ्रष्टाचार की अंधी सुरंग जिसमें घोटाले ही घोटाले थे लेकिन माननीय अध्यक्ष जी अब तस्वीर बदल चुकी है क्योंकि माननीय उपराज्यपाल जी ने कहा गरीबी को बनाए रखना तथा यथास्थिति को कायम रखना किसी भी सरकार की नीति नहीं हो सकती पर "perpetuation of poverty and maintenance of status quo cannot be a matter of State Policy." तो अब माननीय अध्यक्ष जी, माननीय रेखा गुप्ता जी के नेतृत्व में ये समय आया है कि इस सोच के साथ हम बढ़ रहे हैं कि विकास कागजों पर नहीं जमीन पर होगा और हर वर्ग को इसका फायदा मिलेगा। इस विश्वास पर जनता का विश्वास शामिल है जिसमें आयुष्मान योजना चालू हुई, जिसमें कि माननीय एलजी ने कहा 2500 रूप्ये महिलाओं को दिए जाएगें और जिस तरह से सीएजी रिपोर्ट पहली बैठक में आई तो हमने दिखा दिया कि भीमराव अंबेडकर जी का चित्र के पीछे खड़े होने वाले वो लोग वो लोग थे झूठे लोग हैं अगर उन्होंने करना था तो सीएजी रिपोर्ट लानी थी जो हर साल लानी होती है। इलाज के लिये लोगों को दर-दर नहीं भटकना पड़ता, आप देखिये एक बैड पर दो मैं तो डॉक्टर हूं इसलिये ज्यादा जानता हूं एक बैड पर दो मरीज हैं, सीटी स्कैन मशीन खराब है, इमरजेंसी में वेंटिलेटर नहीं

हैं, एम्बुलेंस में लोग सड़कों पर मरे जा रहे हैं, ये मैंने नहीं दिल्ली हाईकोर्ट ने कहा, सीएजी रिपोर्ट ने कहा। ये क्यूं ऐसा हुआ, कोई डाक्टर नहीं, कोई दवाईयां नहीं, फर्जी दवाईयां और सिर्फ और सिर्फ स्वास्थ्य नीति के नाम पर राजनीति। तो मैं ऐसी जो आम आदमी पार्टी के लोगों को आपने निकाल कर नियम कानून भी पढ़ाये, मैंने कहीं कहा कि इन्होंने तो किताब भी नहीं पढ़ी रूल बुक, इनको यही नहीं पता कि परिसर का क्या डेफिनिशन है, परिसर का मतलब है विधान सभा के परिसर जिसका कि आउटर पेरिफियरी भी उसमें शामिल है। ये उनको पता ही नहीं था। अब आप मुझे बताईये मोहल्ला क्लिनिक में अगर थर्मामीटर नहीं है, बीपी इंस्ट्रूमेंट नहीं है तो वो कैसी स्वास्थ्य व्यवस्था। यह तो सिर्फ शुरूआत है आने वाले समय में माननीय अध्यक्ष जी, और मुख्यमंत्री रेखा गुप्ता जी और बहुत सारे घोटाले खोलने वाली है। दिल्ली की जनता को ये जानने का अधिकार है कि क्यों उनकी मेहनत की कमाई गलत हाथों में जाती रही, क्यों गरीबों को उनका हक नहीं मिला, क्यों विकास सिर्फ पोस्टर और विज्ञापन में रह गया। माननीय प्रवेश वर्मा जी ने कहा कि अब टाइम आ गया है कि वो विज्ञापनों से, पोस्टरों से नीचे आयें। अब विज्ञापन की राजनीति नहीं चलेगी अब चाहिये भ्रष्टाचार मुक्त कुशल प्रशासन, सशक्त नारी, गरीब कल्याण, स्वास्थ्य सुविधा में सुधार, उत्कृष्ट शिक्षा व्यवस्था, विश्व स्तरीय सड़क परिवहन, स्वच्छ हवा पानी। आप सोचिये की हवा और पानी तक ठीक नहीं है। यमुना नदी पुनरूद्धार, जहां झुग्गी वहां मकान,

किफायती आवास, अनधिकृत कालोनी का। दिल्ली को देश की सबसे सुरक्षित और आधुनिक नगर बनाना है ये हम सब का दायित्व है अध्यक्ष जी और हम सब इसको पूरा करेंगे। हर युवा को रोजगार देना है। कुछ थोड़ा सा अपनी कृष्णा नगर विधान सभा के बारे में जरूर बताना चाहता हूं। सीवर सड़क पानी हर विधायक ने बताया लेकिन राशन कार्ड में जरूर बढ़ोतरी की आवश्यकता है, राशन कार्ड के केवाईसी अपडेट की बहुत जरूरी आवश्यकता है। विधवा पेंशन, बुजुर्ग पेंशन की बहुत आवश्यकता है, ड्यूसिब के शौचालय में अध्यक्ष जी आप भी गये हैं तो वहां पर हमारे 6 ड्यूसिब के शौचालय हैं और वो बिल्कुल गंदे पड़े हैं, तीन लोगों की ड्यूटी है तो वहां एक लोग नहीं होता। इस तरह का ड्यूसिब का वहां के ओल्ड एज होम हैं बहुत बुरी व्यवस्था है, उनकी बहुत सारी खाली पड़ी हैं जहां पर ट्रेनिंग और स्किल सेंटर खोल सकते हैं, स्कूलों में 70-80 बच्चे हैं, वो सब जानते हैं तीस-चालीस परसेंट स्टाफ नहीं है, ये सब, पाईप लाईन पानी की पाईप लाईन बदलनी हैं, सो गरीब कल्याण की जितनी नीतियां हैं वो सारी दोबारा से शुरू करने की जरूरत है। दिल्ली की जनता ने इस जनादेश के माध्यम से स्पष्ट संदेश दिया है, यह जनादेश विकसित दिल्ली के लिये है, ये जनादेश सुशासन के लिये है, ये जनादेश आप पर, हम पर विश्वास के लिये है और आप जब जाते हैं अपने क्षेत्र में तो जिस तरह से खास तौर से झुग्गी पालक अभियान की भी बात करना चाहता हूं जिसका मैं पालक रहा 12 बूथ का, आज हम लोग पिछले एक

साल में सिर्फ काम किये और उनकी समस्या शिक्षा, स्वास्थ्य को देखा। आज जाता हूं तो कम से कम 50 महिलायें आसपास आशा भरी नजरों से देखती हैं कि हमारी गरीबी को ये बेहतर करेंगे, हमारी सड़कों को ये बेहतर करेंगे, हमारे घरों को बेहतर करेंगे

(समय की घंटी)

डॉ. अनिल गोयल: हम सब मिलकर दिल्ली की विश्व स्तरीय राजधानी बनायें, ये मेरा विश्वास है। सिर्फ आओ ओम प्रकाश जी, अध्यक्ष जी, सिर्फ आपको:

''आओ फिर से दीया जलायें,

भरी दोपहरी में अंधियारा,

अंतरतम का नेह निचोड़ें

बुझी हुई बाती जलायें

आओ फिर से दीया जलायें।''

तो आज हम लोग फिर से दिया जलाने आये हैं, दिल्ली में विकास का दीया जलाने आये हैं। माननीय अध्यक्ष जी, मैं पुनः मुख्यमंत्री जी को उनकी पूरी टीम को, माननीय उप राज्यपाल जी के अभिभाषण पर धन्यवाद प्रेषित करता हूं और इस लोकतांत्रिक सदन में दिल्ली की जनता की सेवा करने का संकल्प दोहराता हूं, जय हिंद, जय भारत।

माननीय अध्यक्ष: श्री उमंग बजाज।

श्री उमंग बजाज: आदरणीय अध्यक्ष जी, मैं सबसे पहले आप सभी का धन्यवाद करना चाहूंगा माननीय मुख्यमंत्री जी का, सभी सम्मानित साथियों का। ये मेरा पहला अवसर है कि मैं इतने पवित्र स्थान पर बोल रहा हूं, आप सभी का धन्यवाद। आदरणीय अध्यक्ष जी, माननीय उप राज्यपाल जी के विकसित दिल्ली के विजन को लेकर जो अभिभाषण उन्होंने दिया मैं उसका समर्थन करता हूं, उनका धन्यवाद करता हूं। माननीय अध्यक्ष जी, उन्होंने अपने अभिभाषण में यशस्वी प्रधानमंत्री जी के मंत्र सबका साथ, सबका विकास, सबका विश्वास, सबका प्रयास के मूल मंत्र की जो सरकार को दिशा दी ये हमारी दिल्ली के लिये बहुत महत्वपूर्ण रहेगी और हम इससे अपनी दिल्ली की काया पलट कर पायेंगे। अध्यक्ष जी, माननीय उपराज्यपाल जी ने दस क्षेत्रों में विशेषकर के ध्यान दिया है जोकि बहुत महत्वपूर्ण क्षेत्र थे जोकि पिछले 11 साल में उन पर जो कार्य होने चाहिये थे और जो ध्यान देना चाहिये था वो नहीं दिया क्यूंकि इस आपदा वाली सरकार ने सिवाय अपनी जेब गर्म करने के उन महत्वपूर्ण विषयों पर ध्यान नहीं दिया तभी आज दिल्ली की हालत बद से बदतर हो चुकी है। पर मेरे को पूर्ण विश्वास है कि माननीय मुख्यमंत्री जी के मार्गदर्शन से और सबके सहयोग से हम जो दस विषय हैं इन पर ध्यान देंगे और विकसित दिल्ली और सुनहरी दिल्ली का जो सपना है उसको पूरा करेंगे ताकि देशभर से जब लोग दिल्ली आयें तो दिल्ली को एक

डवलपमेंट और इंफ्रास्ट्रक्चर का मॉडल बता पायें, हम इतनी मेहनत करेंगे और अपने सारे कार्य करके दिल्ली का विकास पूरा करेंगे। मैं माननीय उप राज्यपाल जी का धन्यवाद करना चाहूंगा उनके अभिभाषण पर और आपका धन्यवाद करना चाहूंगा कि आपने मुझे बोलने का मौका दिया, जय हिंद, जय भारत।

माननीय अध्यक्षः श्री रवि कांत।

श्री रवि कांतः बहुत-बहुत धन्यवाद आदरणीय अध्यक्ष जी जो आपने मुझे एलजी साहब के अभिभाषण में बोलने का अवसर दिया, मेरे लिये इस पावन, पवित्र जो हमारा संविधान का जो एक मंदिर है, जिस मंदिर में हम सब लोग खड़े होकर आज सब अभिभाषण के लिये आये हैं उसके लिये मैं एलजी साहब के अभिभाषण के साथ-साथ आपका भी धन्यवाद करना चाहूंगा। उससे पहले मैं बताना चाहता हूं कि मैं अनुसूचित वर्ग से आता हूं। महार्षि वाल्मिकी भगवान ने जो रामायण के रचयिता हैं, त्रिकालदर्शी हैं उनका मैं जयघोष करने के साथ-साथ बाबा साहब भीमराव अम्बेडकर जी जिन्होंने संविधान की रचना करी, जिस प्रकार एक शरीर के अंदर आत्मा होती है वो शरीर की आत्मा में अपना इस शरीर के अंदर जो आत्मा होती है उसमें संचार होता है उसी प्रकार देश के संविधान में जो ऊर्जा भरने का काम किया वो बाबा साहब भीमराव अम्बेडकर जी ने कहा, बाबा साहब भीमराव अम्बेडकर अमर रहें। माननीय अध्यक्ष जी और हमारे सभी सम्माननीय सदस्यगण दिल्ली विधानसभा 2025 के सभी नवनिर्वाचित हमारे सीनियर, वरिष्ठ विधायकगण

इस पवित्र सदन में आप सभी का मैं अभिवादन करता हूं सादर प्रणाम करता हूं। साथ ही हमारे देश के संविधान, संवैधानिक लोकतांत्रिक मूल्यों तथा आदर्श परम्पराओं के प्रति अपना सादर भाव व्यक्त करता हूं। हमारी सरकार विनम्रतापूर्वक जनादेश को स्वीकार करते हुये महात्मा गाँधी जी के सर्वोदय, पंडित दीनदयाल उपाध्याय जी के अंत्योदय और बाबा साहब भीमराव अम्बेडकर जी के समता के सिद्धांतों के प्रति प्रतिबद्ध है। माननीय प्रधानमंत्री जी का सबका साथ सबका विकास सबका विश्वास सबका प्रयास और सबका सम्मान ये हमारा मूलमंत्र होगा इस दिल्ली को विकसित दिल्ली बनाने के लिये। हमारी सरकार जनता की बढ़ती उम्मीदों और आकांक्षाओं के प्रति पूरी तरह सचेत है। चाहे वो भ्रष्टाचार मुक्त कुशल प्रशासन हो चाहे वो सशक्त नारी हो गरीब कल्याण हो, स्वास्थ्य सुविधाओं में सुधार हो, चाहे वो उत्कृष्ट शिक्षा व्यवस्था हो, स्वच्छ जल हो, यमुना नदी का पुर्नरूद्धार हो, स्वच्छ प्रदुषण और प्रदुषणमुक्त दिल्ली हो उन संकल्पों के लिये मेरी सरकार, हमारी सरकार प्रतिबद्ध है। एक तरफ ये अरविंद केजरीवाल नामक जो अपने आपको बाबा साहब के अनुयायी मानते हैं मैं बताना चाहता हूं अध्यक्ष जी एक फोटो मैं आपके बीच में दिखाना चाहूंगा कि अरविंद केजरीवाल के धर्मपत्नी जी जब अरविंद केजरीवाल काले कारनामे करके जेल में गये थे तो उन्होंने देखिये किस प्रकार से शहीद भगतसिंह और बाबा साहब के बीच में अपने आपको स्थान दिया, ये बाबा साहब और शहीद भगतसिंह जी का अपमान उन्होंने

किया उनसे बड़ा अपने आपको मानने वाले बाबा साहब का अनुयायी कहते हैं साथ-साथ जिस अन्ना आंदोलन से ये लोग निकलकर आये उस अन्ना आंदोलन में इन्होंने कहा आपने देखा होगा एक सफेद टोपी में काले रंग के अक्षरों में लिखते हैं मुझे स्वराज चाहिये, स्वंय का राज करके बैठ गये स्व खा गये ऐसी दिल्ली के मालिक कहने वाले भ्रष्ट अरविंद केजरीवाल की सरकार जिन्होंने जल घोटाले से लेकर राशनकार्ड घोटाले तक किये। मैं अनुसूचित वर्ग के लोगों के दिल्ली के साथ-साथ दिल्ली में तो उन्होंने भ्रष्टाचार की सारी हदें पार करीं लेकिन जब जल बोर्ड की मैं बात करूं तो अनुसूचित वर्ग पूरी दिल्ली के अंदर त्राहि-त्राहि कर रहा था इन्होंने इस तरफ कोई ध्यान नहीं दिया। हमें गंदा पानी सीवरों के मिला हुआ पानी और हमारे परिवार में जानलेवा बीमारी जहरीली पानी देने को इन्होंने हमें मजबूर किया साथ-साथ में बात करूं ये उस विभाग के खुद भी मंत्री थे और इन्होंने हमारे अनुसूचित वर्ग के लोगों के साथ जो हत्या करने का काम किया इन्होंने हमारे अनुसूचित वर्ग के लोगों को सीवर के अंदर डालकर उनकी हत्यायें कीं और उनकी हत्यायें करने के बाद उन्हें कोई भी मूलभूत सुविधायें उपलब्ध नहीं कराई हैं वो अरविंद केजरीवाल हैं और खुद उन पैसों से शीशमहल बनाकर बैठ गये जिस अनुसूचित वर्ग के ऊपर ये राजनीति करते हैं उनकी हत्यायें करने का काम इन्होंने किया। मैं ध्यान कराना चाहता हूं एक तरफ दिल्ली के अंदर ये जब सत्ता में आये थे तो उन्होंने किया था बिजली हाफ और पानी माफ के नारे से आये थे

बिजली हाफ के नाम पर PPAC के बढ़ते हुये चार्ज जो हमारी स्लम एरिया जितनी पुर्नवास कॉलानिज़ हैं उनके अंदर इन्होंने बढ़ाने का काम किया जो लगभग ढाई प्रतिशत हुआ करता था साढ़े बाहर प्रतिशत उन्होंने हमारे लिये ये काम किया और पानी की बात करें तो हमारे पुर्नवास कॉलोनिज़ के अंदर अनुसूचित जाति कि लोग जो 20 रुपये की पानी की बोतल खरीदने पर मजबूर हुये एक समय ऐसा आया कि वो 40 रुपये की पानी की बोतल पीने को मजबूर हुये। उसके साथ-साथ जब ये सत्ता में आये थे तो इन्होंने वादा किया था की हम जगह-जगह पाठशालायें खोलेंगे, पाठशाला का तो पता नहीं इन्होंने जगह-जगह बारशालायें खोलीं और बारशालायें भी ऐसी खोलीं कि एक दारू के साथ एक दारू फ्री दी और सबसे बड़ी बात देखिये अध्यक्ष जी इन्होंने जो हमारी भारतीय संस्कृति हमारे भारत की परम्परा का जो मज़ाक बनाया, जो हमारी माँ जब भी हम नारा देते हैं भारत माता की जय चाहे माँ पार्वती हों चाहे माँ काली हों, चाहे माँ यमुना हों हमारी भारतीय संस्कृति परम स्थान रखती है। आज जो हम जो कुछ भी हैं हम अपनी माँ की वजह से हैं और इन्होंने उन माँ का जो अपमान किया एक तरफ भारतीय जनता पार्टी की जहां-जहां सरकारें हैं वहां उनको पिंक टॉयलेट, लखपति दीदी, ड्रोन दीदी योजना के तहत उनको लाभ दिलाती है और दूसरी तरफ ये लोग पिंक ठेके खोलते हैं। पिंक ठेके खोलने पर बीस-बीस परसेंट की छूट देते हैं। एक तरफ कोई व्यक्ति 500 रुपये की शराब लेता है तो मेरी माताओं-बहनों को वो लाइन में

लगवाकर अनुसूचित वर्ग के लोगों के साथ हत्या करने का काम करते हैं उनको वही बोतल 400 रुपये में उपलब्ध कराई जाती है। अध्यक्ष जी, जो इन्होंने क्लासरूम में घोटाले किये थे वो सभी को उजागर हैं हमारे लोगों की जो स्कॉलरशिप खाने का काम किया, हमारे लोगों के साथ जो इन्होंने शिक्षा से वंचित रखा उसकी हम घोर निन्दना करते हैं और मैं आपको बताना चाहता हूं जब एक तरफ...

(समय की घंटी)

श्री रवि कांतः हमारे देश के यशस्वी प्रधानमंत्री जब कोरोना के टाइम पर सभी का साथ निभा रहे थे और दूसरी ओर जब हमारे अनुसूचित वर्ग के लोग जब अपनी सेवायें देते हुये वहां पर शहीद हो रहे थे तो इस अरविंद केजरीवाल ने उन लोगों के लिये किसी भी तरीके का मुआवजा नहीं दिया, किसी प्रकार की नौकरी नहीं दी उन लोगों को उन्होंने मारने का काम किया। मैं आपको विश्वास दिलाता हूं की जो प्रधानमंत्री जी की योजनायें हैं विकसित दिल्ली को लेकर जो संकल्पपत्र है वो सभी मेरे पूर्व में सभी सीनियर विधायकों ने जो समक्ष रखे उन सभी को हम सब मिलकर साकार करेंगे और दिल्ली राज्य को विकसित दिल्ली बनाने का संकल्प हम सभी अपने प्रेरणास्त्रोत देश के यशस्वी प्रधानमंत्री आदरणीय नरेन्द्र मोदी जी के आदर्शों और सिद्धातों के अनुसार दिल्ली में सुशासन का नया दौर प्रारंभ करने के लिये हम सभी लोग संकल्पबद्ध

हैं। आपने मुझे पहली बार मौका दिया बोलने का आपका बहुत-बहुत धन्यवाद, आप सभी का बहुत-बहुत साधुवाद, भारत माता की जय।

माननीय अध्यक्षः श्री गजेन्द्र यादव।

श्री गजेन्द्र यादवः बहुत-बहुत धन्यवाद आदरणीय अध्यक्ष जी। आदरणीय अध्यक्ष जी मुझे बोलने का अवसर दिया उसके लिये मैं आपका धन्यवाद करता हूं। आठवीं विधानसभा के इस उद्घाटन सत्र में अभिभाषण के लिये माननीय उपराज्यपाल महोदय का हार्दिक आभार। नवनिर्वाचित सदस्यों को मेरी ओर से बधाई। माननीय मुख्यमंत्री महोदया, श्रीमती रेखा गुप्ता जी और समस्त मंत्रीमंडल को हार्दिक बधाई। जिस तरह दिल्ली में शांतिपूर्ण मतदान हुआ चुनाव हुये उसके लिये मैं चुनाव आयोग और दिल्लीवासियों को भी हार्दिक बधाई देना चाहता हूं। माननीय उपराज्यपाल जी ने बताया महात्मा गांधीजी के सर्वोदय विकास पंडित दीन दयाल उपाध्याय जी के अंतोदय विकास और बाबा साहब के समता सिद्धांत के प्रति हमारी सरकार प्रतिबद्ध है। इन सब पर चलकर 2047 में जो माननीय प्रधानमंत्री जी का सपना है देश को विकसित भारत बनाया जाये उसके लिये महत्वपूर्ण कदम उठाने होंगे और हमारी सरकार वो कदम उठाने जा रही है। पहले ही मंत्रीमंडल की बैठक में पहले ही दिन हमने आयुष्मान योजना के सारे लाभ भी दिल्ली को दिये हैं। माननीय अध्यक्ष जी, दिल्ली में जगह-जगह एक बात चल रही है और बात चल रही है कि रामायण में रावण और कुंभकरण उनका तो वध हो गया था जैसे दिल्ली में केजरीवाल और मनीष सिसोदिया का पोलिटिकल वध

हुआ तो दिल्ली में ये बात चल रही है कि आतिशी कैसे जीतकर आ गई दिल्ली के लोग कह रहे हैं कि रामायण में भी शूर्पणखा बच गई थी और दिल्ली में इस चुनाव में जो आतिशी आई हैं वो शूर्पणखा का सांकेतिक रूप ही हैं क्योंकि दिल्ली के लोगों ने इनके अंहकार पर चोट मारी और ये इतने अंहकारी हैं कि दिल्ली की जनता ने इनको हरा दिया उसके बाद भी उपराज्यपाल जी के भाषण के दौरान कितनी बेहुदगी भरी हरकत इन्होंने करी जिसके कारण से जो दिल्ली का रोल मॉडल है विकास का एजेंडा है वह भी दिल्ली वालों तक ना पहुंच पाये उसकी इन्होंने हरकत करी और मैं आपका ध्यान आकर्षित करना चाहता हूं कि दिल्ली वालों ने इनको एक काम दे दिया है वो काम है जैसे घर में कोई नया सदस्य आता है तो खास वर्ग के लोग खुशी मनाने के लिये आते हैं ऐसे ही गांव में जब कोई मर जाता था तो उसके मरने पर रूदाली एक परम्परा चलती थी रूदालियां इकट्ठी होकर आती थीं और वो रोती थीं, तो आप चिंता मत करिये निश्चिंत रहिये, ये सब जो लोग आम आदमी पार्टी के जीत कर आये हैं वे रूदाली की भूमिका पांच साल तक यहां चलायेंगे और जब भी हम विकास का कोई उदाहरण प्रस्तुत करेंगे तो वे रोते रहेंगे और आप उनका इलाज करते रहना पूरा सदन आपके साथ है।

आदरणीय अध्यक्ष जी, शराब घोटाला, कैमरा घोटाला, राशन घोटला, पानी घोटाला, परिवहन घोटाला, सीवर घोटाला, सड़क घोटला, हैल्थ घोटाला, शिक्षा का घोटाला इतने सारे घोटाले पूर्ववर्ती सरकार ने

किये जिसके कारण से घोटालों की सरकार उनका नाम पड़ा है और भारतीय जनता पार्टी की सरकार भ्रष्टाचार मुक्त प्रशासन, सशक्त नारी, गरीब कल्याण स्वास्थ्य सुविधा में सुधार, उत्कृष्ट शिक्षा व्यवस्था, विश्वस्तरीय सड़क परिवहन, स्वच्छ एवं प्रदुषण मुक्त दिल्ली, यमुना नदी को साफ करने स्वच्छ जल देने, अनाधिकृत कॉलोनियों का नियमितिकरण और किफायती आवास दिल्लीवासियों की सेवा कराने के लिये प्रतिबद्ध है। आदरणीय सी.एम. मैडम आपसे दिल्लीवालों को बहुत ज्यादा उम्मीदें हैं क्योंकि मैं जिस क्षेत्र से आता हूं महरौली के सब्जीमंडी में जब सब्जी खरीदने के लिये हम गये दोनों पति-पत्नी तो वहां पर ये बात चल रही थी कि मदन लाल खुराना जी और साहिब सिंह वर्मा जी ने तो दिल्ली की बहुत सेवा करी पर स्वर्गीय सुषमा स्वराज जी वह दिल्ली में मुख्यमंत्री के तौर पर जब आई थीं तो उन्होंने ये कहा था कि मैं दिल्ली की बेटी हूं दिल्ली वाले चैन की नींद सोईये और आपकी बेटी 24 घंटे सातों दिन खड़े रहकर काम करेगी। ऐसी ही उम्मीदें आदरणीय सुषमा जी स्वराज जी जैसी उम्मीदें वे रेखा गुप्ता जी हमारी सी.एम. मैडम से भी दिल्ली को है। आदरणीय अध्यक्ष जी,

(समय की घंटी)

श्री गजेन्द्र यादवः पूर्ववर्ती सरकार के मुखिया कह रहे थे बस एक मिनट और, पूर्ववर्ती सरकार के मुखिया कह रहे थे कि दिल्ली की जनता न्याय करेगी, हां मैं भी मानता हूं कि दिल्ली की जनता ने न्याय किया है, दिल्ली की जनता ने न्याय किया है कि उनको

दिल्ली सरकार से बेदखल कर दिया और राम भक्तों की सरकार को विधानसभा में भेजा है मैं दिल्ली की जनता का बहुत-बहुत धन्यवाद करता हूं। आदरणीय अध्यक्ष जी आपने मुझे बोलने का अवसर दिया आपका बहुत-बहुत धन्यवाद।

माननीय अध्यक्षः संदीप सेहरावत।

श्री संदीप सेहरावतः धन्यवाद अध्यक्ष जी, हमारे लिये बड़े सौभाग्य की बात है कि जब हमने राजनीति की शुरूआत करी आप प्रदेश अध्यक्ष थे और सौभाग्य इसलिये कि आपके सामने, आपके मार्गदर्शन में हम यहां पर बोल रहे हैं और मैं सर्वप्रथम मैं धन्यवाद करना चाहूंगा दिल्ली की सबसे बड़ी विधानसभा मटियाला उनके साढ़े चार लाख मतदाताओं का जिनकी आवाज बनकर उन्होंने मुझे इस पवित्र सदन में भेजा। आदरणीय अध्यक्ष जी एक सशक्त, सुरक्षित, विकसित दिल्ली का जो सपना माननीय प्रधानमंत्री जी और एल.जी. साहब जी ने देखा है उसे पूर्ण करने के लिये संकल्पबद्ध होकर अधिगति अतितीव्रता के साथ हम सबको मिलकर एक साथ चलना होगा। आदरणीय अध्यक्ष जी इस सदन में 32 साथी जो इस सदन में पहली बार आये हैं और जैसा हमने विपक्ष के बारे में सोचा था देखा था वो यहां पर आकर देख भी लिया कि किस प्रकार उन्होंने दो दिन जो ड्रामा किया क्योंकि इसी सदन में हमने देखा है अध्यक्ष जी कि किस प्रकार कश्मीरी हिन्दुओं का मज़ाक सुना क्योंकि कई बार मैं बैठकर कल्पना कर रहा था की केजरीवाल साहब कौन सी सीट पर बैठे थे और किस प्रकार राखी बिड़ला जी

पीछे बैठकर वो मज़ाक उड़ा रही थीं क्योंकि उस समय हमने धरना प्रदर्शन किया और धरना प्रदर्शन में जब हमारे 15 साथी 15 दिन तक जेल में रहे थे और हम भी बाहर रहे थे तो वो आज भी केस हमारे ऊपर चल रहे हैं हमें वो याद है। आदरणीय अध्यक्ष जी इस सदन में बार-बार इनके मुखिया ने बोला था जिस प्रकार अभी मंत्रीजी ने बोला कि एल.जी. कौन सा एल.जी. कहां का एल.जी. बेगानी शादी में अब्दुल दिवाना हमारे सिर पर आकर बैठ गया एल. जी. तो अब तो अध्यक्ष जी आप ही इनके सामने आकर बैठ गये तो ये भी बड़ी सोचने की बात है कि जिस प्रकार एल.जी. के बारे में इन्होंने भाषा का प्रयोग किया वो बहुत दुर्भाग्य की बात है। आदरणीय अध्यक्ष जी तो मैं आदरणीय मान्य उपराज्यपाल जी का धन्यवाद करना चाहूंगा कि उन्होंने अभी अपने अभिभाषण के माध्यम से हमें सरकार की नीतियों और योजनाओं और आगामी कार्यक्रमों की जानकारी दी। आदरणीय अध्यक्ष जी माननीय उपराज्यपाल जी ने जिन मुद्दों पर प्रकाश डाला कि हमारी सरकार पंडित दीनदयाल उपाध्याय जी के अंत्योदय का उदाहरण है आज उसी का उदाहरण है कि हर घर के अंदर आयुष्मान योजना जाने वाली है, आज उसी का उदाहरण है कि हर घर के अंदर उज्जवला योजना जाने वाली है। जहां झुग्गी वहीं मकान क्योंकि अशोक विहार, सरिता विहार यहां पर माननीय प्रधानमंत्री के मार्गदर्शन में ये हुआ है। जन धन खाता ये उसी का उदाहरण है अंतोदय की बात करने वाले माननीय प्रधानमंत्री जी वो हम सशक्त होकर संकल्प लेकर के उसको पूरा

कर रहे हैं जिस प्रकार बाबा साहब के पंचतीर्थ माननीय प्रधानमंत्री जी आदरणीय मोदी जी के नेतृत्व में बने तो ये भी एक तरफ जिस तरह विपक्ष ने लोगों ने जो पहले दिन ड्रामा किया और दूसरे दिन जो किया यहां पर बाबा साहब की फोटो हाथ में ली और बाहर जाकर अपनी वो बाबा साहब की फोटो अपने पैरों में रख दी तो ये बाबा साहब का अपमान है। आदरणीय अध्यक्ष जी जिस प्रकार माननीय उपराज्यपाल ने 10 बिन्दुओं का जिक्र किया, उन्होंने कहा corruption free efficient administration क्योंकि हम धरने प्रदर्शन करते थे तो एक बात हम कहते थे कि:

''लूटा है जिन्होंने, लूटा है जिन्होंने दिल्ली को अपनी
उन गद्दारों की तलाशी कौन लेगा
गरीब लहरों पर बिठा दिया पहरा
समुंदर की तलाशी कौन लेगा।''

आदरणीय अध्यक्ष जी आज वो पहरा गरीब से हटकर इन पर लग गया है और उसी का उदाहरण है, मैं माननीय मुख्यमंत्री जी को भी धन्यवाद करूंगा क्योंकि जो पहली सी.ए.जी. की रिपोर्ट आई वो उसी का उदाहरण है कि हम करप्शन के खिलाफ, करप्शन को बिल्कुल टोलरेट नहीं करेंगे और अब तो दूसरी फाइल भी आ गई है अध्यक्ष जी। क्योंकि मैं बैठकर जब दूसरी फाईल आई तो मैं ये ही सोच रहा था आपने तीन दिन के लिए तो उनको बाहर भेज दिया, अगले तीन दिन भी वो बाहर जाने वाले हैं। तो अध्यक्ष जी,

जिस प्रकार क्लीन वाटर की बात करी। आदरणीय अध्यक्ष जी देश की आजादी के 79 साल बाद भी अगर देश की राजधानी में दिल्ली मेंलोग टैंकरों से पानी पीते हैं तो ये बहुत शर्म की बात है। अध्यक्ष जी, आज जल बोर्ड के पास क्योंकि जब हम नए-नए विधायक बने और जो सबसे ज्यादा समस्या आई वो सीवर और पानी की आई क्योंकि जल बोर्ड को जब हमने बोला कि इनके ढक्कन लगाओ और ढक्कन लगाने तक उन्होंने मना कर दिया कि दो दिन रूकना होगा ढक्कन अभी है नहीं तो सोचिये कितनी दुर्भाग्य की बात है कि दस सालों, ग्यारह सालों में उन्होंने क्या किया है। जिस प्रकार माननीय उप-राज्यपाल जी ने बोला "revival of Yamuna River" आदरणीय अध्यक्ष जी, जब हमारी मुख्यमंत्री रेखा जी और समस्त मंत्री मण्डल अपनी शपथ के बाद अगर सीधा यमुना जी की आरती पर पहुंचे तो यमुना का revival of यमुना जी वो शुरूआत हो चुकी है।

(समय की घंटी)

श्री संदीप सेहरावतः अध्यक्ष जी, हमारी सरकार का संकल्प है कि सभी झुग्गी बस्तियों में अटल कैंटीन के माध्यम से पांच रूपये में खाना मिले। एक तरफ इन्हीं की सरकार थी 2018 में जो छोटे-छोटे बच्चे भूख से मर गए थे। ये सोचने की बात है अध्यक्ष जी, शिक्षा की बात करते हैं। हमारे माननीय प्रधान मंत्री जी का और एलजी साहब का भी मैं धन्यवाद करूंगा क्योंकि एक महीने पहले, चुनाव से पहले दो-दो यूनिवर्सिटी देने का काम किया तो

मेरी विधान सभा में दी 'वीर सावरकर यूनिवर्सिटी' और एक लॉ कॉलेज डीयू का दिया तो मैं उनका भी धन्यवाद करूंगा। आदरणीय अध्यक्ष जी, उप-राज्यपाल महोदय ने जिन मुद्दों पर प्रकाश डाला वे ना केवल हमारे प्रदेश के समग्र विकास के लिए महत्वपूर्ण है बल्कि जनता की आकांशाओं को पूरा करने के लिए भी आवश्यक है। मैं इस सदन के माध्यम से पुनः उप-राज्यपाल जी का धन्यवाद देता हूं। आशा करता हूं कि हम सभी उनके बताये हुए जो रास्ते दिशा निर्देश हैं उनका अनुसरण करेंगे और आपने मुझे यहां बोलने का मौका दिया उसके लिए बहुत-बहुत धन्यवाद। साधुवाद।

माननीय अध्यक्षः श्री राजकरण खत्री।

श्री राजकरण खत्रीः माननीय अध्यक्ष जी धन्यवाद जो आपने उप-राज्यपाल जी के अभिभाषण पर चर्चा में शामिल होने का अवसर दिया। मान्यवर चर्चा को मैं उप-राज्यपाल जी के धन्यवाद देने के साथ-साथ करना चाहूंगा कि उन्होंने अपने अभिभाषण में माननीय प्रधान मंत्री जी कल्याणकारी नीतियों में भरोसा जताया है। अध्यक्ष महोदय मैं उप-राज्यपाल जी के कॉलम नम्बर 12 में दिये स्वच्छ जल पर आपका ध्यान आकर्षित करना चाहूंगा। मैं जिस विधान सभा क्षेत्र से आता हूं ना केवल उसमें बल्कि सारी दिल्ली में आज स्वच्छ जल की समस्या एक गम्भीर संकट बन चुकी है। राष्ट्रीय राजधानी होते हुए भी कुछ क्षेत्रों में पानी की सप्लाई बहुत गंदी व बदबूदार है। जो पीने लायक तो छोडिये कपड़े धोने के लायक भी नहीं है। मान्यवर पानी जीवन जीने की जरूरी आवश्यकताओं

में से एक है पर दुर्भाग्य से पिछली सरकार ने इस पर गम्भीरता से कोई काम नहीं किया। लोग साफ पानी को तरसते रहे। गंदा पानी पीने को विवश होते रहे। बीमार पड़ते रहे। जिसमें सबसे ज्यादा बच्चे व गर्भवती महिलाएं शामिल रही जो कि चिंता का विषय था। लेकिन पिछली सरकार सत्ता सुख भोगने में व्यस्त रही। अध्यक्ष जी, मैं उप-राज्यपाल जी का आभार प्रकट करता हूं कि उन्होंने अपने अभिभाषण में आम जन कल्याण की पीड़ा को समझते हुए स्वच्छ जल की आवश्यकता को प्राथमिकता दी और आशा करता हूं कि हमारी सरकार इस मुद्दे पर गम्भीरता से कार्य करेगी। जय हिन्द, जय भारत।

माननीय अध्यक्षः धन्यवाद। श्री कैलाश गंगवाल जी।

श्री कैलाश गंगवालः धन्यवाद अध्यक्ष जी, जो आपने मुझे एलजी साहब के अभिभाषण पर बोलने का मौका का। धन्यवाद हमारी मुख्यमंत्री जी भी, हमारे मंत्री भी सभी हमारे विधायकगण भी। अध्यक्ष जी आज इस सदन के मंच के माध्यम से देश के यशस्वी प्रधान मंत्री युग पुरूष श्री नरेन्द्र मोदी जी का धन्यवाद व्यक्त करना चाहता हूं कि उन्होंने हम गरीब पिछड़े युवा व अनुसूचित वर्ग की सबसे नीचे पायदान से उठाकर समाज में मान सम्मान प्रतिष्ठता दिलाने का काम किया जिसके फलस्वरूप मेरे जैसा व्यक्ति अनुसूचित जाति वर्ग का युवा आज इस लोकतंत्र के मंदिर में सभी माननीयों के बीच में सम्मान सहित बैठा है। हमारे पूज्यनीय बाबा साहेब भीमराव अम्बेडकर जी ने संविधान में समाज के पिछड़े वर्ग व

दलितों को स्थान दिया उसको सही से क्रियान्वित करते हुए श्री नरेन्द्र मोदी जी ने आर्थिक सामाजिक रूप से सभी को समर्थ करते हुए अपनी दूरदर्शी योजनाओं के माध्यम से केन्द्रीय बजट में अनुसूचित जाति वर्ग को अधिकतम राशि देकर वर्ग का समर्थन किया। दिल्ली की जनता एक भ्रष्टाचारी निकम्मा और विनाशकारी आपदा से दिल्ली को मुक्त कर दिया और रेखा गुप्ता जी के नेतृत्व में भारतीय जनता पार्टी को सुशासन विकास की दिल्ली बनाने के लिए अपना समर्थन दिया। जो दिल्ली देश की राजधानी है पर टूटी सड़कें, खुले सीवर, बदहाल मैली यमुना, सांस देने वाली स्वच्छ हवा के बदले बीमार और जान लेने वाला प्रदुषण इस आपदा की सरकार ने हमें दिया है। अध्यक्ष जी, अपनी विधान सभा मादीपुर का जिक्र करूं तो आप किसी भी सड़क पर निकल जाये कि पूरे क्षेत्र में बदबूदार सीवर का पानी फैला है। नलों से भी पीने के पानी की जगह सीवर का बदबूदार पानी पीने को लोग मजबूर हैं। बड़े नालों में इतनी गंदगी है कि कभी सफाई ही नहीं हुई। पिछले आपदा के विधायक अक्षम थे कि अपने फंड का भी उपयोग नहीं किया और फंड लैप्स हो गया। अध्यक्ष जी, मैं जिस क्षेत्र से आता हूं उसकी 80 प्रतिशत आबादी जे-जे कालोनी और निम्न आय वर्ग की है। उस क्षेत्र में पिछली सरकार में शराब के ठेके खोलकर उसको बर्बाद कर दिया। मैं धन्यवाद देना चाहता हूं मुख्यमंत्री जी का कि उन्होंने सीएजी की रिपोर्ट को सदन में रखा और दिल्ली के लोगों के साथ देश की दुनिया को भी पता चला कि कट्टर ईमानदार

होने का दावा करने वाले कितने बड़े बेईमान थे। अध्यक्ष जी, यह घोटाला सिर्फ शराब का घोटाला नहीं दिल्ली की जनता की आत्मा के साथ घोटाला व छलावा किया। जो लोग संविधान बचाने की बात करते हैं उन्होंने सीएजी की रिपोर्ट को दबाकर बाबा साहेब भीमराव अम्बेडकर

(समय की घंटी)

श्री कैलाश गंगवाल: जी का भी अपमान किया है। इन सभी घोटालों के सूत्रधार और मलाई खाने वाले सर जी को तिहाड़ में चक्की पीसनी पड़ेगी, जनता की गाढी कमाई के घोटाले हम बर्दास्त नहीं करेंगे। केजरीकाल के लिए ये ही कहूंगा मैं ''जब नाश मनुज पर छाता है, पहले विवेक मर जाता है।'' धन्यवाद अध्यक्ष जी।

माननीय अध्यक्ष: श्री रविन्द्र नेगी।

श्री रविन्द्र सिंह नेगी: माननीय अध्यक्ष जी बहुत-बहुत धन्यवाद प्रकट करता हूं, आभार प्रकट करता हूं, माननीय मुख्यमंत्री जी का, माननीय मंत्रियों का, माननीय अपने सभी साथियों का। राष्ट्रीय राजधानी क्षेत्र दिल्ली की आठवीं विधान सभा के प्रथम सत्र में माननीय उप-राज्यपाल श्री विनय कुमार सक्सेना जी के अभिभाषण हेतु मैं अपनी ओर समस्त सदन की ओर से अपने साथियों की तरफ से हश्दय से आभार व्यक्त करता हूं माननीय उप-राज्यपाल महोदय जी का। कहने को ये सदन, सदन है लेकिन सही मायनों में ये जनता की उम्मीदों का घर है। यहां पर चल रही हर कार्यवाही को

जनताअपने घरों में बैठकर देख रही है। जनता चाहती है कि उन्होंने जिन चेहरों को चुनकर सदन में पहुंचाया है वह उनकी आवाज सही तरीके से पहुंचा रहे है या नहीं। सालों पहले सालों पहले आवाज तो अन्ना हजारे आन्दोलन से भी उठी थी उसी आवाज के दम पर आम आदमी पार्टी सत्ता में आई और सत्ता में आई भ्रष्टाचार को जड़ से मिटाने की बात करते-करते, उन्होंने भ्रष्टाचार के नए कीर्तिमान स्थापित करे और इसमें दिल्ली की जनता को उभरने में भी टाइम लगेगा क्योंकि भ्रष्टाचार बहुत था। किसी शायर की दो बातें मुझे याद आ रही है। ''सिर्फ हंगामा खड़ा करना, सिर्फ हंगामा खड़ा करना मेरा मकसद नहीं, मेरी कोशिश है कि सूरत बदलनी चाहिए।'' लेकिन हैरानी होती है देखकर कि एक ऐसी पार्टी सिर्फ हंगामों और झूठे प्रचार और विज्ञापन के दम पर जनता को छलती रही। दिल्ली की सूरत तो बदली नहीं लेकिन इसके इतिहास के पन्नों में एक भ्रष्ट मुख्यमंत्री की कहानी जरूर लिख दी गई जिसने कैग की रिपोर्ट को भी सामने नहीं आने दिया। लेकिन हमने यह तय कर लिया है कि दिल्ली की तस्वीर को मिलकर कुछ ऐसे बदलेंगे कि आने वाले समय में दिल्ली सही मायनो में दुनिया के लिए मिसाल बनेगी ना कि सिर्फ विज्ञापनों में। जिस तरह सदन की कार्यवाही के बीच हल्ला मचाया जा रहा था उससे बिल्कुल साफ है कि आपको जनता की कितनी फिक्र थी और आखिर कब तक आप बाबा साहेब के नाम पर राजनीति करेंगे। यह तो वो ही बात है जब आपके पास खुद का किया हुआ कुछ

बताने के लिए नहीं है पर आप दूसरों पर आरोप लगाना शुरू कर देंगे। दिल्ली की जनता को जिस तरह छला गया और जिस उनके विश्वास को तोड़ा गया उसे जोड़ने के प्रण के साथ हमें आगे बढ़ना होगा और लोकतान्त्रिक परम्पराओं को लीक को अब कोई हिला ना पायेगा ना कोई डिगा ना पायेगा। माननीय अध्यक्ष महोदय,

(समय की घंटी)

श्री रविन्द्र सिंह नेगी: दिल्ली की जनता ने मोदी सरकार की जन कल्याणकारी नीतियों में विश्वास व्यक्त किया। यह हमारी जिम्मेदारी बनती है कि हम उनकी उम्मीद पर खरे उतरें। उप-राज्यपाल महोदय ने जिन बिन्दुओं पर बल दिया ये दिल्ली को एक विकसित और समृद्ध और विश्वस्तरीय शहर बनाने की दिशा में मील का पत्थर साबित होगा। दिल्ली को स्वच्छ प्रदूषण मुक्त...

(समय की घंटी)

श्री रविन्द्र सिंह नेगी: बनाने में प्रतिबद्धता के साथ-साथ हमारी सरकार पारदर्शी और उत्तरदायी शासन प्रदान करने के लिए संकल्पबद्ध है। महोदय एक मिनट का टाइम और मांगूगा। माननीय उप-राज्यपाल महोदय ने शिक्षा और क्षेत्र में जो बात रखी है वो यह दर्शाता है सरकार जनता के मूलभूत आवश्यकताओं को सर्वोच्च प्राथमिकता दे रही है। सरकार की यह पहल ना केवल समाज में कमजोर वर्गों को सशक्त बनायेगी बल्कि दिल्ली को एक बेहतर समावेशी राजधानी बनाने में सहायक होगी। मैं बहुत-बहुत धन्यवाद प्रकट करता हूं,

आभार प्रकट करता हूं। आपने मुझे बोलने का मौका दिया। जय हिन्द, जय भारत।

माननीय अध्यक्षः श्री संजय गोयल। संक्षिप्त में रखिये।

श्री संजय गोयलः आदरणीय माननीय अध्यक्ष महोदय जी का धन्यवाद करता हूं, जिन्होंने मुझे माननीय उप-राज्यपाल जी के अभिभाषण पर धन्यवाद देने के लिए खड़ा किया है और मौका दिया है मेरे को और मैं खुश हूं इस बात से और मैं सौभाग्यशाली हूं कि परमपिता परमेश्वर के आशीर्वाद से कार्यकर्ताओं के सहयोग से और जनता के आशीर्वाद से इस 32 विधायकों में चुनकर आया हूं। नवनिर्वाचित विधायकों में चुनकर आया हूं और इस सदन के अंदर के जो महान स्वतन्त्रता सेनानी और माँ भारती के सपूत श्री विट्ठल भाई पटेल जी के जो आसन सामने है और जिनका चित्र मुझे दिन प्रतिदिन दिखाई देता है और जो मुझको आशीर्वाद देता है और मुझको मार्गप्रशस्त करता है और प्रेरणा देता है। ऐसे सदन में मैं आज अपने अभिभाषण के ऊपर धन्यवाद देने के लिए खडा हुआ हूं। जैसा कि हमारी माननीय उप-राज्यपाल महोदय जी अभिभाषण दिया था और कहा था कि मेरी सरकार सब कार्य करेगी और हमारी सरकार की मुख्यमंत्री माननीय श्रीमती रेखा गुप्ता जी और सभी माननीय हमारे मंत्री महोदय ने भारतीय सनातन संस्कृति की परम्परा का निर्वाह करते हुए माँ यमुना जी की आरती कर माँ यमुना जी की पूजा कर पहली कैबिनेट बैठक की और सभी वो संकल्प जो पांच बुनियादी ढांचे और जरूरतें और साथ में दस

विशेष क्षेत्र जो हैं जिससे दिल्ली का विकास करना है और दिल्ली को विकसित करना है वो सभी में शुरूआत की। उसमें विशेष रूप से आयुष्मान योजना को लागू कर जो हमारे 70 वर्ष से ऊपर के वरिष्ठ नागरिक है उनको एक उपहार के रूप में दस लाख का जो आयुष्मान योजना लागू की है उसके लिए भी हम धन्यवाद करते है ये शुरूआत है। माँ यमुना जी की जो है सफाई का जो अभियान शुरू किया है उसके लिए हम धन्यवाद करते हैं। वैसे तो 2014 से पहले जिस तरह से देश अव्यवस्थित था। माननीय प्रधान मंत्री जी के बनने से पहले अपने नरेन्द्र मोदी जी के बनने से पहले उसी तरह से जब से 2014 से लेकर 2025 तक हमारे देश के यशस्वी प्रधान मंत्री माननीय नरेन्द्र मोदी जी के नेतृत्व में देश आगे बढ़ रहा है और विश्व में एक सबसे सर्वोच्च स्थान है। उसी तरह से दिल्ली देश का ह्रदय होने का नाते यहां भी माननीय मुख्य मंत्री जी के नेतृत्व में और माननीय प्रधान मंत्री जी के मार्गदर्शन में दिल्ली विकसित बनेगी। साथ में जितनी भी योजनाएं पूर्व सरकार ने दिल्ली के विकास में अवरोध पैदा किये थे। स्वनिधि योजना और माननीय प्रधानमंत्री विश्वकर्मा योजना भी लागू हुई जिससे कि यहां का जो युवा हमारे बेरोजगार हैं। जो अठारह तरह के कामगार लोग हैं उनको भी उस योजना के माध्यम से फायदा होगा और वो योजना गरीब कल्याण योजना में आपके बहुत एक कारगर सिद्ध होगी। तो मैं जिस तरह से बातें तो बहुत हैं लेकिन मैं माननीय उप-राज्यपाल जी का धन्यवाद देता हूं उन्होंने हमारी सरकार के प्रति और जिसमें मैं भी एक सदस्य के रूप में हूं। हम सब मिलकर दिल्ली को

विकसित बनाने में कार्य करेंगे। धन्यवाद। जय हिंद। जय भारत माता की जय।

माननीय अध्यक्ष: धन्यवाद। गजेन्द्र दराल जी।

श्री गजेन्द्र दराल: माननीय अध्यक्ष जी आपका बहुत-बहुत धन्यवाद। आपको सादर प्रणाम। मैं माननीय मुख्यमंत्री जी व दिल्ली सरकार के सभी मंत्रियों को भी सादर प्रणाम करता हूं और सदन के सभी नवनिर्वाचित सदस्यों को मेरी राम-राम। देखिये मैं इन भ्रष्टाचारियों के बारे में सिर्फ इतना कहूंगा क्योंकि सभी ने कहा ''जो बीत गया है वो अब दौर ना आयेगा, अब तो सिर्फ दिल्ली के उज्जवल भविष्य का विकास ही नजर आयेगा।'' राष्ट्रीय राजधानी दिल्ली क्षेत्र की आठवीं विधान सभा के प्रथम सत्र में माननीय उप-राज्यपाल महोदय का अभिभाषण वस्तुतः विकसित दिल्ली का रोड मैप व संकल्प पत्र है जो कि प्रेरणादायी है, अनूठा है, बेजोड़ है। इसके लिए माननीय उप-राज्यपाल महोदय साधूवाद के अधिकारी हैं। माननीय अध्यक्ष जी, अपने अभिभाषण के माध्यम से माननीय उप-राज्यपाल महोदय ने सदन के निर्वाचित सदस्यों से आग्रह किया है। मुझे विश्वास है कि इस सदन के हम सभी सम्मानित सदस्य उनके आग्रह को पूर्ण करने में किसी भी प्रकार की कोई कोताही नहीं बरतेंगे। मैं अपने एलजी साहब का हार्दिक धन्यवाद करता हूं कि उन्होंने मोदी जी की विकास की गारंटी को सुनिश्चित किया है और आपका भी धन्यवाद करता हूं कि आपने मुझे बोलने का मौका दिया।

माननीय अध्यक्ष: धन्यवाद। श्री मनोज शौकीन जी।

श्री मनोज शौकीन: अध्यक्ष जी सोमवार को कर लें तो अच्छा रहेगा मेरे ख्याल से।

माननीय अध्यक्ष: धन्यवाद।

श्री मनोज शौकीन: सोमवार को टाइम दे दीजिए प्लीज।

माननीय अध्यक्ष: अब मैं श्री आशीष सूद जी को आमंत्रित करता हूं।

माननीय शिक्षा मंत्री (श्री आशीष सूद): आदरणीय अध्यक्ष महोदय, मैं आपके माध्यम से इस सदन में माननीय उप-राज्यपाल जी के अभिभाषण पर धन्यवाद प्रस्तुत करने के लिए यहां खड़ा हूं। सबसे पहले मैं आपको इस सदन के कुशल संचालन के लिए बधाई देता हूं धन्यवाद देता हूं। साथ ही साथ प्रधानमंत्री आदरणीय नरेन्द्र मोदी जी के मार्ग दर्शन और हमारी आदरणीय मुख्यमंत्री रेखा गुप्ता जी के नेतृत्व को भी बधाई देता हूं जिन्होंने दिल्ली वालों में एक नये विश्वास का संचार पैदा किया है, दिल्ली की जनता को एक नई दिशा और एक नया विश्वास देने का काम किया है। आदरणीय अध्यक्ष जी, उप-राज्यपाल जी के अभिभाषण से स्पष्ट हो गया है कि हमारी सरकार पारदर्शिता, जवाबदेही के सिद्धांतों के प्रति प्रतिबद्ध है। इस सरकार में भ्रष्टाचार की कोई जगह नहीं होगी। दिल्ली की जनता ने बदलाव के पक्ष में भारी मतदान किया है और हमारी सरकार उस मतदान जो भारी मतदान जिस पक्ष में हुआ है उस

भ्रष्ट प्रशासन से उस भ्रष्ट शासन से मुक्ति दिलाने के लिए प्रतिबद्ध है लेकिन आज कुछ लोग बाबा साहेब अंबेडकर के नाम पर अपनी राजनीतिक रोटी और अपना नाकारापन छुपाने का प्रयास कर रहे हैं। अध्यक्ष जी, कल से ही बड़ा हल्ला है कि इस सदन में संविधान का गला घोंटा जा रहा है। बहुत हल्ला मचा हुआ है गेट घेर कर लोग बैठे हैं। अध्यक्ष जी, आज कुछ मित्रों का जो बाहर बैठे हैं उनमें से कुछ लोगों का फोन आया।

श्री पवन शर्माः कोई बाहर नहीं है।

श्री आशीष सूदः कल बैठे थे न जी।

श्री पवन शर्माः हां कल बैठे थे।

श्री आशीष सूदः उनका आज फोन आया। उनका पवन जी फोन ये आया कि भाई साहब रात को बाबा साहब सपने में आए थे और दो थप्पड़ जैसे आपने चुनाव में देखा आत्ममुग्ध बौने के लगाए थे बोले अब उनके चक्कर में हमें भी दो थप्पड़ मारकर चले गये बाबा साहब। वो बोले कैसे झूठ फरेब मक्कारों के साथ लग गये तुम जाकर। बोले बाबा साहब ने मुझे कहा उनमें से एक ने कहा बाबा साहब ने मुझे कहा अरे झूठ तो उतना बोल कमबख्त जिसे लोग समझ सकें, पचा सकें। तुम उस सरकार पर संविधान की अवहेलना का आरोप लगा रहे हो जिसके नेता संविधान को सिर पर रखकर आदरणीय प्रधानमंत्री जी संविधान को सिर पर रख कर प्रशासन चलाने का संकल्प लेकर आते हैं। मैं हैरान हो गया

अध्यक्ष जी उसने दो थप्पड़ खाने के बाद जब सारी बात मुझे बताई उसने मुझे बताया आशीष भाई ये लोगों ने हमारा दिमाग खराब कर दिया कि आप संविधान की अवहेलना कर रहे हैं। आत्ममुग्ध बौने की सरकार 5 साल से संविधान की अवहेलना कर रही थी। उसने मुझे कहा एक vital statistics on the functioning of 7th असेंबली है उसको पढ़िये, पढ़कर मेरे तो पैरों के नीचे से जमीन निकल गई अध्यक्ष जी। ये लोग बाहर बैठकर जो चिल्ला रहे हैं कि हमने संविधान की अवहेलना की सातवीं विधानसभा आज से जब तक से विधानसभा बनी है सबसे कम चली है केवल 74 दिन चली है, केवल 74 दिन यानि 1 दिन में केवल 3 घंटे। अरे उसके अलावा मजे की बात सुनिये। अध्यक्ष जी, कमाल की घटना हुई आपने तो प्रश्नकाल करा दिये, आप तो मौका दे रहे हैं लोगों को सवाल पूछने का केवल 9 बार प्रश्नकाल हुए 74 दिनों में सातवीं विधानसभा में केवल 9 बार प्रश्नकाल हुए 74 दिनों में उसमें भी कंडीशन ये थी कि 12 दिन पहले प्रश्न दोगे, पहले प्रश्न दोगे मगर वो सदन चलने की सूचना केवल 7 दिन पहले देंगे ये है लोकतंत्र। 12 दिन पहले प्रश्न लगाओगे मगर सदन चालू कब होगा इसकी सूचना केवल 7 दिन पहले निकलेगी और मजे की बात इस 5 साल में केवल 14 बिल पास हुए 5 हुए विधायकों की सैलरी बढ़ाने के, 5 हुए जीएसटी कंपनसेशन के, 1 टूरिज्म का, 1 एजुकेशन का 1-2 कोई इधर-उधर के बिल ये है इनका संविधान की रक्षा और ये कहते हैं ये पूजनीय बाबा साहब के अनुयायी हैं।

इस सातवीं विधानसभा में आदरणीय अध्यक्ष जी 2020 से 2025 के बीच में मैं आपके माध्यम से दिल्ली की जनता को बताना चाहता हूं केवल 219 सवाल पूछे गये हैं केवल 219 सवाल और इसी समय में 2019 से 2024 के बीच में हमारी लोकसभा में 8200 सवाल पूछे गये हैं 8200 सवाल। ये होता है संविधान की माथे पर रखकर, सिर पर रखकर चलने की प्रथा। आदरणीय अध्यक्ष जी, जब उप-राज्यपाल जी यहां हमारी सरकार का आदरणीय मुख्यमंत्री रेखा गुप्ता जी के नेतृत्व में आने वाली सरकार का आने वाले दिनों का ब्लूप्रिंट रख रहे थे तो यहां पर तरह-तरह की टिप्पणी करके उसको रोकने की कोशिश की गई। मगर आज मैं आपसे थोड़ा समय चाहता हूं अनुमति चाहता हूं, मैं आज आपके सामने इनकी पूरी पोल खोलना चाहता हूं। लोगों ने सड़क पर उतरकर लाखों-करोड़ों लोगों ने सड़क पर उतर कर आंदोलन किया और कहा अपने आदरणीय नेताओं से की भ्रष्टाचार के खिलाफ कानून बनाओ, भ्रष्टाचारियों को जेल भेजो लेकिन इस देश के नेताओं ने उनकी नहीं सुनी। अध्यक्ष जी, ये मैं नहीं कह रहा हूं ये आत्ममुग्ध बौने ने इसी विधानसभा में 2014 के समय पर मुख्यमंत्री अरविंद केजरीवाल ने इसी विधानसभा में खड़े होकर 2014 में विश्वास मत लेते समय कहा और आज जब भ्रष्टाचार में गिरफ्तारियां हो रहीं हैं तो इनको हर संस्था पर प्रश्न उठाने का मौका लगता है। इन्होंने उस समय 17 मुद्दे उठाये थे 2014 में, नवंबर 2013 में जीतकर आए 28 सीट कांग्रेस के साथ सारी कसमें तोड़ते हुए बच्चों की

झूठी कसम तोड़ते हुए सरकार बनाई 17 मुद्दे उठाये। 17 मुद्दों में पहली बात में पहले वाक्य में कहा एक अजीब किस्म का वीआईपी राज आ गया और वो आप सबने देखा दिल्ली की जनता ने आपके माध्यम से मैं बताना चाहता हूं दिल्ली की जनता ने देखा वीआईपी राज आ गया कहने वाले लोग किस प्रकार से अपने आगे-पीछे 10-10, 12-12 गाड़ियों का काफिला लेकर चला करते थे। ये लोग शुचिता की राजनीति की बात हमें बताएंगे। लोगों के राशनकार्ड नहीं बनते, छोटी सी चीज है राशन कार्ड बनने चाहिए, व्यवस्था के अंदर खुद ही बन जाने चाहिए ये 2014 के भाषण में आत्ममुग्ध बौने अरविंद केजरीवाल ने विश्वास मत हासिल करते समय कहा और इसी जगह पर, इसी जगह पर उनकी आंखों के नीचे राशन कार्ड बनवाना गाली के बराबर हो गया। उनका मंत्री यौन-शोषण करते हुए पकड़ा गया और कई सालों तक उसको निकाला नहीं। राशन कार्ड बनवाने जा रहा हूं या जा रही हूं गाली हो गया दिल्ली में क्योंकि उनका मंत्री राशन कार्ड बनवाने के लिए ये प्रशासन दिया इन लोगों ने 10 साल में जो बड़ी-बड़ी बातें यहां खड़े होकर करते थे। पांचवां मुद्दा बिजली कंपनियों का ऑडिट हो, छठा मुद्दा दिल्ली के अंदर मीटर तेज भागते हैं बताईये किसका मीटर बदल गया। केवल पॉपुलिस्ट बातें करना केवल। दिल्ली में पानी की व्यवस्था एक तो ये है कि दिल्ली के अंदर पानी के बिल बहुत ज्यादा आते हैं। 1 जनवरी, 2014 की बात है अध्यक्ष जी ये और आज इस सरकार से जाते समय फिर ये कहते गये

11 साल बाद कि मेरे को एक बार और चुनकर भेज दो बिजली के बिल ठीक करवा दूंगा ये है इनकी सत्यता, ये है इनकी सत्यता। इसी तरह की और बहुत सारी 17 बातें उन्होंने कही। सोलहवां मुद्दा महिला सुरक्षा में कहा आप जानकर हैरान होंगे अध्यक्ष जी, जानकर आप हैरान होंगे कि इन्होंने महिला सुरक्षा के संदर्भ में भी पोस्को कोर्ट्स बनाने के लिए और जो स्पेशल कोर्ट बनाने के लिए सरकार को बजट दिया गया उन बजट को भी पूरा इस्तेमाल नहीं किया ये इनकी प्रतिबद्धता है। स्वास्थ्य और शिक्षा अपना बड़ा मुद्दा बताया था। आदरणीय मुख्यमंत्री जी, 7280 करोड़ आबंटित हुए शिक्षा में, खर्च हुए केवल 278 करोड़ पिछली बार जाते-जाते। 886 करोड़ रुपये का बजट था आदरणीय अध्यक्ष जी स्वास्थ्य का जिसमें से 373 करोड़ रुपये ही केवल खर्च कर पाई ये सरकार ये तो इनकी प्रतिबद्धता थी स्वास्थ्य और शिक्षा के क्षेत्र की। अध्यक्ष जी, मैं आज आपके सामने ऑन रिकार्ड ये बात लाना चाहता हूं। आज आदरणीय गृह मंत्री जी ने दिल्ली की सुरक्षा व्यवस्था को लेकर एक महत्वपूर्ण बैठक बुलाई। मैं तब से उस बैठक से आने के बाद मैं उस बैठक से निकलने के बाद अभी तक स्तब्ध हूं मेरे रोंगटे खड़े हैं अध्यक्ष जी। दिल्ली में जलभराव कहां होता है, पहली बारिश में जलभराव से घंटों का जाम लग जाता है। हमारी सरकार, हमारी केन्द्र सरकार प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी जी के नेतृत्व में गृह मंत्री जी बार-बार इस दिल्ली की सरकार से लगातार वो पाइंट्स मांगते रहे मगर इस दिल्ली की

सरकार ने आज तक एक भी पाइंट कहां जलभराव है, कहां ठीक करने की जरूरत है दिल्ली की सरकार ने केन्द्र सरकार को बताने की जहमत नहीं समझी। आदरणीय गृह मंत्री जी का विभाग बार-बार ये पूछता रहा 100 से अधिक प्वांइट बताकर बताता रहा कि इस जगह पर इतनी सी त्रुटि ठीक कर दोगे तो ये जो घंटों का जाम रिंगरोड पर या फलानी रोड पर लगता है ये ठीक हो जाएगा। एक भी सुधार करने के लिए ये सरकार तैयार नहीं हुई एक भी सुधार करने के लिए जो तैयार हुई हो ये सरकार। कैसी पिशाचिक प्रवृत्ति के लोग रहे होंगे यहां। एक बारिश में हम घंटों रोड पर खड़े रहते हैं सिर्फ मेरा नाम 52 हजार मकान जो बनाकर केन्द्र सरकार ने खड़े किये हुए हैं ऑन रिकार्ड दस्तावेज है कि जब तक उन मकानों में मुख्यमंत्री आवास योजना नहीं लिखोगे आबंटित नहीं किये जाएंगे नरेला-बवाना में बने हुए 52 हजार मकान आज तक आबंटित नहीं हो पाए क्योंकि आत्ममुग्ध बौना अरविंद केजरीवाल अपनी यश-कीर्ति के लिए गरीबों को मकान से वंचित कर रहा था। 52 हजार मकान बने हुए हैं। आज अगर हम उसको करना चाहेंगे तो फिर दोबारा पैसा लगाकर उसको ठीक करके आगे ले जाना पड़ेगा। आदरणीय गृह मंत्री जी ने उस बैठक में जो समन दिल्ली के विभिन्न विभागों के समन्वय की बात कही तो ये सुनकर, ये सुनकर अचंभा होता है कि कैसे कोई सरकार ये कर सकती है कि केन्द्र में रहते हुए यूनियन टेरेटरी होते हुए, मगर ये सब चलता रहा, ये सब छुपता रहा क्योंकि:

''अब किसी को नहीं नजर आती कोई दरार,
अब किसी को नहीं नजर आती कोई दरार,
घर की हर दीवार पर चिपके हैं इश्तेहार।''

कवि दिनकर ने कहा है

''अब किसी को नजर नहीं आती कोई दरार,
घर की हर दीवार पर चिपके हैं इतने इश्तेहार।''

विज्ञापन का बेतहासा बजट बढ़ाकर, विज्ञापन के बेतहासा तरीके से मिस्यूज करके हजारों करोड़ों रुपयों का मिस्यूज करने के बाद इन सब चीजों पर पर्दा डालने का काम इस सरकार ने किया है। हमारी सरकार जनता की उम्मीदों को पूरा करने के लिए कृतसंकल्प है। आप जानकर हैरान होंगे अध्यक्ष जी खाली खजाना छोड़कर गई है ये सरकार हमारे लिए। बार-बार जो बार-बार एक मिस्कंसेप्शन फैलाया जाता था कि किस तरीके से हमने सरप्लस का बजट दे दिया वो आज आदरणीय अध्यक्ष जी आपके माध्यम से दिल्ली की जनता को मालूम हो 2017-18 में 157 करोड़ रुपये, 19 में 4182 करोड़ रुपये, 20 में 7436 करोड़ रुपये, 21 में 5581, 22 में 6446, 23 में 12817 और 24 में 1137 और 24-25 में ही 363 करोड़ रुपया केन्द्र सरकार से जीएसटी कंपन्सेशन के रूप में यानी लगभग 37 हजार करोड़ रुपया केन्द्र सरकार ने जीएसटी कंपन्सेशन के रूप में दिया जिसके कारण ये सरकार तमाम मिस्यूज करते हुए

न तो दिल्ली के इन्फ्रास्ट्रक्चर पर पैसा लगा न दिल्ली में नई बसें खरीदी गई बार-बार, बार-बार छेड़ते हुए चिढ़ाते हुए ये कहते रहे हम तो टैक्स पेयर्स का सबसे ज्यादा पैसा देते हैं आप हमारा पैसा वापस करिये, दिल्ली में इस टैक्स पेयर्स का पैसा 37 हजार करोड़ रुपया जीएसटी कंपन्सेशन के रूप में आया उसमें से कितने पैसे से बसें आई, कितने नये अस्पताल बने, कितने नये कॉलेज बने, कितनी नई व्यवस्थाएं खड़ी हुई, कितने सड़के बनी, कितनी पानी की नई लाइन बनी इसका हिसाब इन्होंने कभी देने की जहमत नहीं उठाई। आज जब आदरणीय रेखा गुप्ता जी के आदरणीय मुख्य मंत्री जी के नेतृत्व में एलजी साहब ने अपनी प्रायोरटीज जिसके लिए धन्यवाद करने के लिए मैं खड़ा हुआ हूं भ्रष्टाचार मुक्त प्रशासन, सशक्त नारी, गरीब कल्याण, स्वास्थ्य सेवाओं में सुधार, उत्कृष्ट शिक्षा व्यवस्था, परिवहन, यमुना नदी स्वच्छ जल आदि हमारे सामने रखी है तो हम कटिबद्ध हैं दिल्ली को एक जीरो क्राइम कैपिटल के साथ-साथ आदरणीय अध्यक्ष जी जो खजाना खाली होने के बावजूद जिस भी तरीके से इन सब वादों को पूरा करना है आदरणीय मुख्यमंत्री जी के कुशल नेतृत्व में और आदरणीय प्रधानमंत्री जी के मार्गदर्शन और आदरणीय गृह मंत्री जी के निर्देशों के अनुसार हम कटिबद्ध हैं इसको पूरा करने के लिए। माननीय अध्यक्ष महोदय, मैं अंत में पुनः दिल्ली की जनता का धन्यवाद करता हूं उन्होंने सुशासन और विकास के लिए आदरणीय नरेन्द्र मोदी जी की पार्टी विश्व की सबसे बड़ी पार्टी भारतीय जनता पार्टी को चुना है। यह जनादेश

हमारे लिए सेवा और समर्पण का संकल्प है हम इस विश्वास को बनाये रखते हुए कि दिल्ली विकसित भारत की विकसित दिल्ली होगी, दिल्ली विकसित भारत की विकसित राजधानी होगी, दिल्ली वो आधुनिक और समावेशी विश्वस्तरीय राजधानी होगी जिसके लिए हम हमेशा नरेन्द्र मोदी जी के सपनों और गारंटियों को पूरा करने के लिए वचनबद्धता के साथ काम कर देंगे। नरेन्द्र मोदी जी की आदरणीय अध्यक्ष जी, आदरणीय मुख्यमंत्री जी के नेतृत्व में नरेन्द्र मोदी जी की गारंटियों को पूरा करने के लिए जान लगा देंगे अध्यक्ष जी, जान लगाकर विकसित दिल्ली सशक्त दिल्ली को देश की राजधानी को प्रगति में अग्रणी भूमिका निभाने के लिए हम तैयार करेंगे। आदरणीय मुख्य मंत्री जी के नेतृत्व में हम सब कटिबद्ध हैं। मैं पुनः जो आदरणीय उप-राज्यपाल जी ने, आदरणीय मुख्य मंत्री जी के नेतृत्व में जो आने वाला ब्लूप्रिंट दिया है उसके लिए आभार व्यक्त करते हुए अपना स्थान ग्रहण करता हूं और आपने मुझे बोलने का अवसर दिया आपका बहुत आभार व्यक्त करता हूं, बहुत-बहुत धन्यवाद।

माननीय अध्यक्षः मुख्य मंत्री श्रीमती रेखा गुप्ता जी।

माननीया मुख्यमंत्री (श्रीमती रेखा गुप्ता): लोकतंत्र के इस मंदिर को प्रणाम करते हुए आदरणीय अध्यक्ष जी सबसे पहले तो मैं अपने इस दिल्ली के 70 के 70 विधायक जो अपने क्षेत्र से जनता का दिल जीतकर के इस सदन में पहुंचे हैं उन्हें दिल की गहराई से बहुत-बहुत बधाई देती हूं, बहुत शुभकामनाएं देती हूं कि दिल्ली

की जनता ने जो उनको जिम्मेवारी सौंपी है मिलकर के उस काम को करना है। और ढेरों साधुवाद देना चाहूंगी भारत जैसे विश्व के सबसे बड़े लोकतंत्र का नेतृत्व करने वाले आदरणीय प्रधानमंत्री-श्रीमान नरेंद्र मोदी जी को जिन्होंने दिल्ली को एक ऐसे कुप्रशासन से, ऐसी आपदा से मुक्त कराया जिसके कारण से दिल्लीवासी 10 साल से अधिक समय से जो दर्द झेल रहे थे, जो तकलीफ पा रहे थे, आदरणीय प्रधानमंत्री-मोदी जी के नेतृत्व में उस आपदा से दिल्ली मुक्त हो पाई। प्रचंड जीत भारतीय जनता पार्टी को मिली, दिल्ली ने भर-भरकर आर्शीवाद दिया और मैं भी आज इस सदन में दिल्ली की जनता को इस सदन के माध्यम से यह बताना चाहती हूं कि जो-जो संकल्प-पत्र में वायदे दिल्ली की जनता के साथ किए गए हैं जब तक वो पूरे नहीं होंगे मैं और मेरी पूरी टीम चैन की सांस नहीं लेंगे। दृढ़संकल्प है, पूरी समर्पण के साथ, एक निष्ठा के साथ, उत्साह के साथ दिल्ली में काम करना है। वो लोग जो पहले इस सदन का उपयोग केवल और केवल माननीय उप-राज्यपाल जी को, माननीय प्रधानमंत्री जी को आपत्तिजनक, अपमानजनक, अभद्र शब्दों का इस्तेमाल करते हुए इस सदन का उपयोग करते थे, आज इस सदन का उपयोग दिल्ली की जनता की भलाई के लिए, योजनाएं बनाने के लिए, उनके क्रियान्वयन के लिए और दिल्ली को विकसित दिल्ली बनाने के लिए इसका उपयोग होने वाला है माननीय अध्यक्ष जी.. आज आपके माध्यम से मैं ये कहना चाहती हूं। 20 तारीख को जब शपथ ग्रहण हुआ उसी दिन एक-एक पल

का उपयोग करते हुए हमने कोई विजय उत्सव मनाने के लिए नहीं निकल पड़े, हम आये सचिवालय में, हमारी पूरी टीम ने अपना ऑफिस का कार्यभार सम्भाला। हमने पहली कैबिनेट की मीटिंग पहले दिन शपथ वाले दिन ही करी और जिसके कारण से पिछली सरकार के कारण से लम्बित आयुष्मान योजना को हमने पहली कैबिनेट मीटिंग में पास कर दिया। हम घर नहीं गए कि मिठाई खानी है, खिलानी है, ढोल बजाने है। हम लोग उस दिन पूरा दिन अलग-अलग विभागों की मीटिंगों में लगे रहे। हम गए यमुना जी पर आरती करने के लिए अपना संकल्प दोहराने के लिए कि हे माँ यमुना जो हमने वायदा किया है, जो हमारे प्रधानमंत्री जी ने यमुना जी के लिए स्वप्न देखा है, जो दिल्ली की जनता का अधिकार है इस यमुना माँ को स्वच्छ बनाने के लिए पूरा काम कर लेंगे, हम पूरा दिन उसी काम में लगे रहे। आज 8 दिन नौवां दिन आज माने तो एक-एक दिन मैं और मेरे मंत्री और मेरे विधायक गण अपने क्षेत्र की जनता के साथ मिलकर के दिल्ली को कैसे सुधारना है, क्या-क्या काम होने हैं। केवल जनता के बीच में जाकर के वो काम कर रहे हैं। इससे पहले ये लवली जी ने सदन में एक बात कही थी वो बिल्कुल सही बात है कि पहले जनता को अपेक्षाएं शायद बड़े-बड़े प्रोजैक्ट की होती थी कि भई कम्युनिटी हॉल बना दीजिए, कॉलेज बना दीजिए, स्कूल बना दीजिए, पर 10 सालों में जनता इस लेवल पर आकर खड़ी हो गई कि वो कहती है कि मेरा सीवर साफ करा दो, मेरी नाली बनवा दो, मेरे गड्ढ़े भरवा दो,

इस कदर दिल्ली की जनता को परेशान करके वर्षों पीछे धकेलने वाली सरकारें आज यहां पर नहीं है। आज विपक्ष सामने बैठा होता तो शायद बात करने में कुछ मजा आता, उनके सामने कहने में, उनकी बातें बताने में। दूसरे ही दिन जब शपथ ग्रहण था तो आतिशी जी मेरे कमरे पर आ गई सब विधायकों को लेकर के और मैंने तो देखा वो तो पहले दिन से ही इसी कार्य में लग गई थी क्या किया जाए, कैसे पब्लिसिटी पाई जाए, कैसे मीडिया में आया जाए, बैनर बना लिए गए कि ढ़ाई हजार रुपए कब दोगे। मैंने उनको ससम्मान अपने कमरे में बुलाया, बिठाया, पूछा कि बताइये भई क्या कह रही हैं आप, उन्होंने कहा जी ढ़ाई हजार रुपए कब दोगे? मैंने कहा बड़ी अच्छी बात है, आपको बड़ी चिंता है कि ढ़ाई हजार रुपए कब मिलेंगे। मैंने कहा आतिशी जी आप जिस ढ़ाई हजार की बात कर रही हैं आप चिंता ना करें ये जिम्मेवारी हमारी है, जनता को जो प्रण किया है, जनता के लिए जो वादे किए हैं वो काम हम करेगें पर इस बात पर जरूर मुझे हंसी आती है कि दस साल का कार्यकाल तीन-तीन बार की सरकार बनने के बाद सैंकड़ों वायदे किए एक भी पूरा नहीं किया और उसके बाद उनकी इतनी हिम्मत हो जाती है कि हमसे आ के पूछते हैं कि ये कब होगा। तो पंजाब में नहीं दिया, दिल्ली में जो जो कहा नहीं दिया, वो काम कुछ किया नहीं और हमसे आ के पूछते हैं कि बताइए कब देगें। तो मैंने भी मन में किसी शायर की कही हुई दो लाइनें मुझे ध्यान आई कि -

बागवान ने भी ना जाने कैसे कैसे शौक पाल रखे हैं

दस साल का राज किया भई एक बार जीते तो 67 सीटें आ गई दूसरी बार फिर 62 आ गई फिर तीसरी बार फिर मौका मिल गया तो दिल्ली की जनता के शौक निराले थे क्या उम्मीदें थी उनको उनसे कि –

''बागवान ने भी ना जाने कैसे कैसे शौक पाल रखे हैं

फूलों के गमलों में कांटे संभाल रखे हैं।

और इस सियासत में तो

इस सियासत में तो चित्त भी इनकी पट्ट भी इनकी

हमने क्या बेवजह सिक्के उछाल रखे हैं।''

मतलब जब ये सरकार में थे तो भी यही धरने पर बैठते थे और आज जब ये विपक्ष में हैं तो हमसे सवाल पूछते हैं कि कब करेगें? भईया ये सरकार में थे तब भी जलमंत्री होने के बावजूद आतिशी जी धरने पर बैठ जाती थीं काम करने की बजाय, माननीय मुख्यमंत्री जी जो उस समय होते थे वो तो 26 जनवरी वाले दिन जा कर धरने पर बैठ गए, तो इनकी तो धरना पार्टी है। इन्होंने अपने कार्यकाल में केवल प्रैस कांफ्रेंस, केवल बाइट देना, केवल इंस्टाग्राम ट्वीटर पे पोस्टें डालना और मनगढंत कहानियां बनाना इसके अलावा किया क्या है? इनके विचार, इनकी सोच जिस कदर स्पीड में चलती है उसको तो कोई फोलो नहीं कर सकता भई। वो तो

यमुना जी में जहर डाल देंगे, इस जन्म में तो हरा नहीं सकते ऐसी ऐसी बात करने वाले घमंड से भरे हुए, अहंकार से भरे हुए, घमंड और अहंकार तो रावण का भी नहीं चला तो ये क्या चीज थे। जनता ने एक बार में दिखा दिया कि जनता जब चाहती है तो सर पर भी बिठाती है और जनता के दिल में से उतर जाओ तो वो सड़क पर भी ला देती है। तो धरने की पार्टी फिर से धरने पर जा बैठी। मैं तो कहती हूं ये जनता का काम है, जनता ने जो किया है वो उनको समझना पड़ेगा। चैलेंजिस बहुत हैं। बहुत सारी कठिनाइयां हैं और मैं तो इतना समझ पाई कि जो आतिशी जी बार-बार कह रही थी कि कब देगें, कब देगें क्योंकि उन्हें पता है कि वो जो सिस्टम छोड़ के गई हैं, जो खजाने खाली करके गई हैं वो भी ये सोचती हैं देंगे कैसे, जरा पूछिए तो सही कब देंगे? परंतु मैं पूरे विपक्ष को ये बताना चाहती हूं कि आज आप जिस भी परिस्थिति में दिल्ली को छोड़ के गए हैं, दिल्ली के लिए जो काम हमें करने हैं, दिल्ली को नरेन्द्र मोदी जी का जो स्वप्न है, जो विजन है दिल्ली के लिए विकसित दिल्ली का, उसको पूरा करने के लिए हमें जो भी करना पड़ेगा इस दिल्ली के लिए हम करेंगे। दृढ़ता के साथ, संकल्प के साथ, मेहनत के साथ, ईमानदारी के साथ हर एक काम को किया जायेगा। आप लोगों के जैसे नहीं क्योंकि आपको वादे तो करने आते हैं निभाने नहीं आते। आपको दिल्ली की जनता का दर्द का प्रचार करना तो आता था परंतु उसके लिये काम करना नहीं आता था। आज हम दिल्ली की

जनता का जो दिल का दर्द है उसका अहसास भी हमें है और उसका उपचार भी हम करेंगे ये मैं आज आपको बताना चाहती हूं जो चीज़ें, जो काम मैंने देखा अपने पूरे कार्यकाल में पिछली सरकार ने अपनी बुद्धि का इस्तेमाल केवल जनता को बेवकूफ बनाने के लिये किया, बेवकूफ बनाती रही, कहती रही, बरगलाती रही और जब-जब काम नहीं हुआ तो गलियाती रही, कभी राज्यपाल जी का नाम लेकर कभी प्रधानमंत्री जी का नाम लेकर तो जनता ने सोचा कि भई जब करना उन्होंने ही है तो उन्हीं के हाथों में सत्ता सौंप देते हैं। तो इस बार पूर्ण बहुमत की जो सरकार जनता ने बनाई है दिल की गहराई से मैं दिल्ली की जनता का बहुत-बहुत धन्यवाद करती हूं और कहना चाहूंगी, कहना चाहूंगी जितने काम दिल्ली में करने वाले हैं देखिये केजरीवाल साहब ने अपना बंगला अपना शीशमहल तो बना लिया पर ये नहीं सोचा कि लाखों लोग जो झुग्गियों में रहते हैं, जो सड़कों में रहते हैं जिनके सर पर छत नहीं है उनके लिये क्या करना है उनके लिये उनको छत मिले, उन्हें घर मिले उसके लिये उन्होंने कोई काम नहीं किया। वो केजरीवाल साहब जो अपने घर का टॉयलेट बनाने के लिये करोड़ों रुपये खर्च देते हैं, दिल्ली के झुग्गीवासी किन शौचालयों का उपयोग कर रहे हैं, आज दिल्ली देश की राजधानी है फिर भी दिल्ली में सबसे ज्यादा ओपन डेफिकेशन है, ये शर्मनाक हरकत, ये शर्मनाक काम का जिम्मेदार वो सरकार है जिसका राज पिछले इतने साल रहा। एक भी काम वो बतायें कि उन्होंने अपने कार्यकाल में शुरू किया

और उसे खत्म किया। बची-खुची रोटियां, बचे-खुचे टुकड़े जो शीला दीक्षित जी के समय के थे उन्होंने केवल उसी का प्रचार-प्रसार किया कि हमने ये कर दिया, हमने वो कर दिया। झूठा, फ्रॉड शिक्षा का मॉडल जिसमें बेचारे बच्चे फेल होते रहे, ड्रोपआउट होते रहे परंतु उनका भविष्य अधर में लटका रहा और ये अपना प्रोपोगेंडा करते रहे हमारा शिक्षा का मॉडल। दिल्ली की जनता से पूछो जाकर कौन से शिक्षा मॉडल की बात कर रहे हैं। अभी आशीष भाई ने बताया कि कितने ज्यादा ये लोग केवल अपना सर्वस्व मैं-मैं-मैं। केजरीवाल जी ने दिल्ली की जनता के बने हुये उन मकानों में उनको जाने नहीं दिया उन झुग्गीवासियों को क्योंकि वो मुख्यमंत्री आवास योजना के नाम से घोषित नहीं हुये, पैसा सरकार देगी केन्द्र की सरकार नाम तुम्हारा देंगे भाई ऐसा कहां होता है, तुम लगाते तुम करते तुम उसमें अपना नाम लिखते। तुमने तो छोटी-छोटी चीजें पर यानि कि इस सदन में वाईट वाश हुई उसका भी पत्थर माननीय मुख्यमंत्री ने यहां लगा करके छोड़ा हुआ है। तुम तो नाम के इतने भूखे हो। तुमने दिल्ली की जनता को आयुष्मान योजना से महरूम रखा क्योंकि तुम्हारा नाम उसमें नहीं था। उसमें 'प्रधानमंत्री आयुष्मान योजना' था इसलिए दिल्ली की जनता को तुमने वो मिलने नहीं दिया। पूरे देश की जनता को आयुष्मान का लाभ मिला पर दिल्ली की जनता उससे महरूम रही। सिर्फ और सिर्फ तुम्हारे अहम के कारण। आज दिल्ली की जनता बाट जोह रही है कि कैसे दिल्ली आगे बढ़ेगी, दिल्ली में वो काम होंगे। मैने बहुत से

अधिकारियों से मेरी बात हुई। मतलब वो सरकार जो अपने ही अधिकारियों को मारती पीटती थी, गाली गलौच करती थी, कैसे काम होते उस सरकार में। अपने ही चीफ सैक्रेट्री को घर में बंद करके पीटना, ये तो माननीय मुख्यमंत्री जी ही कर सकते थे। ऐसे लोग जो इस राज्य से कर वसूल करके दूसरे राज्यों में चुनाव में जाकर खर्च करते थे। केवल और केवल एजेंडा था कलैक्शन। कलैक्शन हो जाएं और उसके बाद खर्च कहां करना है वो कोई नहीं जानता था। मुझे जब मैंने ये सीएजी का रिपोर्ट प्रस्तुत किया तो रिपोर्टर्स ने पूछा कि चौदह की चौदह रिपोर्टे एक बार में क्यों नहीं प्रस्तुत करती है मुख्यमंत्री जी। मैने कहा भाई एक-एक इतनी भारी है। एक बार में करूंगी तो हमारे विधायकगण अपने घर रिपोर्ट लेकर भी नहीं जा पायेंगे। इतनी भारी-भारी रिपोर्टे। एक-एक रिपोर्ट जिसका वजन पता नहीं हो सकता है ये तीन चार किलो तो लग ही रहा है मुझे। तो इतने पेपर पढ़ना, उनको समझना, तो एक-एक करके निकाल रहे है तो उनकी सांसे ऊपर नीचे हो रही है और उनकी इतनी हिम्मत नहीं है कि वो सदन में आकर सामने बैठ सकें, उसे सुन सके। उन्हें बहाना चाहिए था। तस्वीर नहीं लगी। मैं उनसे पूछना चाहती हूं जो सरकार का एडमिनिस्ट्रेटिव हैड है, जो देश की राष्ट्रपति, क्या उनकी फोटो नहीं लगनी चाहिए। आज जिनके माननीय हमारे शहीद भगत सिंह, हमारे बाबा साहब हम सबके पुरोधा हैं। हमने उनको सम्मान जनक, हमारे दिल में सम्मान है। जितना काम इस दिशा में कि बाबा साहब के सम्मान में देश

भर में होना चाहिए वो नरेन्द्र मोदी सरकार ने किया है। आज तक किसी सरकार ने ना किसी नेता ने इस सम्मान को उन्हें दिया जितना सम्मान मोदी सरकार ने बाबा साहब के चरणों में अर्पित किया है। वो लोग बातें करते है फोटो नहीं लगाई। केवल मात्र बहाना कि मुझे तो लड़कर जाना है किसी तरीके से मुझे यहां से बाहर निकले क्योंकि वो सुन नहीं सकते थे जो बातें इस रिपोर्ट में लिखी हुई है, जो बातें एक-एक विधायक यहां बोलेगा उनकी हिम्मत नहीं थी वो सुनने की इसलिए वो दौड़ गए कि भाग जाओ भैया जो मर्जी बोले यहां पर आप हम तो बचे। उनको काम क्या है? उनका काम है इस सदन में बैठे अपने चिंगू-मिंगू के माध्यम से वीडियोज बनवाएं, उस वीडियो को प्रचारित करें प्रसारित करें। एक वीडियो रिलीज हुआ है प्रवेश जी, एक बुक्के था अब बुक्के दे रहे थे वो कह रहे जी एक बुक्के से मुख्यमंत्री जी ने कईयों को निपटा दिया। भई मैं तो बनियों की लड़की हूं, मैं तो फिजूलखर्ची कर नहीं सकती। इस दिल्ली की जनता का एक-एक रुपया जो की राजस्व के रूप में हमें मिलता है एक भी रुपये का दुरुपयोग मैं होने नहीं दूंगी आज इस सदन के माध्यम से मैं कहती हूं। भई एक बुक्का इस्तेमाल कर लिया तो क्या गलती कर दी भाई, पैसा बचाया है खराब तो नहीं किया और ये भी बताना चाहूंगी कि जो भी लोग इस लूटपाट में भ्रष्टाचार में लिप्त थे, एक भी व्यक्ति को छोड़ेंगे नहीं, एक-एक पाई का जवाब देना पड़ेगा। चुनाव के दौरान बहुत सारे पोस्टर लगे, स्टिकर लगे भाई हो तो

ऐसा, भाई हो तो ऐसा, डैश-डैश-डैश। ऐसा भाई जिसने दिल्ली की बहनों के परिवार बर्बाद कर दिये, घर बर्बाद कर दिये। एक के साथ एक फ्री देने वाला तो सर एक ही मुख्यमंत्री है पूरे के पूरे देश में। एक ही मुख्यमंत्री है एक के साथ एक फ्री दारू। कैसे घर बर्बाद हुए, कैसे बहनें खून के आंसू रोई ये केजरीवाल साहब जो उन्होंने किया वो इतिहास में लिखा गया है। जो घर बर्बाद हुए, जब उस बहन का पति उससे लड़ता था तो वो सौ-सौ गालियां देती थी केजरीवाल को और वही बद्दुआएं लगी हैं कि केजरीवाल जी की पूरी की पूरी टीम सिमटकर जितने धुरंधर थे, जितने मुखिया थे सब घर जाकर के दुबककर बैठ गये हैं। दिल्ली की जनता, दिल्ली की बहनें उनकी बद्दुआएं उन्हें लगी हैं। जो नीतियां-रीतियां उन्होंने अपनाई, जो भविष्य खतरे में डाला दिल्ली को बर्बाद करने की दिशा में, वो उन्होंने कुछ छोड़ा नहीं है। उन्होंने डेवलपमेंट के नाम पर जहां-जहां जो-जो करना चाहिए था कुछ भी नहीं किया। केन्द्र सरकार से करोड़ों-करोड़ रुपये आते रहे और उनको बर्बाद करने के लिए उन्होंने सारे काम किये। यमुना की सफाई के लिए करोड़ों रुपये आए, कुछ काम नहीं किया। दिल्ली में जी-20 के समय में जितने काम हुए उसमें दिल्ली सरकार का जो शेयर देना था दिल्ली सरकार ने नहीं दिया। मेट्रो के एक्सटेंशन में जो पैसे दिल्ली सरकार ने देने थे दिल्ली सरकार ने नहीं दिये। एक भी काम दिल्ली सरकार ने जो उनका बनता था वो किया नहीं। जब भी जरूरत पड़ी केन्द्र सरकार ने ही खड़े होकर के

दिल्ली को संभाला। कोविड के समय में भी न तो केजरीवाल घर से बाहर निकले, न ही उनके जितने विधायक थे घर से बाहर निकले। एक भी विधायक समेत उनके मंत्रीमंडल के किसी भी मंत्री ने दिल्ली की जनता की कोई मदद नहीं करी अध्यक्ष जी। तब भी दिल्ली को संभालने वाले आदरणीय प्रधानमंत्री जी थे और गृह मंत्री अमित शाह जी थे जिन्होंने दिल्ली को संभाला और दिल्ली के प्राण बचाये। कैसे भूल जायेगी दिल्ली की जनता, कैसे भूल जायेगी? आज भी मैं तो यही कहना चाहूंगी कि मिशन मोड पर काम करना पड़ेगा। एक दूसरे पर दोषारोपण की जो प्रथायें चलती थीं हमें उससे मतलब नहीं है। मीडिया वाले मेरे को रास्ते चलते बाइट के लिए बोलते हैं, मैं मना कर देती हूँ। मैंने कहा कुछ करने तो दो पहले काम। काम करूंगी उसके बाद बोलूंगी और कोई बहाना नहीं, कोई किसी के ऊपर दोषारोपण नहीं, कोई अमर्यादित व्यवहार नहीं। केवल और केवल काम और उस काम के करते हुए दिल्ली में जो-जो भी दिल्ली जिसकी अधिकारी है वो सारे के सारे अधिकार उनको देने हैं। यहां तक कि एमसीडी का जो शेयर हमारा बनता है आज इस सदन के माध्यम से मैं कहना चाहती हूँ कि एक करोड़ 92, नहीं 192 करोड़ रूपए जो दिल्ली नगर निगम का शेयर है वो हमने उनको ट्रांसफर करवा दिया है। दिल्ली की जनता को बातों की सफाई, हाथ की सफाई नहीं चाहिए, दिल्ली को दिल्ली की सफाई चाहिए, इसलिए हम नगर निगम को पूरा का पूरा स्पेस देंगे कि वो जो काम उनके हैं उस काम को करने के लिए जो भी

हमारी तरफ से हमारी जिम्मेवारी बनती है वो जरूर हम उनको करके देंगे। कहीं पर भी कोई कमी रखेंगें नहीं और यहां तक कि पहले भी केंद्र सरकार ने पूरी मदद दिल्ली नगर निगम की भी की और दिल्ली सरकार की भी की। ये तो इनके मन में इनकी नियत और नीति दोनों ही भ्रष्ट थीं। जब यमुना की सफाई केजरीवाल जी ने नहीं करी बार-बार वायदा करने के बाद भी तो माननीय एनजीटी ने एक समिति बनाई। उसके अध्यक्ष के रूप में एलजी साहब को मनोनीत किया और ये कहा कि यमुना की सफाई करवायें, तो केजरीवाल साहब को डर लग गया। उन्हें लगा कि अरे ये काम हो जायेगा और मैं तो रह जाऊंगा कि दिल्ली की जनता कहेगी कि देखिए वायदा आपने किया था काम एलजी साहब कर रहे हैं। तुरन्त उन्होंने स्टे ले लिया। सुप्रीम कोर्ट चले गए। पहली सरकार होगी जो अपने राज्य में काम होने के खिलाफ जाकर के स्टे ले ले और उन्होंने यमुना की सफाई होने नहीं दी। यही सेम काम उन्होंने जब कूड़े के पहाड़ हटने चाहिए और वो कुछ नहीं कर पा रहे थे तो एनजीटी ने समिति बनाकर के एलजी महोदय को अध्यक्ष बनाया, कहा कि ये पहाड़ हटने चाहिए, ये काम होना चाहिए और हमारी केंद्र की सरकार ने, हमारे नितिन गडकरी जी ने एनएचएआई के माध्यम से जितना भी यहां पर वेस्ट था उसको लेजा लेजाके जो नई सड़कें बन रही थीं उसमें उसको यूज किया और बहुत बड़ा एरिया खाली होता चला गया। परन्तु उनको ये भी सुहाया नहीं और केजरीवाल साहब ने वहां पर भी कोर्ट में जाकर स्टे ले लिया कि

ये काम भी दिल्ली में होना नहीं चाहिये। कितने शर्म की बात है कि दिल्ली का विकास उनकी प्रिऑरिटीज में था ही नहीं। वो एक रिमोट से कई सरकारें चलाना चाहते थे कभी पंजाब की, कभी दिल्ली की और कभी अन्य अन्य राज्यों में जाकर के गोवा भी मैं ही चलाउंगा, यूपी भी मैं ही देखूंगा, हरियाणा भी मैं ही करूंगा, ऐसा महत्वकांक्षी व्यक्ति दिल्ली के भाग्य में लिखा था, अच्छा हुआ छूट गया। आदरणीय प्रधानमंत्री जी ने जिस प्रकार से नेशनल मिशन फोर क्लीन गंगा को करते हुए पूरी गंगा को साफ किया और इस बार इस महाकुंभ में साठ करोड़ से अधिक लोगों ने स्नान किया कितनी बड़ी बात है। जब गंगा जी साफ हो सकती है, करोड़ों लोग उसमें स्नान कर सकते हैं, उसका आचमन कर सकते हैं, यमुना जी यदि साफ नहीं हो पाई तो केवल और केवल इस सरकार के कारण, इनकी नीतियों के कारण, इनकी बेईमानी के कारण और यमुना जी साफ होंगी, आदरणीय प्रधान मंत्री जी ने जो विजन यमुना जी के लिये, दिल्ली के लिये लिया है निश्चित रूप में इस बार डबल इंजन की सरकार उसके लिये काम करेगी। अभी आशीष जी ने बताया कि माननीय गृहमंत्री जी के साथ जो आज हमारी मीटिंग हुई, मैं सोच रही थी कि इतनी बड़ी सरकार, इतने सारे राज्य और दिल्ली के लिये जो उनकी चिंता है, दिल्ली के लिये जो उनका कंसर्न है वो हम सबका सौभाग्य है कि आज उन्होंने छोटे छोटे विषय पर भी बड़े से बड़े अधिकारियों के साथ में मीटिंग कर ये कहा कि दिल्ली में समर एक्शन प्लान, दिल्ली

में मानसून एक्शन प्लान की तैयारी की जाये ताकि दिल्ली की जनता परेशान न हो, दिल्ली की जनता को वो तकलीफें दोबारा झेलनी न पड़े। मैं धन्यवाद करती हूं अपने नेतृत्व का, आदरणीय मोदी जी का, आदरणीय अमित शाह जी का जिन्होंने दिल्ली के लिये एक पूरी तरीके से डेडिकेटिड टीम को मौका दिया यहां पर आने का। मैं वो सारी चीजें जो दिल्ली के लिये सोची गयी हैं, दिल्ली के लिये जो करनी हैं, एक बार फिर से अपनी बात को दोहराती हूं कि दिल्ली की मुख्यमंत्री के रूप में इस सदन में फिर से एक बार ये संकल्प लेती हूं कि मैं और मेरी सरकार का हर मंत्री, हर विधायक, अधिकारी, कर्मचारी जनता के लिए सदैव उपलब्ध रहेंगे और सेवक के रूप में कार्य करते रहेंगे। माननीय एलजी महोदय का भी मैं बहुत-बहुत धन्यवाद करती हूं कि उन्होंने चट्टान की भांति दिल्ली में भ्रष्टाचार को रोकने के लिये पूरी ताकत लगाई और दिल्ली के विकास के लिए हर संभव कार्य किया। बहुत-बहुत धन्यवाद आप सभी का और अध्यक्ष जी माननीय एलजी महोदय का, आपका, और आप सभी का बहुत बहुत धन्यवाद आप सभी का और माननीय एल.जी. महोदय का अध्यक्ष जी आपका, मिलकर के दिल्ली के लिये काम करना है, मिल कर के दिल्ली को मिशन मोड पर लेकर आना है। ये जंग लगा हुआ सिस्टम है परंतु इसको सुपर एक्सप्रेस के रूप में काम करना है और मिलकर करेंगे। जय हिंद, जय भारती।

माननीय अध्यक्षः माननीय सदस्यगण, माननीय उपराज्यपाल महोदय के अभिभाषण पर सदन में बहुत अच्छी चर्चा हुई है। सदस्यों ने अभिभाषण के विभिन्न पहलुओं पर अपने विचार सदन में रखे। यह हम सब जानते हैं कि उप-राज्यपाल महोदय का अभिभाषण सरकार का विजन डाक्यूमेंट होता है और इसके हर शब्द का अपना महत्व है। यह एक मार्गदर्शक दस्तावेज की तरह होता है जो यह बताता है कि सरकार किन मुददों पर काम करने वाली है। इसके माध्यम से सरकार और विधायिका के बीच भी कोऑर्डिनेशन बनता है जिससे प्रशासनिक कार्य का सुचारू रूप से संचालन हो पाता है। मुझे उम्मीद है कि आज धन्यवाद प्रस्ताव पर हुई चर्चा सार्थक सिद्ध होगी और सरकार अभिभाषण के अनुसार दिल्ली की जनता की भलाई के लिये अपने सभी संकल्प पूरे करेगी। दस वर्षों के बाद अब सदन की गरिमा बहाल हुई है और पद की गरिमा को भी समुचित सम्मान दिया गया है। मुझे इस बात की बहुत पीड़ा है कि पिछली सरकार के दौरान इस सदन में उप-राज्यपाल महोदय के विरूद्ध प्रस्ताव पास किये गये, उनके विरूद्ध टिप्पणी की गयी और नियमों की धज्जियां उड़ाई गईं। आज मुझे इस बात की खुशी है कि इतने वर्षों बाद पूरे सम्मान के साथ धन्यवाद प्रस्ताव को प्रस्तुत किया गया और इसके शब्दों के महत्व को समझा गया। माननीय सदस्यगण, अब श्री मनजिंदर सिंह सिरसा माननीय मंत्री द्वारा प्रस्तुत धन्यवाद प्रस्ताव सदन के सामने है कि यह सदन उप-राज्यपाल द्वारा दिनांक 25 फरवरी, 2025 को विधान सभा में दिये गये अभिभाषण

के लिये उनके प्रति हार्दिक आभार प्रकट करता है। यह प्रस्ताव सदन के सामने है

जो इसके पक्ष में हैं, वे हाँ कहें,

जो इसके विरोध में हैं, वे ना कहें,

(सदस्यों के हाँ कहने पर)

हाँ पक्ष जीता, हाँ पक्ष जीता

प्रस्ताव पारित हुआ। माननीय उप-राज्यपाल महोदय को इसकी सूचना भिजवा दी जायेगी। अब सदन की कार्यवाही सोमवार, दिनांक 03 मार्च, 2025 को प्रातः 11 बजे तक के लिये स्थगित की जाती है।

(सदन की कार्यवाही सोमवार, दिनांक 03 मार्च, 2025 को प्रातः 11 बजे तक के लिये स्थगित की गई।)

समाप्त

© दिल्ली राष्ट्रीय राजधानी राज्यक्षेत्र शासन अधिनियम, 1991 की धारा 18 (2) के उपबंधों तथा राष्ट्रीय राजधानी क्षेत्र, दिल्ली विधान सभा प्रक्रिया तथा कार्य संचालन नियमावली के नियम 281 (2) के प्रावधानों के अंतर्गत प्रकाशित तथा ग्राफिक प्रिंटर्स, 2965 /41, बीडनपुरा, करोल बाग, नई दिल्ली-110 005 द्वारा मुद्रित।